कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित

रांची, शनिवार, 28 जून, 2025
वर्ष : 13, अंक : 39
मूल्य : 3 रुपए
www.koylanchalsamvad.com

रांची में भव्य रथ यात्रा उमड़ा जनसैलाब...

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा ने दिए दर्शन, सीएम हेमंत सोरेन का वीडियो संदेश

रांचीः राजधानी रांची के धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर से गुरुवार को भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली गई. हर वर्ष की तरह इस बार भी यह आयोजन पूरी (ओडिशा) की परंपरा के अनुरूप किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान की भक्ति में अपने को समर्पित कर दिया.

सुबह से ही मंदिर परिसर में रौनकः सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी थी. विशेष पूजा-अर्चना और महाभोग अर्पण के बाद भगवान को सजे-धजे रथ पर विराजमान कराया गया. इसके बाद आरती, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार के बीच रथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ.

मौसी बाड़ी के लिए हुए रवानाः भगवान जगन्नाथ अपने भाई और बहन के साथ मौसी बाड़ी (गुंडिचा मंदिर) के लिए रवाना हुए. मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी मौसी के घर जाते हैं और वहां दस दिनों तक विश्राम करते हैं. इस दौरान भगवान मंदिर में नहीं, बल्कि मौसी बाड़ी में ही श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं. यात्रा के दौरान भक्तों ने रथ की रस्सियों को पकड़कर स्वयं खींचते हुए भगवान को उनके गंतव्य तक पहुंचाया. इस कार्य को भाग्यशाली और पुण्य का कार्य माना जाता है. इस दौरान जय जगन्नाथ के जय घोष से पूरा माहौल भक्तिमय दिखा।

श्रद्धालुओं का जनसैलाब, उमड़ी भीड़ः इस पावन अवसर पर राज्य के विभिन्न जिलों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे. महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पारंपरिक वस्त्र पहनकर रथ यात्रा में भाग लिया. पूरा वातावरण "जय जगन्नाथ" के उद्घोष से गूंज उठा. श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचते हुए भक्ति में लीन दिखे. मंदिर प्रांगण से लेकर मौसी बाड़ी तक रास्ते के दोनों ओर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दिखीं।

इस बार भी अन्य प्रदेशों से व्यापारी और श्रद्धालु मेले में पहुंचे, जिससे मेले की रौनक कई गुना बढ़ गई. जगह-जगह भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और झांकियों ने माहौल को और भी भव्य बना दिया।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः रथ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की थी. मेला परिसर और रथ मार्ग पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी. किसी भी वाहन की मेला क्षेत्र में एंट्री पूरी तरह से प्रतिबंधित थी. ट्रैफिक को रूट डायवर्ट कर दिया गया था ताकि भीड़ नियंत्रण में रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो. इसके अलावा आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी सुरक्षा व्यवस्था और भक्तों को सहयोग देने के लिए जगह-जगह तैनात दिखे.

सांस्कृतिक विरासत की झलकः रथ यात्रा के साथ लगे मेला परिसर में भी जबरदस्त चहल-पहल रही. बच्चों के लिए झूले, खिलौनों की दुकानें, महिलाओं के लिए श्रृंगार और बड़ों के लिए विभिन्न मनोरंजन के साधन मौजूद थे. खाने-पीने की दुकानों से लेकर धार्मिक साहित्य तक—हर किस्म की दुकानें सजी थीं. मेले में झारखंड की लोक संस्कृति और धार्मिक विरासत की झलक साफ दिखी.

6 जुलाई को लौटेंगे भगवानः रथ यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा मौसी बाड़ी में अगले दस दिनों तक विश्राम करेंगे. 6 जुलाई को तीनों विग्रह मुख्य मंदिर लौटेंगे, जिसे घूरती रथ यात्रा कहा जाता है. तब तक मेला परिसर भक्तों से गुलजार रहेगा और धार्मिक गतिविधियों का सिलसिला चलता रहेगा. इस भव्य आयोजन में कोई वीआईपी संस्कृति नहीं दिखी. आम लोगों की तरह कई गणमान्य और विशिष्ट अतिथि भी सादगी से रथ यात्रा में शामिल हुए और भगवान के दर्शन किए।

जगन्नाथपुर मंदिर से निकली रथ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और सामुदायिक एकता का प्रतीक है. रांची में यह परंपरा न सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र बन चुकी है, बल्कि हर वर्ष इसकी भव्यता और धार्मिक गहराई लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है.

राज्यपाल, मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष ने दी बधाई

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जगन्नाथपुर रथ यात्रा की सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। वहीं, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ सभी को उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।जय जय जगन्नाथ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने महाप्रभु जगन्नाथ जी की रथयात्रा के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

दिल्ली से सीएम ने रथयात्रा पर जारी किया वीडियो संदेश

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर जगन्नाथपुर रथयात्रा को लेकर कहा कि आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल वे वहां उपस्थित होते थे। दिशोम गुरु शिबू सोरेन अभी अस्वस्थ हैं। दिल्ली में उनका इलाज चल रहा है। इसलिए वे इस बार रथयात्रा में शामिल नहीं पाए। भगवान जगन्नाथ से उन्होंने प्रार्थना की है कि गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आएं और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाए रखें। उन्होंने लिखा है कि भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें।

संत जोसेफ कॉलेज तोरपा को आरटीआई के तहत अनुदान विवरण देना होगाः हाईकोर्ट

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि संत जोसेफ कॉलेज, तोरपा को राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान से संबंधित सभी जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) 2005 के तहत देनी होगी. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब कोई संस्था सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त करती है, तो वह सार्वजनिक प्राधिकरण की श्रेणी में आती है ऐसी स्थिति में उस पर आरटीआई के प्रावधान लागू होंगे और उससे कॉलेज से जुड़ी जानकारियां मांगी जा सकती है.

कॉलेज ने आयोग के आदेश को हाईकोर्ट में दी थी चुनौती

दरअसल याचिकाकर्ता अमित कुमार राय ने कॉलेज से यह जानकारी मांगी

थी कि राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान की राशि से कॉलेज ने शिक्षकों और गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों को कितनी सैलरी दी. लेकिन कॉलेज प्रशासन ने यह जानकारी देने से इनकार कर दिया. इसके बाद याचिकाकर्ता ने राज्य सूचना आयोग में शिकायत दर्ज कराई. तो आयोग ने आदेश दिया कि कॉलेज को आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी प्रदान करनी होगी. इस आदेश को कॉलेज ने झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी, लेकिन हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच (दो न्यायाधीशों की पीठ) ने कॉलेज की याचिका खारिज करते हुए आयोग के आदेश को सही ठहराया.

कोर्ट का स्पष्ट रुख

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि 2016 में कॉलेज को राज्य सरकार से 40 लाख रुपये का अनुदान मिला था, जो यह दर्शाता है कि वह सरकार द्वारा वित्तपोषित संस्था है. इसलिए आरटीआई अधिनियम की धारा 2(h) के तहत वह सार्वजनिक प्राधिकरण की श्रेणी में आता है और उसे संबंधित जानकारी उपलब्ध करानी होगी.

कॉलेज की दलील खारिज, याचिकाकर्ता ने रखा पक्ष

कॉलेज ने यह तर्क दिया कि वह आरटीआई के दायरे में नहीं आता, लेकिन कोर्ट ने 20 जून 2025 को हुई अंतिम सुनवाई में इस दलील को अस्वीकार करते हुए कहा कि सरकारी पैसे के उपयोग पर जनता को जानकारी मांगने का अधिकार है और संस्थान को इसका जवाब देना अनिवार्य है. इस मामले में याचिकाकर्ता अमित कुमार राय की ओर से वकील विशाल कुमार राय ने अदालत में प्रभावी रूप से पक्ष रखा. हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब कॉलेज को यह बताना होगा कि सरकार से मिले अनुदान का उपयोग कैसे और कहां हुआ, किन कर्मचारियों को कितना भुगतान किया गया.

पेट्रोलिंग के लिए राज्य के पुलिस बेड़े में शामिल होगा बोलेरो और टीवीएस अपाची

रांची : अब राज्यभर के सभी थानों को पेट्रोलिंग के लिए बोलेरो और टीवीएस अपाची उपलब्ध कराया जाएगा. इसके लिए 1255 महिंद्रा बलेरो बी 6 ओपीटी, बीएस सिक्स और 1697 टीवीएस अपाची आरटीआर खरीदी जाएगी. इसकी अनुशंसा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासी पदवर्द समिति ने की है. समिति में विकास आयुक्त, कार्मिक सचिव, वित्त सचिव और योजना विकास सचिव सदस्य हैं. फोर व्हीलर और टू व्हीलर के कुल 2952 वाहनों की खरीद की जाएगी.

पूर्व से उपलब्ध 2212 वाहनों की होगी नीलामी

पेट्रोलिंग के लिए पूर्व से उपलब्ध 2212 वाहनों की नीलामी की जाएगी. इसमें 1079 फोर व्हीलर और 1133 दो पहिया वाहन शामिल हैं. नीलामी से प्राप्त होने वाली राशि कोषागार में जमा की जाएगी.

गृह विभाग के प्रधान सचिव को वोल्सकोवेगन वर्चुस

प्रशासी पदवर्ग समिति ने गृह विभाग के प्रधान सचिव के लिए वोल्सकोवेगन वर्चुस कार खरीदने की अनुशंसा की है. कार्मिक विभाग के लिए भी एक वाहन खरीदने की अनुशंसा की है. वहीं जिला क्रीड़ा पदाधिकारियों के लिए वाह्य स्त्रोत से एक बोलेरो रखने की अनुशंसा की है.

झारखंड का चतरा जिला देश के 112 आकांक्षी जिलों में टॉप पर रहा

नीति आयोग से मिलेगा 10 करोड़ रुपए का पुरस्कार

रांचीः नीति आयोग द्वारा आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार झारखंड के चतरा जिले ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है. इसके लिए चतरा जिले को नीति आयोग से 10 करोड़ रुपए का पुरस्कार मिलेगा. यह उपलब्धि चतरा जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का नतीजा है. नीति आयोग द्वारा यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के जरिए शेयर की गयी.

नीति आयोग ने की चतरा की प्रगति की सराहना

नीति आयोग ने झारखंड के चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में विकास को सराहा. शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिले को नीति आयोग द्वारा 10 करोड़ की पुरस्कार राशि दी जाएगी. इसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक

पहलों को और अधिक गति देना है.

उपायुक्त कीर्ति श्री ने दी बधाई

इस उपलब्धि पर चतरा की उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने जिले की पूरी प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और हम सभी मिलकर इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं. यह सफलता आकांक्षी जिला कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में चतरा जिले की मजबूत पहल और सतत प्रयास का प्रमाण है. इसके अलावा गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए भी चुना गया है.

"क्रिकेट से खेती तकः धोनी का ऑर्गेनिक कड़कनाथ मुर्गा बना चर्चा का विषय, कीमत 1000 रुपये किलो"

'कैप्टन कूल' महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों रांची में अपना समय बीता रहे हैं. माही के फैंस इस बात को बखूबी जानते हैं कि उन्हें फार्मिंग से कितना अधिक लगाव है. माही जब कभी भी अपने होमटाउन रांची आते हैं, वे अपने फार्म हाउस जाना बिल्कुल नहीं भूलते. वे अपने फार्म हाउस में तरह-तरह की सब्जियों को ऑर्गनिक तरीके से उगाते हैं. साथ ही वे मछली, मुर्गा और गाय पालन भी करते हैं.

बाजारों में बेची जाती है फल और सब्जियां

राजधानी रांची के सिमलिया में रिंग रोड पर धोनी का फार्म हाउस है. यह फार्म हाउस करीब 43 एकड़ के बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है, जहां टमाटर, ब्रोकली, फ्रेंचबीन, मटर, स्ट्रॉबेरी,

अमरूद समेत कई तरह की फल और सब्जियां ऑर्गनिक तरीके से उगाई जाती है. इन सब्जियों और फलों को बाजारों में बेचा भी जाता है. हालांकि ऑर्गनिक उपज के कारण इनकी कीमत थोड़ी अधिक होती है. इन फसलों में किसी तरह के केमिकल का बिल्कुल भी प्रयोग नहीं किया जाता है. सभी फसलों में केवल मिट्टी, गोबर और गौमूत्र से बने आर्गेनिक खाद का ही इस्तेमाल होता है.

1 हजार रुपये किलो बिक रहा कड़कनाथ मुर्गा

खेती के अलावा धोनी अपने फार्म हाउस में मुर्गा और गाय पालन भी करते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक फार्म हाउस में करीब 40-50 गायें हैं. इन गायों से बड़ी मात्रा में दूध का उत्पादन भी होता है. फार्म हाउस से रांची के बड़े-बड़े स्वीट सेंटर में ये दूध भेजे जाते हैं. धोनी के फार्म हाउस में कड़कनाथ मुर्गा काफी प्रचलित है. यहां कड़कनाथ मुर्गा पालन किया जाता है. रिपोर्ट्स के अनुसार यह कड़कनाथ मुर्गा फिलहाल 1 हजार रुपये प्रति किलो की कीमत पर बिक रहा है. यह मुर्गा भी फार्म हाउस में आर्गेनिक तरीके से बड़ा होता है. इसे बड़ा करने के लिए किसी तरह के कोई इंजेक्शन या दवा का इस्तेमाल नहीं किया जाता है.

मछली पालन भी करते हैं धोनी

ये तो हो गयी फार्मिंग, गाय और मुर्गा पालन, लेकिन माही को मछली पालन का भी खूब शौक है. धोनी के फार्म हाउस में एक बड़ा तालाब है, जहां मछली पालन किया जाता है. मालूम हो कुछ दिनों पहले इसी तालाब पर मछली पकड़ते हुए माही के कुछ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे.

लोहरदगा में डबल मर्डर से मचा हड़कंप, महिला और उसके पोते की बेरहमी से हत्या

लोहरदगाः जिले में दोहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई. यहां एक ही परिवार के दो सदस्यों की हत्या से लोगों में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है. मामला लोहरदगा जिले सदर थाना क्षेत्र के भक्सो डूमर टोली गांव का है. यहां विनोद उरांव के नाबालिग बेटे और उसकी मां बरिया उरांव की हत्या अज्ञात अपराधियों ने कर दी.

परिजनों ने बताया कि घर के अंदर दो सदस्यों की हत्या हो जाने के बाद भी इसकी भनक दूसरे सदस्यों को नहीं लग सकी. पुलिस के अनुसार, नाबालिग की हत्या, धारदार हथियार से की गई है. जबकि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है. दोनों के शव, घर के अलग-अलग कमरों में पाए गए. जब सुबह घर के सदस्य, दूसरे कमरों में पहुंचे तो वहां नाबालिग और महिला के शव को देखकर हक्के बक्के रह गए.

दोहरे हत्याकांड की सूचना पर सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा. इसके साथ ही पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है.

'लोहरदगा के भक्सो में एक वृद्ध महिला और एक किशोर की हत्या हुई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. आगे की कार्रवाई की जा रही है. अनुसंधान के बाद ही हत्या के कारणों का पता चल सकेगा': ***सादिक अनवर रिजवी,*** *एसपी*

संक्षिप्त खबरें...

सांढ़ पंचायत में चलाया गया नशा मुक्ति अभियान, लोगों को किया गया जागरूक

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।सांढ़ पंचायत में मुखिया सुलेखा कुमारी के नेतृत्व में नशा मुक्ति अभियान चलाकर सम्पूर्ण पंचायत को नशामुक्त करने का निर्णय लिया गया। नशा मुक्ति को लेकर प्रबुद्ध जनों के द्वारा सांढ़ उत्क्रमित मध्य विद्यालय से शिवाडीह पीएम श्री उच्च विद्यालय तक प्रभात फेरी निकाली गई। तथा ग्रामीणों को जागरूक किया गया।मौके पर बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने कहा कि नशा मुक्त समाज को बनाने में स्वयं की सहभागिता महत्वपूर्ण होती है,क्योंकि जब लोग स्वयं को नशा से दूर रखेंगे तब घर को नशा से दूर रख सकते हैं। जब घर नशा से दूर होगा तो समाज को नशा से मुक्ति दिलाई जा सकती है। जिससे हमारा समाज सुदृढ़ व सशक्त होगा। इसके साथ-साथ उपस्थित सभी महिला पुरुषों ने शपथ लिया कि ना अपने घर में किसी को नशा का सेवन करने देंगे और ना ही अगल-बगल आज पड़ोस में किसी को करने देंगे।मौके पर मुखिया सुलेखा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, पूर्व मुखिया भीखन महतो ,पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुमार ,गिन्नी वर्मा ,गुरुदयाल कुमार जिज्ञासु, जलसहिया नेहा कुमारी ,रेखा कुमारी ,विकास कुमार ,ममता कुमारी ,सुचित्रा सिंह, विष्णु दयाल कुशवाहा ,कृष्ण कुमार मिश्रा, दशरथ महतो, प्रमोद कुमार ,संगीता कुमारी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

मुखिया ने चापानल एवं जलमीनार को करवाया दुरुस्त

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव पश्चिमी पंचायत अंतर्गत देवी मंदिर के प्रांगण में खराब पड़े जल मीनार एवं चापानल को बड़कागांव सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार ने मरम्मत करवा कर पानी चालू करवाया। बता दें की उक्त जलमीनार एवं चापानल कई दिनों से खराब पड़ा था। जिसके कारण ग्रामीणों एवं पूजा करने वाले भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मुखिया रंजीत कुमार ने संज्ञान में लेते हुए तुरंत मरम्मत करवाया ताकि ग्रामीणों को जल संकट का सामना न करना पड़े।

बारिश से गिरा मिट्टी का मकान ध्वस्त, किया आवास की मांग

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। भारी बारिश के कारण हुए बड़कागांव प्रखंड के चंदौल पंचायत में एक असहाय गरीब खुशी महतो का मिट्टी का खपरैल मकान गिर गया। चंदौल पंचायत की पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुरेश चौधरी ने बताया कि भारी बारिश होने के कारण पंचायत के ग्राम होरम निवासी खुशी महतो का मिट्टी का कच्चा मकान गिर गया है। जिससे घर की स्थिति जर्जर हो गई है।खुशी महतो के परिवार जनों को रहने में काफी परेशानी हो रही है। सुरेश चौधरी ने प्रशासन से पीड़ित खुशी महतो के लिए आवास की मांग की है ताकि उसका परिवार अच्छी तरह से जीवन व्यतीत कर सके।

कांग्रेस का नेता बनो नेता चुनो कार्यक्रम आयोजित, संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के आवास समाधान भवन में कांग्रेस पार्टी युवा मोर्चा का नेता बानो नेता चुनाव कार्यक्रम को लेकर युवा कांग्रेसियों की बैठक हुई ।बड़कागांव विधानसभा कार्यकारी अध्यक्ष बाबर खान की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक के मुख्य अतिथि हजारीबाग जिला चुनाव प्रभारी नरेंद्र यादव ने कहा कि झारखंड युवा कांग्रेस के कार्यकाल पूरा होने के बाद संगठन का पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू की गई है। इस प्रक्रिया के तहत प्रखंड युवा कांग्रेस से लेकर प्रदेश युवा कांग्रेस संगठन का चुनाव पारदर्शिता, निष्पक्षता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों पर किया जाएगा। बाबर हुसैन ने कहा कि सभी युवाओं को युवा कांग्रेस से जुड़ने का एक सुनहरा अवसर है। इसीलिए इस कार्यक्रम का नाम नेता बनो, नेता चुनो रखा गया है। इस कार्यक्रम तहत 27 जून से 04 जुलाई तक युवा कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के लिए नामांकन दाखिल कर सकते हैं जिसके लिए आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रखा गया है। बैठक में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, पंसस प्रभु राम, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश प्रसाद दांगी,सुरेश चौधरी ,शमशेर आलम बबलू कुमार ,मोइनुद्दीन ,छोटे खान , लालू यादव, सतीश कुमार दास ,आनंद कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विश्रामपुर नगर के विधायक प्रतिनिधि बने हेसामुद्दीन अंसारी व कृष्ण कांत यादव मुन्ना

संवाददाता

संवाददाता (पलामू) : हेसामुद्दीन अंसारी व कृष्ण कांत यादव उर्फ मुन्ना यादव को विश्रामपुर नगर परिषद क्षेत्र का नया विधायक प्रतिनिधि बनाया गया है। इस आशय का पत्र राजद के विश्रामपुर-मझिआंव विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने जारी किया है। हेसामुद्दीन अंसारी विश्रामपुर नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड 19 कोसियार गांव के रहने वाले है। तथा कृष्ण कांत यादव उर्फ मुन्ना यादव नप के वार्ड 10 पांडेपुर गांव के रहने वाले है। नव नियुक्त विधायक प्रतिनिधि हेसामुद्दीन अंसारी ने कहा कि जिस भरोसे के साथ मुझे यह जिम्मेवारी दी गई है,उसे पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन करूंगा। कृष्ण कांत यादव ने कहा कि विधायक नरेश प्रसाद सिंह द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को प्रचारित प्रसारित करूंगा। उनके विकास के विजन को जन-जन तक पहुचाऊंगा। इधर उक्त दोनों विधायक प्रतिनिधि हेसामुद्दीन अंसारी व कृष्ण कांत यादव उर्फ मुन्ना यादव के विधायक प्रतिनिधि बनने पर कई लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। बधाई देने वालों में राजद जिला महासचिव रमेश चौबे,प्रखंड अध्यक्ष सतेंद्र यादव,नगर अध्यक्ष सिराजुद्दीन अंसारी,सामाजिक कार्यकर्ता मो॰ सत्तार खलीफा उर्फ पेंटर जिलानी,संजय उपाध्याय,इम्तियाज अंसारी,नरेश यादव सहित कई लोगों का नाम शामिल हैं।

झारखंड में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

चौपारण में तीसरी बार आयोजित रथ महोत्सव में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

सांसद- विधायक सहित कई लोग हुए शामिल, रथ खींचकर भगवान से क्षेत्र की सुख, किया शांति और समृद्धि की कामना

हज़ारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा क्षेत्रांतर्गत चौपारण प्रखंड स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर बैजनाथ नगर, सियरकोनी में लगातार तीसरे साल तीसरी पहली बार श्री रथयात्रा महामहोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस श्री रथयात्रा महामहोत्सव के भव्य आगाज के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, चतरा जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए और रथ की रस्सी खींचते हुए भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। इससे पूर्व यहां पहुंचने पर सांसद मनीष जायसवाल और विधायक मनोज कुमार यादव,

विषयक अमित कुमार यादव सहित अन्य अतिथियों का रथ यात्रा आयोजन समिति के लोगों ने पगड़ी और पट्टा पहनाकर अभूतपूर्व स्वागत किया। रथ यात्रा में गाजे- बाजे, ढ़ोल- तासे, घोड़ा गाड़ी, भजन- कीर्तन जत्थे, विदेशी नागरिकों के हरे कीर्तन सहित अन्य प्रकार की अद्भुत झलक के साथ श्रद्धा और ईश्वर आस्था में डुबकी लगाते हुए सनातन श्रद्धालुजन शामिल हुए। यात्रा के संचालन में आरएसएस के स्वयंसेवक सहित कई स्थानीय राजनीतिक, धार्मिक, आध्यात्मिक और सामाजिक संगठनों के लिए जुटे हुए रहें।मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की चौपारण में जीटी रोड़ पर प्रचंड गर्मी में भी आस्था का जो जनसैलाब उमड़ा वह अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और अद्भुत है। उन्होंने कहा की भारत के प्राचीन संस्कृति की जीवंत झलक यहां दिखी। उन्होंने यह भी कहा की वाकई हमारा देश और समाज बदल रहा है। इस महामहोत्सव के आगाज में धार्मिक आस्था का जनसैलाब ईश्वर भक्ति से सराबोर दिखा।

सिलवार स्थित जगन्नाथ धाम रथ मेला में उमड़ा जनसैलाब

हज़ारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने टेका माथा, क्षेत्र की खुशहाली की किया कामना

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग सदर प्रखंड के सिलवार पंचायत स्थित सिलवार जगन्नाथ धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ द्वितीय के अवसर पर भव्य रथ- यात्रा मेला का आयोजन हुआ। यहाँ वर्ष 1952 में एक खपरैल मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पूजा- अर्चना कुछ स्थानीय लोगों ने मिलकर शुरू की थी जो आज वृहत रूप ले चुका है। यहाँ स्थापित भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की प्रतिमा ओडिशा के पुरी से लायी गयी है। हरे- भरे पहाड़ियों की श्रृंखलाओं के बीच अवस्थित इस स्थल में वर्तमान समय में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है। मंदिर परिसर की खुबसुरती से आकर्षित होकर और यहाँ आयोजित धार्मिक रथ मेला में सम्मिलित होने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से श्रधालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। धार्मिक मान्यता के अनुरूप विधिवत पूजा- अर्चना के उपरांत सिलवार मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर केशुरा पहाडी स्थित मौसीबाडी पंहुचेंगे। इस दौरान श्रधालुओं के साथ दोपहर में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने भी यहां पंहुचकर ईश्वर की पूजा- अर्चना की और रथ को प्रणाम कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की।मेले में आकर्षक का केंद्र झुला, मौत का कुंवा, ठेले और खोमचे में बिख रहे

तरह- तरह की मिठाई रही। स्थानीय लोगों ने हिल ट्रैकिंग का भी जमकर आनंद ले रहे हैं। मेले के दौरान मंदिर समिति के लोग और पुलिस बल के जवान तत्परता और सक्रियता से मेले के सफल संचालन में जुटे हैं। मौके पर विशेषरूप विशेषरूप से भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता,संघ के तारकांत शुक्ल,भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी,स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्णा मेहता,आनेश्वर प्रसाद,अभय सिंह,राजेश साव, बीपी प्रसाद,भगीरथ प्रसाद, नुनुलाल भुइयां,हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

बड़कागांव मे रथ यात्रा मेला का भव्य आयोजन, हजारों श्रद्धालुओं मेला देखने में भाग लिया

बड़कागांव(हज़ारीबाग)। बड़कागांव प्रखंड स्थित विख्यात बड़कागांव राम जानकी मंदिर में रथ यात्रा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई है। गुरुवार को राम जानकी मंदिर में स्थापित भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को स्नान ध्यान एवं नए आकर्षक वस्त्र पहनाया गया। तत्पश्चात पुजारी चिंतामन महतो द्वारा पूजा अर्चना कर भगवान के समक्ष छप्पन भोग परोसा गया। पूजा अर्चना के उपरांत पुजारी चिंतामन महतो ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भोग में चढ़े प्रसाद ग्रहण करवाया। आज शुक्रवार को प्रखंड के दर्जनों गांव से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा करने एवं मेला देखने बड़कागांव राम जानकी मंदिर पहुंचेंगे, भगवान का दर्शन

कर पूजा अर्चना करेंगे। आज शाम लगभग 6:00 बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ पर बैठाकर क्षेत्र भ्रमण कराया जाएगा तत्पश्चात उन्हें 9 दिनों के लिए रेंज ऑफिस प्रेम नगर स्थित मौसी बाड़ी ले जाया जाएगा।छप्पन भोग प्रसाद ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से पुजारी चिंतामणि महतो,रथ पूजा अध्यक्ष पिटू गुप्ता,मनोज गुप्ता, सचिव पवन कुमार, इंग्लेश सोनी, रविंद्र लाल ,सरजू भुइयां, हरि महतो, आनंद कुमार, डोमन महतो, हरीनाथ राम, प्रेमचंद महतो, कीर्तन महतो, दर्शन महतो,अंतू महतो,वीरेंद्र महतो, हरिनाथ राम,अवध किशोर यादव,बंधन महतो ,प्रीतम महतो ,ठाकुर दयाल महतो मदन महतो ,अलावा कई लोग उपस्थित थे।

गिरिडीहः भाई-बहन के साथ रथ पर निकले भगवान जगन्नाथ, दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

गिरिडीहः गिरिडीह वासी शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भक्ति में लीन रहे. अवसर था प्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा का. 14 दिनों के एकांतवास के बाद भगवान अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रामदुतिया के मौके पर रथ पर सवार होकर निकले और मौसी बाड़ी पहुंचे. गिरिडीह के कई मंदिरों में भगवान जगन्नाथ की श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर रथयात्रा निकाली गई.

शहर के आईसीआर रोड स्थित पुरातन शिवालय में भव्य रूप से रथयात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें काफी संख्या में भक्त शामिल हुए. मंदिर के मुख्य पुजारी सतीश्वर मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की. इसके बाद भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा को रथ पर विराजमान कर शहर भ्रमण कराया गया. भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ रथ खींचते हुए भगवान को शहर भ्रमण कराया.

बरकट्ठा : गैड़ा में निकाली गई भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)।बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम गैड़ा में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई।इस्कॉन संस्था एवं ग्रामीणों के सहयोग से रथ यात्रा चुगलामो मध्य विद्यालय से प्रारंभ होकर पूरे इलाके का भ्रमण किया।रथयात्रा तुर्कबाद चौक, गैड़ा काली मंडा चौक, झारखंडी चौक होते हुए गैड़ा इस्कॉन सेंटर में पहुंच कर समाप्त हुई. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, विशिष्ठ अतिथि जिला परिषद सदस्या कुमकुम देवी ने भगवान जगन्नाथ की आरती कर रथ यात्रा प्रारंभ किया. विधायक अमित यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकालना इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है. कई सालों से गैड़ा के ग्रामीणों द्वारा रथयात्रा निकाली जा रही हैं जो पुरे सनातन धर्म के लिए गर्व का विषय है. आने वाले समय

में इस रथयात्रा का और विस्तार होगा. इसमें पूरे बरकट्ठा प्रखंड के लोग शामिल हों. रथयात्रा में आस पास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में बच्चे, बूढ़े, महिला एवं युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया. जिसमें शामिल श्रद्धालुओं ने जय जगन्नाथ, हरे कृष्णा और हरे रामा का नारा लगाये. इस्कॉन संस्था के बासुदेव साव ने बताया कि गैड़ा गांव में प्रत्येक वर्ष भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भैया बलराम की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है. रथयात्रा के बाद इस्कॉन सेंटर में प्रकाश प्रभु के द्वारा भागवत कथा किया जाएगा साथ ही श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण होगा. इस अवसर पर मुख्य रूप से जिप सदस्य प्रतिनिधि यमुना साव, सुरेंद्र मोदी, केदार साव, मुकेश कुमार राय, विवेक कुमार राय, सुमंत पांडेय, मुखिया प्रतिनिधि श्याम साव, मनोज यादव, प्रकाश चौधरी, तुलसी चौधरी, समेत हजारों भक्त रथ यात्रा में शामिल थे.

सदर विधायक के ओर से भगवान जगन्नाथ धाम मंदिर में महाभोग का वितरण

हज़ारीबाग। हज़ारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सदर प्रखंड स्थित सिलवार गांव के प्राचीन भगवान जगन्नाथ धाम मंदिर में रथयात्रा महोत्सव के पावन अवसर पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद के सौजन्य से श्रद्धालुओं के बीच महाभोग स्वरूप खिचड़ी का भव्य वितरण किया गया। बताते चले कि महाभोग का वितरण पिछले कई सालो से करवाया जाता रहा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से प्रसाद वितरण किया गया, जिससे श्रद्धालुओं में उत्साह एवं संतोष का वातावरण बना रहा। हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद निजी कारणों से शहर से बाहर होने के बावजूद उन्होंने पूर्व से ही आयोजन की विस्तृत योजना तैयार कर अपने प्रतिनिधियों व कार्याकर्ताओं को निर्देशित कर दिया था। विधायक की अनुपस्थिति में भी आयोजन में कहीं कोई कमी नहीं दिखी। विधायक की टीम भाजपा के नेता व कार्याकर्ताओं ने पूरी तत्परता और समर्पण के साथ महाभोग वितरण कार्य को कुशलतापूर्वक संपन्न कराया विधायक प्रदीप प्रसाद के सुपुत्र सूर्यांश कुमार विशेष रूप से मंदिर परिसर पहुंचे और भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा माता की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर

पर भाजपा नेता व पूर्व जिला परिषद सदस्य कौलेश्वर रजक, धर्मनाथ प्रसाद, सचिव नेमीचंद कुशवाहा, भाजपा नेता रामअवतार शर्मा, बिरजू रवि, अमृत पासवान, राजू प्रसाद, प्रमेश्वर गोप, रंजीत राम, राजेश साव, राजेन्द्र मेहता, मनोज कुशवाहा, महेन्द्र राम, जगदीश प्रसाद, नरेश यादव, विशेष्वर पाडेय, मंदिर समिति अध्यक्ष अभय सिह, प्रवेश रजक, टुन्नू पाडेय, राजेश यादव, भजन साव, मोनू कुमार, अविनाश कुमार, राजेश ठाकुर, राहूल मंडल, ज्वाला प्रताप, मनीष ठाकुर, चंदन सिह, दीपक प्रजापति सहित सैकेडों लोग मौजूद रहे।

बुढ़वा महादेव परिसर में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया

बड़कागांव(हज़ारीबाग)।बड़कागांव बुढ़वा महादेव परिसर में प्राचीन शिव मंदिर के बगल में पड़रिया - चोरका के ग्रामीणों के द्वारा राम मंदिर निर्माण हेतु भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन के मुख्य पुजारी प्रभुदयाल ठाकुर, भोला महतो और कीनू राम के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। मौके पर पड़रिया निवासी संजय महतो ने कहा कि बुढ़वा महादेव परिसर में हम सनातनियों के आराध्य प्रभु श्री राम की मंदिर की कमी खल रही थी जिसे देखते हुए हम चोरका एवं पड़रिया के ग्रामीणों ने बैठक कर राम मंदिर निर्माण करने का निर्णय लिए। जिसका आज विधिवत भूमि पूजन हम लोगों ने किया। मौके पर मुख्य रूप से पड़रिया ग्राम के संजय

महतो, सरजू महतो, बिक्रम गंझू, रामचंद्र राणा, संतोष महतो, मुंशी महतो, दिनेश्वर महतो, राजनाथ महतो, सहदेव राणा, दशरथ महतो, महेश राणा, बालेश्वर महतो, विनेश महतो, रामकुमार महतो, टीकू महतो, मुकेश कुमार, राम जन्म महतो, कृष्णा साव, विष्णु राम, बसंती देवी, मूर्ति देवी, सुमित्रा देवी, शांति देवी, यसोदा देवी, पूनम देवी, रुक्मणी देवी, मगहिया देवी, सीता देवी के अलावा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

उत्पाद विभाग की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन, बंद रहीं शराब दुकानें

धनबाद : उत्पाद विभाग की कार्रवाई के विरोध में आज शुक्रवार को धनबाद की सभी शराब दुकानें बंद रहीं. विक्रय प्रतिनिधियों ने उत्पाद विभाग कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया और सहायक उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी से मुलाकात कर गिरफ्तारी को एकतरफा और अन्यायपूर्ण बताया. उन्होंने गिरफ्तार किए गए सभी सेल्समैन को बिना शर्त अविलंब रिहा करने की मांग की. प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि छापेमारी की कार्रवाई के दौरान बिना किसी ठोस प्रमाण के सेल्समैनों को हिरासत में लिया गया. साथ ही एक सेल्समैन के साथ उत्पाद विभाग के एएसआई कुलदीप ने मारपीट भी की, जिससे भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है.

प्रदर्शनकारियों ने एजेंसी पर भी उठाए सवाल

प्रदर्शनकारियों ने मैनपावर सप्लाई एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि एजेंसी समय पर वेतन नहीं देती, जिससे कर्मचारी आर्थिक संकट और मानसिक तनाव में जी रहे हैं. इस असुरक्षित माहौल में काम करना पहले से ही चुनौतीपूर्ण है और अब पुलिसिया कार्रवाई ने उनका मनोबल और तोड़ दिया है. बता दें कि गुरुवार को उत्पाद विभाग ने दो सरकारी शराब दुकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान पांच सेल्समैन को गिरफ्तार कर लिया गया था.

अवैध शराब का स्टॉक बरामद होने पर किया गया गिरफ्तार

सहायक उत्पाद आयुक्त रामलीला रवानी ने कहा कि छापेमारी में अवैध शराब का स्टॉक बरामद हुआ था, जिसके आधार पर गिरफ्तारी की गई है. उन्होंने यह भी कहा कि विभाग नियमों के तहत कार्रवाई कर रहा है और किसी निर्दोष को सजा नहीं दी जाएगी. यदि किसी के साथ अन्याय हुआ है, तो मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने प्रदर्शनकारियों से दुकानें तत्काल खोलने की अपील की, ताकि शराब बिक्री की सामान्य व्यवस्था फिर से बहाल की जा सके. साथ ही, प्रतिनिधियों की समस्याओं पर विभागीय स्तर पर विचार करने का आश्वासन भी दिया.

जीटी रोड़ पर बेधड़क चल रही है मांगुर मछली लदी गाड़ियां, पुलिस और मछली व्यापारियों के बीच मिली भगत का आरोप

थाना प्रभारी ने आरोप को बताया बेबुनियाद

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। कोलकाता से बिहार जाने वाली मछली (मांगुर) लदी गाड़ियां जीटी रोड़ पर बेधड़क चल रही है यह कार्य यात्री बसों से लेकर पीकअप वैन पर रात दिन बदस्तूर किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त वाहन पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से बेरोक-टोक जीटी रोड़ के रास्ते पास कराया जा रहा है। लोगों ने बताया कि जीटी रोड़ पर नियमित रूप से पुलिस की गश्ती टीम तैनात रहती है।लेकिन इनका मकसद सुरक्षा नहीं, बल्कि अवैध वसूली है एक सप्ताह पूर्व कोलकाता से गया जा रही बस

पलट गई थी।जिसमें यात्रियों से अधिक प्रतिबंधित मांगुर मछली लदी थी दुर्घटना की प्राथमिकी दर्ज की गई जिसमें मछली का कोई जिक्र नहीं किया गया इससे यह साफ है कि पुलिस और मछली व्यापारियों के बीच मिली भगत है। गुरुवार की रात ग्राम बंडासिंघा मोड़ के समीप मछली लदे पीकअप वाहन को गोरहर थाना की गाड़ी के रोकने की तस्वीर और वीडियो सामने आया है इस बाबत गोरहर थाना प्रभारी सोनू कुमार ने आरोप को बेबुनियाद बताया है।

मंदिर से पूजा कर लौट रहे युवक की दुर्घटना में मौत

लातेहारः लातेहार जिले के हिसरी के समीप शुक्रवार की दोपहर सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गयी. युवक अपने परिवार के साथ के चंदवा के नगर भगवती मंदिर से पूजा-अर्चना कर ऑटो से लौट रहा था. इसी दौरान रांची-चतरा मार्ग पर हिसरी के समीप ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया. घटना दोपहर करीब 12 बजे की है. दुर्घटना मे दो वर्षीय बच्चाक समेत चार लोग घायल हैं. बच्चे का बायां पैर फ्रैक्चर कर गया है. जानकारी के अनुसार, मनिका थाना क्षेत्र के कुमंडीह ग्राम से कुछ लोग नगर भगवती मंदिर, चंदवा पूजा करने गए थे. पूजा के बाद वे लोग आटो से चंदवा की ओर लौट रहे थे. तभी हिसरी के समीप सड़क पर अचानक आई बकरी को बचाने के क्रम में ड्राइवर ने संतुलन खो दिया और टेंपो पलट गया. ग्रामीणों की सहायता से सभी घायलों को चंदवा सीएचसी पहुंचाया गया.

मुहर्रम पर्व को ले कमेटी के लोगो ने कार्यपालक पदाधिकारी को दिया ज्ञापन,साफ सफाई व स्ट्रीट लाइट दुरुस्त कराने की मांग

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी के सदस्यों ने मुहर्रम पर्व को लेकर विश्रामपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खण्डेत से मिले। और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से धार्मिक स्थलों व चयनित प्रमुख जगहों पर विशेष साफ सफाई कराने तथा खराब पड़े स्ट्रीट लाइट को दुरुस्त कराने का आग्रह किया है। इसके अलावा जुलूस के रास्ते में बन चुके गढ्ढों को भरवाने और टैंकर से पानी सप्लाई की भी मांग की है। इसके अलावे कई पेड़ की डालियों को भी कटवाने का आग्रह किया है। कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खण्डेत ने कमेटी के लोगो की मांगों पर बिना देर करते हुये ही आज से ही कर्बला परिसर में साफ-सफाई शुरू कराया। उन्होंने कमेटी के लोगो को आश्वस्त किया कि हर संभव मदद उपलब्ध कराया जायेगा। मौके पर मुहर्रम इंतेजामिया कमेटी के सदर आजम सिद्दीकी,सकेरेट्री जावेद खलीफा,खजांची आसिफ सिद्दीकी,नाइफ सदर इस्लाम खलीफा सहित कमेटी के कई सदस्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर का आयोजन

रांचीः निदेशक (मानव संसाधन), सीसीएल मुख्यालय, राँची के मार्गदर्शन में शुक्रवार को सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिकायत निवारण शिविर के दौरान सी.सी.एल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में लंबित मामलों के निपटान और कम्पनी के कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेका श्रमिकों एवं अन्य हितग्राहियों की शिकायतों के समाधान हेतु बैठक हुई। इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गई। इस शिविर में प्राप्त शिकायत ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थी एवं इसके अलावा कुछ नौकरी/सेवा मामले तथा ठेका श्रमिकों से संबंधित थी। संबंधित क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया एवं शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया। सीसीएल प्रबंधन की यह सोच है कि अगर हम अपने कर्मचारियों एवं हितधारकों के समस्याओं का तीव्र गति से निपटारा करेंगे तो इससे कम्पनी का समावेशी विकास होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों की शिकायतों का त्वरित समाधान था। इस शिविर में सीसीएल मुख्यालय, राँची से कविता गुप्ता, महाप्रबंधक(मा.सं./श्रमशक्ति/समाधान), संजय कुमार चौबे (मुख्य प्रबंधक - मा. सं, पेंशन विभाग), गौतम चौधरी, मुख्य प्रबंधक(मा.सं/समाधान सेल), शिखा अवस्थी, सहायक प्रबंधक(मा.सं.), एन.के क्षेत्र से अनुज कुमार (महाप्रबंधक-खनन), मोहन कुमार अमला अधिकारी (वि.या), शैलेन्द्र कुमार अमला अधिकारी(मा. सं), सुमन कुमार सिंह, अमला अधिकारी(असैनिक), दीपक कुमार ,परियोजना पदाधिकारी, रोहिणी परियोजना, दीपक गिरी प्रबंधक(मा.सं), निखिल अखौरी, प्रबंधक(सी. एस.आर), रानी चौबे , स.प्र (मा. सं), अंकिता राउत , स.प्र (मा. सं), गरिमा सिंह, उप प्रबंधक (मा. सं) तथा मजदूर संगठन के प्रतिनिधि थें।

यक़ीदत के साथ मनाया जा रहा है उर्स

संवाददाता रांचीः कुल्हाड़ी शाह बाबा दरगाह में पूरे यक़ीदय के साथ मोहर्रम महीने की पहली तारीख को हर साल की भांति पूरे यक़ीदत के साथ उर्स मनाया जा रहा है जो यौमे आशूरा मोहर्रम की 10 तारीख तक चलेगा आज शाम 05 दरगाह शरीफ में कुरानखानी का आयोजन किया गया मदरसा इस्लामी मर्कज़ के छात्रों एवं यक़ीदत मंदों द्वारा कुरआन की तिलावत की गई । साथ ही नारे तकबीर और नारे रिसालत के साथ दरगाह कुल्हाड़ी शाह बाबा (र0) दरगाह/ कर्बला में मो सईद के सरपरस्ती में शाही सन्दल गुलाब जल से ग़ुस्ल दिया गया ,परचम लहराया ,चादर पेश किया। दरगाह में सलातो सलाम पेश करते हुए मुल्क ,और प्रदेश की खुशहाली,अमन सलामिति की दुआ मांगी गई दरगाह कमिटी के महा सचिव अकिलुर्रहमान खलीफा मो महजूद,जावेद गद्दी,सदर सेन्ट्रूल मोहर्रम कमिटी मो इस्लाम प्रवक्ता,मो तौहीद सचिव,डॉ एम हसनैन,अफताब आलम उपाध्यक्ष,परवेज़ बबलू,जाहिद रज़ा,हैदर गद्दी,मो शफिक मिस्त्री,मो इकबाल रिज़वी,,खादिम जाहिर,अब्दुल मन्नान,मो इबरार,शोएब खान ,मो नईम टेलर, कारी अयूब रिज़वी,शहर काजी मसूद फरीदी,मुफ़्ती जमील साहेब,अनूप साहू,ब्रिज मोहन,मौलाना नूर मोहमद,मौलाना निज़ाम,मो नवाब,आदि बड़ी तादात में यक़ीदत मन्द दरगाह में हाज़िर होकर अपने अपने हजातों ,अपने नेक खहिशतों के लिए बाबा के दरगाह ,और शोहदये कर्बला के वसीले ,सदके से पाक परवर दिगार से दुआ मांगी।

झारखंड : 10 दिनों के अंदर नन प्रैक्टिशनर अधिवक्ता जमा कर सकते हैं सत्यापन फार्म

रांचीः झारखंड के 7664 से अधिक अधिवक्ता अपनी लॉ डिग्री का सत्यापन कराये बिना वकालत के पेशे में हैं. वैसे अधिवक्ताओं ने सत्यापन के लिए झारखंड स्टेट बार काउंसिल को अब तक आवेदन भी नहीं दिया है. वर्ष 2015 में बार काउंसिल ऑफ इंडिया सर्टिफिकेट एंड प्लेस ऑफ प्रैक्टिस (वेरिफिकेशन) रूल-2015 के अनुसार सत्यापन किया जा रहा है. 10 वर्ष बीतने के बाद भी सत्यापन फार्म जमा नहीं करने पर स्टेट बार काउंसिल ने सख्त रूख अपनाते हुए वैसे सभी अधिवक्ताओं को नन प्रैक्टिशनर घोषित कर दिया है. पिछले दिनों काउंसिल की बैठक हुई, जिसमें नन प्रैक्टिशनर (फार्म नहीं भरनेवाले) घोषित अधिवक्ताओं को एक और अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया. वैसे अधिवक्ता दो हजार रुपये दंड के साथ सत्यापन के लिए फार्म भर सकते हैं. काउंसिल के निर्णय के आलोक में प्रभारी सचिव संतोष कुमार सिंह के हस्ताक्षर से संबंधित जिला व अनुमंडल बार एसोसिएशनों को पत्र के साथ नन प्रैक्टिशनर अधिवक्ताओं की सूची भेजी गयी है. इसमें कहा गया है कि पत्र निर्गत होने की तिथि से 10 दिनों के अंदर संबंधित नन प्रैक्टिशनर अधिवक्ता दो हजार रुपये के डिमांड ड्रॉफ्ट के साथ अपना सत्यापन फार्म जमा करेंगे. इसके बाद उन्हें कोई और अवसर काउंसिल की ओर से नहीं दिया जायेगा. 30 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में होनी है सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में स्टेट बार काउंसिल की ओर से शपथ पत्र दायर कर स्थिति स्पष्ट करने का निर्णय लिया गया है. सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी स्टेट बार काउंसिल को इस मामले में नोटिस किया है. नन प्रैक्टिशनर घोषित अधिवक्ताओं को एक अंतिम अवसर दिया गया है. 10 दिनों के भीतर उन्हें सत्यापन फार्म भरना है. यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो फार्म नहीं भरनेवाले अधिवक्ताओं का अब वकालत का लाइसेंस स्वतः रद्द हो जायेगा. वे कहीं भी वकालत का प्रैक्टिस नहीं कर पायेंगे।

10 बेड आईसीयू परियोजनाः अस्पतालों की क्रिटिकल केयर को मजबूत बनाने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आईसीयू देखभाल के विभिन्न प्रमुख पहलुओं को किया गया है शामिल

रांचीः राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में 10 बेड आईसीयू परियोजना के अंतर्गत एक व्यापक क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को किया गया। यह परियोजना विशेष रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों की गहन चिकित्सा (क्रिटिकल केयर) क्षमताओं को सशक्त बनाने के लिए शुरू की गई है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 बेड आईसीयू पहल का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसकी संकल्पना कोविड-19 महामारी की डेल्टा लहर के दौरान की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य देशभर के माध्यमिक सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह सुसज्जित 10 बिस्तरों वाले आईसीयू की स्थापना कर, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवा की खाई को पाटना है।

झारखंड में यह क्षमता-विकास पहल कोल इंडिया के योगदान और झारखंड सरकार के सहयोग से लागू की जा रही है। इस परियोजना को दो चरणों में लागू किया जा रहा है। इसमें प्रथम चरण में रांची, गुमला, लातेहार, चतरा और खूंटी के पांच सदर अस्पतालों को शामिल किया गया है, जिन्हें

रिम्स रांची में स्थापित टेली-आईसीयू हब से जोड़ा गया है।

दूरस्थ परामर्श उपलब्ध कराती है यह सेवाः परियोजना शुरू होने से पहले, इन सभी अस्पतालों में आधुनिक क्रिटिकल केयर उपकरण, केयर ईएमआर प्लेटफ़ॉर्म और एकीकृत टेली-आईसीयू प्रणाली स्थापित की गई है। यह डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर रोगियों को तृतीय स्तर के विशेषज्ञों से दूरस्थ परामर्श उपलब्ध कराता है। इससे समय पर और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली चिकित्सा संभव हो पाती है। रिम्स में आयोजित प्रशिक्षण में पांचों सदर अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारियों, फिजिशियन और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में आईसीयू देखभाल के विभिन्न प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया है। इसमें बेसिक और एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट (बीएलएस एंड एसीएलएस) – प्रमाणित प्रशिक्षकों की ओर से भुवनेश्वर से आईसीयू में पेलिएटिव केयर – पल्लियम इंडिया के विशेषज्ञ की ओर से, ट्रॉमा प्रबंधन – आईजीआईएमएस, पटना से एटीएलएस प्रशिक्षकों की ओर से, वेंटिलेटर प्रबंधन और आईसीयू प्रोटोकॉल – रिम्स के क्रिटिकल केयर विशेषज्ञों की ओर से और फोर्थ एक्सेस, सिडेशन और आईसीयू में मानसिक आपात स्थितियां – सिद्धांत और व्यवहारिक सत्रों के माध्यम से जानकारी दी गई। ई-गर्वनमेंटस फाउंडेशन की ओर से संचालित 10 बेड आईसीयू परियोजना पांच मुख्य स्तंभों पर आधारित है इसमें आईसीयू उपकरण की आपूर्ति, केयर सॉफ्टवेयर प्लेटफ़ॉर्म की तैनाती (जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा 50 वें डिजिटल पब्लिक गुड के रूप में मान्यता प्राप्त है), टेली-आईसीयू प्रणाली का क्रियान्वयन, ठोस प्रशिक्षण कार्यक्रम, और स्थानीय स्वास्थ्य समितियों के माध्यम से समुदाय की भागीदारी शामिल है।

यह परियोजना पहले से ही मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, असम, मेघालय, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी सहित 10 राज्यों में सक्रिय है और अब झारखंड में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य नेतृत्व, निजी परोपकार और स्वास्थ्य नवाचार के बीच एक सशक्त साझेदारी का उदाहरण है, जो यह सुनिश्चित करती है कि उच्च गुणवत्ता वाली आईसीयू सेवा हर व्यक्ति तक पहुंचे, चाहे वह देश के किसी भी कोने में हो।

कर्मियों में बढ़ाएगा क्लिनिकल दक्षता

यह प्रशिक्षण न केवल आईसीयू स्टाफ की क्लिनिकल दक्षता को बढ़ाने के लिए है, बल्कि सभी संस्थानों में देखभाल की गुणवत्ता को मानकीकृत करने के लिए भी है। झारखंड सरकार की भागीदारी ने इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न विभागों में समन्वय और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रांची एयरपोर्ट पर हुआ बड़े विमान हादसे का मॉक ड्रिल, क्रिएट की गयी इमरजेंसी लैंडिंग

रांचीः राजधानी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर 26 जून को विमान हादसे का मॉक ड्रिल किया गया. इस दौरान एयरपोर्ट के रनवे नंबर-13 के पास एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग का सीन क्रिएट किया गया. इस मॉक ड्रिल में एयरपोर्ट के अग्निशमन व बचाव दल के अलावा राज्य अग्निशमन दल, स्वास्थ्य विभाग, एयरलाइंस कंपनियों के कर्मी, सीआइएसएफ, स्थानीय पुलिस, चिकित्सा दल और अन्य आपातकालीन एजेंसियां शामिल हुईं. विमान में लगे आग को बुझाया और घायलों को एंबुलेंस तक पहुंचाया।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के रनवे नंबर-13 के पास एक विमान की आपातकालीन लैंडिंग और दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलने के साथ मॉक ड्रिल शुरू हुआ. इमरजेंसी का सायरन बजते ही आपातकालीन एजेंसियां और बचाव दल सक्रिय हो गये. रनवे के पास एक

प्रतीकात्मक हवाई जहाज को दुर्घटनाग्रस्त दिखाया गया. इसके बाद विमान में लगी आग को अग्निशमन दल ने बुझाया और यात्रियों को एंबुलेंस तक पहुंचाया गया. मॉक ड्रिल में सभी एजेंसियों ने तत्परता से अपने कार्य को अंजाम दिया।

राजधानी रांची में जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता हुई शुरू

रांचीः ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में शुक्रवार से 13वीं रांची जिला बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू हुई. रांची जिला बैडमिंटन संघ (बीएआरडी) के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुनील कुमार (पूर्व आइएएस) ने किया. बीएआरडी के सचिव एनके डे ने बताया कि इस बार प्रतियोगिता में 400 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें लड़के-लड़कियां, पुरुष और महिलाएं शामिल हैं. प्रतियोगिता में आयु वर्गों में एकल और युगल मुकाबले विभिन्न खेले जा रहे हैं. इनमें अंडर-9, 11, 13, 15, 17 और 19 के साथ-साथ वेटरन वर्ग में 35, 40, 45, 50, 55, 60, 65, 70 और 75 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं. पहले दिन बालक अंडर-15 में गॉडविन एक्का ने अरूल

कुमार को 15-14, 15-11 से, रक्षित मुद्गिल ने एस गौतम को 15-07, 15-12 से, बालक अंडर-13 में अथर्व सिंह ने तनुष रमेश को 15-10, 14-15 व 15-14 से, मनदीप कुमार ने विहान किस्कु को 15-14 व 15-12 से, मानस रंजन ने अमन श्रीयुक्त को 15-10, 15-07 से हराया. प्रतियोगिता क समापन रविवार को शाम सात बजे होगा।

सदर अस्पताल में 30 को लगेगी ब्रेस्ट कैंसर की जांच करनेवाली डिजि मेमोग्राफी मशीन

रांचीः महिलाओं के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रोटरी क्लब की ओर से सदर अस्पताल रांची में 30 जून को अत्यधुनिक डिजिटल मेमोग्राफी मशीन–वीनस डीआरवी प्लस लगाया जाएगा। यह जानकारी शुक्रवार को रोटरी क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता क्लब के प्रवक्ता प्रवीण राजगढ़िया ने दी।

उन्होंने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ रांची की ओर से प्रोजेक्ट आरोग्यम- बैटलिंग ब्रेस्ट कैंसर के तहत यह मशीन लगाया जा रहा है। इसमें दक्षिण कोरिया के रोटरी क्लब सुवोन-नोसोंग डी-3750 का भी सहयोग मिला है। मशीन की कीमत लगभग 45 लाख रुपये है।

रोटरी क्लब रांची के अध्यक्ष गौरव बागरॉय ने बताया कि इस मशीन लगने के बाद सदर अस्पताल में ब्रेस्ट कैंसर जांच की सुविधा काफी कम दर पर उपलब्ध होगी। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य सिर्फ एक मशीन स्थापित करना नहीं है, बल्कि महिलाओं को समय पर जांच के लिए प्रोत्साहित करना और स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाना है।

उन्होंने बताया कि मशीन का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीजी रोटेरियन बिपिन चाचन, फर्स्ट लेडी रोटेरियन शिल्पी चाचन, सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार करेंगे। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल न केवल जिला मुख्यालय का प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है, बल्कि आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी जीवन रेखा है। हमारा लक्ष्य है कि प्रत्येक जरूरतमंद मरीज को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिले।

क्यों जरूरी है मेमोग्राफी मशीनः 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में स्तन कैंसर का जोखिम अधिक होता है। प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान से न केवल इलाज आसान होता है, बल्कि जान भी बचाई जा सकती है। मेमोग्राफी एक प्रभावी तकनीक है। इससे छोटी से छोटी गांठ, ऊतक में बदलाव या असामान्य संरचना का पता क्लिनिकल लक्षणों के प्रकट होने से पहले लगाया जा सकता है। यह सुविधा स्तन कैंसर की प्रारंभिक जांच और रोकथाम में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

क्या है इस मशीन की विशेषताः अत्यधुनिक मैमोग्राफी वीनस डीवीआर प्लस में कई विशेषताएं हैं। यह फुल फील्ड डिजिटल मैमोग्राफी (एफएफडीएम) तकनीक पर आधारित है। इसका स्मार्ट एइसी तकनीक मरीज को आवश्यकतानुसार सटीक मात्रा में एक्स-रे डोज़ देता है। यह उच्च गुणवत्ता वाली इमेजिंग–इमेज स्क्रीन पर मात्र 10 सेकंड में दे देती है। कम दबाव और दर्द रहित जांच के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई कंप्रेशन पैडल्स है। घने स्तन ऊतक में भी स्पष्ट पहचान की सुविधा उपलब्ध है।

रोटेरियन जो इस प्रोजेक्ट को मदद करनेवालों में बिपिन चाचन, सुरेश साबू, बिनोद सरावगी, रविंदर सिंह चड्ढा, सुमित अग्रवाल, रमेश धरणीधरका, ललित त्रिपाठी, पवन जायसवाल, आदित्य मल्होत्रा, राजेश नाथ शाहदेव सहित अन्य शामिल हैं।

शिबू सोरेन से मिलने दिल्ली जाएंगे झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू और केशव महतो

रांचीः दिशोम गुरू पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ की जानकारी लेने झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शनिवार को देवघर से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा ने बताया कि संथाल परगना क्षेत्र में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में झारखंड प्रभारी के राजू और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश शामिल नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि संथाल परगना में चल रहे हुल दिवस पदयात्रा कार्यक्रम चलता रहेगा। इसमें पार्टी के अन्य प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

रथयात्रा पर श्री राधा कृष्ण मंदिर में विशेष पूजा व भजन- कीर्तन

हजारों भक्तों ने खिचड़ी महाभोग प्रसाद ग्रहण किया

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर मे जगन्नाथ प्रभु की रथ यात्रा के पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया इस पावन अवसर पर श्री राधा कृष्ण जी का भव्य अलौकिक श्रृंगार, विशेष पूजा अर्चना, खिचड़ी प्रसाद महाभोग भजन- कीर्तन एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। श्री राज श्याम जी को खिचड़ी महाभोग, फल, मेवा, चूरमा, पंचामृत, पेड़ा का विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया। तथा पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चार

के साथ पूजा अर्चना एवं महाआरती की गई। तत्पश्चात भजन- कीर्तन के कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने सुमधुर मनमोहक भजनों से भक्तों को अमृत गंगा का रसपान कराते हुए खूब झूमाया।मंदिर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने सामूहिक महाआरती में भाग लिया। तत्पश्चात हजारों श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने कहा कि मंदिर में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी रही। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ प्रभु जी की रथ यात्रा महोत्सव आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। रथ यात्रा (श्रीकृष्ण), बलभद्र और सुभद्रा से जुड़ी होती है। इस दिन श्रीकृष्ण उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को सजाकर उनकी रथ यात्रा निकाली जाती है। रथ खींचने का पुण्य अगाध माना जाता है। भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने के बाद भक्तों की सारी पीड़ाएं और समस्याएं दूर होती है। इससे भक्तों के पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस अवसर पर डूंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, संजय सर्राफ पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल का मंच वीर नारियों की गाथाओं से गूंजा

संवाददाता रांचीः सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में वात्सल्यम्-2 के अंतर्गत ग्रैण्डपैरेंन्ट्स डे का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन "एमपावेरिया - भारतीय नारियों की गौरवगाथा" विषय पर केंद्रित था। इस अवसर पर रथ यात्रा उत्सव को भी पारंपरिक भव्यता के साथ मनाया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिवार द्वारा आमंत्रित सभी अतिथियों और वरिष्ठ परिजनों के आत्मीय स्वागत के साथ हुई। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत एवं नृत्य ने वातावरण को उल्लास से भर दिया। कार्यक्रम में रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक समन्वय और परंपराओं की झलक को सुंदरता से मंचित किया। इसके उपरांत विद्यालय की उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन वाइस

हेड बॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें शैक्षणिक, सह-पाठ्य और सांस्कृतिक क्षेत्रों में विद्यालय की उपलब्धियों का विस्तार से वर्णन किया गया। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया और उनकी प्रेरक सफलता की कहानियाँ भी साझा की गईं। पहली कक्षा के विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास की महान नारियों की गाथाओं को बड़ी आत्मीयता और जीवंतता से प्रस्तुत किया। मंच पर मीरा बाई की श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, नायकी देवी के साहस, रानी राशमोनी के सामाजिक योगदान, जीजा बाई के प्रेरणादायी नेतृत्व, रानी गाइडिन्ल्यू के देशभक्तिपूर्ण योगदान और माता भागो की वीरता की अत्यंत सजीव व सराहनीय प्रस्तुति अभिनय के माध्यम से दर्शाई गई। रथ यात्रा एवं सावन के पावन मौसम पर आधारित एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों को परंपरा, भक्ति और उल्लास से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन, विद्यालय गीत और राष्ट्रीय गान के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण आयोजन को गरिमापूर्ण पूर्णता प्राप्त हुई।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने संस्था को आमंत्रण हेतु हृदयतल से धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि छात्रों का चरित्र निर्माण केवल शिक्षकों की ही नहीं, अपितु अभिभावकों की भी समान भागीदारी का विषय है। जब परिवार और विद्यालय एकरूप होकर मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करते हैं, तभी एक सशक्त, जागरूक और संवेदनशील पीढ़ी का निर्माण संभव होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की वीरांगनाओं की त्याग-तपस्या, साहस और योगदान से हम सबको प्रेरणा लेकर ऐसी संतानों का निर्माण करना चाहिए जो देश की गरिमा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएं।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने अपने प्रेरणास्पद संबोधन में छात्रों एवं शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा, देश की वीर बेटियों की गाथाओं को मंच पर जीवंत कर बच्चों ने जिस समर्पण व आत्मविभोरता से प्रस्तुत किया, वह प्रशंसनीय है। आज आवश्यकता है कि हम बच्चों में बचपन से ही साहस, श्रद्धा और सेवा जैसे गुणों का बीजारोपण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे उन लोगों के प्रति आभारी रहें जो उनकी गलतियों को सुधारकर उनके चरित्र को आकार देते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे उनकी परवाह करते हैं और चाहते हैं कि वे खुद का एक आदर्श संस्करण बनें।

+2 की पढ़ाई बंद किए जाने के निर्णय से छात्रों में असमंजस : झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन

संवाददाता रांचीः राज्यपाल महोदय एवं केंद्र सरकार के निर्देशानुसार झारखंड में विश्वविद्यालयों व डिग्री कॉलेजों में +2 की पढ़ाई (कक्षा 11वीं एवं 12वीं) को बंद करने का निर्णय लिया गया है। इस आदेश के चलते न केवल इस वर्ष मैट्रिक (10वीं) पास करने वाले विद्यार्थियों, बल्कि पिछले वर्ष उत्तीर्ण होकर वर्तमान में विश्वविद्यालय या डिग्री कॉलेजों में 11वीं में अध्ययनरत छात्रों के समक्ष भी गंभीर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अभिभावकों के बीच भी इसे लेकर व्यापक चिंता देखी जा रही है। इस संदर्भ में झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अजय राय ने राज्य सरकार के माननीय मंत्री श्री रामदास सोरेन से इस विषय पर तुरंत संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने आग्रह किया है कि ऐसे छात्र-छात्राओं को दोबारा री-एडमिशन या री-रजिस्ट्रेशन जैसी जटिल प्रक्रियाओं से न गुजरना पड़े, बल्कि उनकी शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने हेतु तत्काल स्पष्ट और प्रभावी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। राय ने यह भी जोर देकर कहा है कि इस वर्ष दसवीं पास करने वाले विद्यार्थियों को नामांकन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए राज्य सरकार को तत्काल ठोस और व्यवस्थित प्रबंध करना चाहिए। साथ ही, राज्य भर में उपलब्ध इंटरमीडिएट (+2) संस्थानों और शाखाओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए ही अगला निर्णय लिया जाए ताकि किसी भी छात्र का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित न हो।

संक्षिप्त खबरें...

ट्रैकर कि चपेट में आने से 40 वर्षीया महिला की मौत, अंधेरा का फायदा पाकर भाग निकला ट्रेकर

ओरमांझी(मोहसीन):ओरमांझी थाना क्षेत्र के राँची रामगढ़ मुख्य मार्ग पर मधुवन होटल से थोड़ी दूर पर चकला के हीरो मोटर साईकिल शो रूम के पास गुरुवार की शाम लगभग सात बजे ट्रैकर कि चपेट आने से चकला सरना टोली निवासी पंचित महतो की 40 वर्षीया पत्नी सरिता देवी कि पत्नी कि मौत हो गई।सरिता देवी विकास बाजार से आम बेचकर मधुवन पंचवटी भवन के पास ऑटो से उतर कर सड़क पार कर हीरो मोटरसाइकिल शो रूम के पास नाना सेवानिवृत्त शिक्षक कैलाश महतो को आम पहुंचाने जा रही थी।तभी तेज़ गति से आ रही ट्रैकर ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे काफ़ी गंभीर चोट लगी। आनन फानन में ब्लॉक चौक स्थित डॉक्टर आरबी सिंह के पास लाया गया। उधर ट्रैकर अंधेरा का लाभ उठाते हुए भागने में सफल रहा। वहीं सीसी फुटेज में ट्रैकर का पिक्चर कैद हो गया है।चोट गंभीर होने के चलते उन्हें रिम्स भेजा गया। जहां डॉक्टर ने घायल महिला को मृत घोषित किया। सरिता देवी का तीन पुत्र दानी नाथ कुमार,हेमंत कुमार एवं श्रीकांत कुमार है।सरिता देवी का अश्मिक निधन से पूरा गांव में मातम पसरा हुआ है।

वज्रपात से 12 बकरियों की मौत, बाल - बाल बचा पशुपालक

संवाददाता विश्रामपुर (पलामू) : रेहला थाना क्षेत्र के कुंडी गांव में शुक्रवार की शाम वज्रपात से 12 बकरियों की मौत हो गयी। वहीं पशुपालक बाल-बाल बचा। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी रेहला थाना को दी है। लेकिन खबर लिखे जाने तक पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची थी। मिली जानकारी के अनुसार प्रत्येक दिन की तरह शंखा गांव के पशुपालक अपनी-अपनी गाय व बकरियों को लेकर कुंडी गांव किनारे पहाड़ की ओर चराने ले गये थे। शाम को वापसी के समय बज्रपात के साथ बारिश शुरू हो गयी। बज्रपात की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही 12 बकरियों की मौत हो गयी। जिसमें पशुपालक सुनील चंद्रवंशी का सात,ननकईल पासवान का तीन,शंभू चौधरी व सुकन चौधरी की एक-एक बकरी शामिल है। वहीं इस घटना सभी पशुपालक बाल-बाल बचे। जिला पार्षद विजय रविदास ने स्थानीय प्रशाशन से पशुपालकों को तत्काल मुआवजा देने की मांग की है।

एमओ ने किया आधा दर्जन पीडीएस दुकान का निरीक्षण

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज (चतरा) प्रखण्ड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी अर्जुन प्रसाद ने शुक्रवार को उरैली और केदलीकला पंचायत में आधा दर्जन से अधिक पीडीएस दुकानों का औचक निरीक्षण किया। एमओ अर्जुन प्रसाद ने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा शिकायत मिल रहीं थीं की कुछ पीडीएस दुकानदारो के द्वारा अगस्त माह का तीन माह का राशन नहीं दिया जा है। इसी शिकायत के आधार पर एमओ ने खुद निरीक्षण किया जिसमें एक दुकानदार के द्वारा राशन नहीं देने की बात सामने आई । हालांकि दुकानदार को एमओ ने फटकार लगाते हुए जल्द से राशन वितरण करने का निर्देश दिया है । जिसके बाद पीडीएस दुकानदार ने कल वितरण करने का एकरार किया है। बता दें कि झारखण्ड सरकार के द्वारा एक साथ तीन माह की राशन जुन माह में दिया जाना है लेकिन कुछ पीडीएस दुकानदार के द्वारा दो माह का ही राशन दिया जा रहा है जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने प्रखंड कार्यालय पहुंचकर एमओ से शिकायत की थी।

फेसबुक आईडी पर अश्लील पोस्ट करना युवक को पड़ा महंगा, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

कोयलांचल संवाद संवाददाता

हंटरगंज(चतरा) सोशल मीडिया के एक फेसबुक खाता पर महिला की अश्लील पोस्ट और फोटो वायरल करने के मामले में हंटरगंज थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पीड़िता ने 25 जून 2025 को हंटरगंज थाना में लिखित शिकायत दी थी। उसने बताया कि फेसबुक आईडी पर एक युवक के द्वारा अश्लील पोस्ट और फोटो ऑडियो वाइरल किया गया है। महिला की शिकायत के आधार पर हंटरगंज थाना में कांड संख्या 110/25 दर्ज किया गया। इसमें धारा 356(1)(2), 351(2,) और आईटी एक्ट की धारा 66(इ), 67(ए) लगाई गई। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया है। आगे की कानूनी कार्रवाई करते हुए युवक को न्यायिक हिरासत में चतरा भेज दिया गया है। गिरफ्तार युवक थाना क्षेत्र के डाहा निवासी योगेंद्र यादव का 22 वर्षीय पुत्र मुकेश कुमार है।

इटखोरी में सिमरिया विधायक उज्जवल कुमार दास ने गुप्ता फर्मा का किया उद्घाटन

कोयलांचल संवाद संवाददाता

इटखोरी (चतरा) इटखोरी प्रखंड के कैनाल रोड में गुप्ता फार्मा का उद्घाटन सिमरिया विधायक कुमार उज्ज्वल दास ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से कहा कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले, इसके लिए इस तरह की दवा दुकानों का खुलना जरूरी है ताकि आम लोगों को समय पर दवाएं उपलब्ध हो सके। गुप्ता फार्मा के संचालक चंदन कुमार गुप्ता ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया और भरोसा दिलाया कि ग्राहकों को सही दवा और सेवा इस दुकान के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य सरिता देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष देव कुमार सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता रामकुमार सिंह, विजय दांगी, टुन्नी सिंह, निरंजन कुमार सिंह, शिवकुमार राणा, मलकपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजकुमार रजक, प्रकाश दास, संतोष दांगी, सुरेश शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इटखोरी में बालू का खेल जारी रात के अंधेरे में चलता है बालू का खेल

इटखोरी (चतरा) प्रखंड में इन दोनों रात के अंधेरे में एनजीटी के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है। रात के अंधेरे में बदस्तूर जारी है बालू का खेल। सरकार के द्वारा 10 जून से ही एनजीटी लागू किया गया है, किंतु इसकी किसे परवाह है न तो बालू तस्करों को और न ही बिचौलियों को। सवाल है आखिर किसके संरक्षण में बालू का यह खेल फल फूल रहा है। जिला प्रशासन के आदेशों की अवहेलना करके आखिर कैसे यह बालू का अवैध कारोबार बदस्तूर जारी है। इटखोरी में रात के अंधेरे में बालू लदा ट्रैक्टर चलना कोई नई बात नहीं है, दिन हो या रात कोई फर्क नहीं पड़ता।

चतरा उपायुक्त कीर्ति श्री जी ने किया पत्थलगड्डा प्रखंड का व्यापक निरीक्षण

शराब दुकान में अनियमितता पाए जाने व कम उम्र के युवाओं को शराब बेचे जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई - कीर्तिश्री

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिले में संचालित विकासात्मक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सेवा वितरण की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने हेतु चतरा उपायुक्त कीर्तिश्री जी शुक्रवार को पत्थलगड्डा प्रखंड के दौरे पर पहुँचीं। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं संस्थानों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने जनवितरण प्रणाली दुकान , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, शराब दुकान एवं प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। जनवितरण प्रणाली की कार्यप्रणाली, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दवा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण सेवाओं की स्थिति एवं कार्यालयी व्यवस्था को लेकर उन्होंने विस्तार से समीक्षा की एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने स्पष्ट रूप से कहा कि "जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक स्तर पर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।"

पत्थलगड्डा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, दवा भंडार, स्वास्थ्य उपकरणों की स्थिति, चिकित्सकों एवं कर्मियों की उपस्थिति तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उपायुक्त ने अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं एवं सेवा संतोष के बारे में जानकारी ली। कई मामलों में उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने कहा कि "स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को समय पर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" उन्होंने अस्पताल में दवा आपूर्ति, मरीजों के लिए पेयजल व शौचालय की उपलब्धता सहित आधारभूत संरचनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

नावाडीह स्थित जनवितरण प्रणाली की दुकान का किया निरीक्षण

जिला प्रशासन द्वारा जनवितरण प्रणाली में पारदर्शिता एवं समयबद्ध खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला उपायुक्त ने पत्थलगड्डा प्रखंड क्षेत्र निरीक्षण के क्रम में नावाडीह पंचायत स्थित जनवितरण प्रणाली दुकानों का औचक निरीक्षण कर दुकानों में उपलब्ध खाद्यान्न भंडारण, स्टॉक रजिस्टर, वितरण पंजिका, लाभुकों की सूची और पॉस मशीन संचालन की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। उन्होंने लाभुकों से सीधे संवाद कर राशन वितरण की स्थिति, गुणवत्ता एवं समयबद्धता की जानकारी ली और मौके पर उपस्थित संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि जनवितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी न हो, इसके लिए नियमित निरीक्षण एवं निगरानी की व्यवस्था की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पात्र लाभुकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न ससमय उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बरवाडीह पंचायत भवन का निरीक्षण जिला उपायुक्त ने किया। पंचायत में संचालित विकास योजनाओं की जानकारी ली। मुखिया और पंचायत सचिव से पंचायत की समस्याओं से अवगत हुए। बिरहोर परिवारों को दी जा रही सुविधाओं के बारें में भी जानकारी ली।

प्रखंड मुख्यालय में संचालित शराब दूकान का किया निरीक्षण

प्रखंड मुख्यालय में संचालित शराब दूकान का निरीक्षण के क्रम में दुकान में उपलब्ध स्टॉक, बिक्री पंजी, लाइसेंस संबंधित दस्तावेजों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की गहन जांच की। इस दौरान दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में 18 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों को शराब की बिक्री न की जाए। उपायुक्त ने दुकान परिसर में स्वच्छता, निर्धारित समय पर बिक्री, तथा नियमों के तहत संचालन की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसी दुकान में अनियमितता पाई जाती है या कम उम्र के युवाओं को शराब बेची जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, छत से पानी रिसाव पर जताई नाराजगी, एसडीओ को जांच का निर्देश

शैक्षणिक संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और गुणवत्तापूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय भवन की छत से पानी रिसाव की स्थिति देखकर उन्होंने गंभीर नाराजगी व्यक्त की और तत्काल एसडीओ को तकनीकी जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, छात्राओं को उपलब्ध बुनियादी सुविधाएं, भोजन की गुणवत्ता, पेयजल, शौचालय और शयन कक्ष की स्थिति का भी अवलोकन किया। इस क्रम में उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि साफ-सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा आवश्यक उपस्करों की पूर्ति शीघ्र सुनिश्चित की जाए। प्रयोगशाला एवं कंप्यूटर कक्ष की भी स्थिति का जायजा लिया। उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता की समीक्षा करते हुए उन्होंने बीडीओ को सप्ताह में कम-से-कम एक दिन विद्यालय का निरीक्षण करने और सभी आवश्यक सुविधाओं की बहाली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने विद्यालय में रहने वाली छात्राओं से भी सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व सुरक्षित वातावरण का भरोसा दिलाया।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सत्री राज,जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, जिला नियोजन पदाधिकारी मन्नू कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी पत्थलगड्डा ऊदल राम समेत संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गति लाएं एवं निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य संपन्न करें। आगे उन्होंने कहा योजनाओं में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं की जाएगी।

चतरा शहरमें धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतरा : भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा का आयोजन चतरा शहर के पत्थलदास मंदिर में पूरे श्रद्धा,भक्ति के साथ बहुत ही धूमधाम मनाया गया।इस पावन अवसर पर सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया । रथ यात्रा की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुई,भगवान श्री जगन्नाथ,बलभद्र एवं बहन सुभद्रा को पारंपरिक रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण के लिए निकाला गया यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया गया । साथ ही भक्ति संगीत, भजन-कीर्तन,फूलों की वर्षा तथा प्रसाद वितरण जैसे आयोजनों से वातावरण पवित्र एवं भक्तिमय बना रहा,।इस अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्था के विशेष प्रबंध किए गए थे ।पुलिस बल की तैनाती एवं ट्रैफिक व्यवस्था सुनिश्चित की गई जिससे रथ यात्रा शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके। भगवान जगन्नाथ के शहर भ्रमण के दौरान गंदौरी मंदिर के महंत चंद्र शेखर लाल उर्फ पप्पू जी एवं समस्त परिवार की ओर से भगवान की आरती उतारी । और प्रसाद वितरण किया गया। रथ यात्रा में पत्थल दास के अध्यक्ष चतरा अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम एवं चतरा अंचलाधिकारी अनिल कुमार शामिल हुए और रथ खींचा। भी भगवान जगन्नाथ की कृपा से यह धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था , शांति और समर्पण का प्रतीक बनकर सम्पन्न हुआ।

रथ यात्रा में शामिल नहीं हुए ट्रस्टी दुकानदार

पत्थल दास ट्रस्ट के अंतर्गत लगभग दो दर्जन दुकानें हैं परन्तु ट्रस्टी दुकानदारों को पत्थल दास मंदिर के किसी भी पूजा पाठ से कोई भी मतलब नहीं है। भगवान जगरनाथ रथ यात्रा के इस दुर्लभ क्षण में इनकी अनुपस्थिति रहती है।स्थानीय दुकानदार बाबू अग्रवाल ने ट्रस्टी दुकानदारों की निष्क्रियता की बात कही। वहीं स्थानीय श्रद्धालु ने कहा कि इस मंदिर के पास अरबों की प्रापर्टी है पर भगवान जगन्नाथ को नित्य लगने वाले भोग में भी कभी कभी स्थिति दयनीय हो जाती है।वहीं शहरके जाने माने व्यवसायी सह समाजसेवी शंकर तुलसियान जीने ट्रस्टी दुकानदारों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि ट्रस्टी दुकानदार कम किराए पर दुकान रखे हुए हैं परन्तु सामाजिक धार्मिक अनुष्ठानों में उनकी कोई भूमिका नहीं होती।

श्रद्धा के साथ निकली जगन्नाथ प्रभु की रथयात्रा

धनबादः धनबाद कोयलांचल में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई. इस्कॉन धनबाद की ओर से आयोजित भव्य रथयात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया. भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के लिए विशेष रूप से तैयार हाइड्रोलिक रथ आकर्षण का केंद्र रहा. इसका निर्माण IIT-ISM के छात्रों ने किया है. रथयात्रा की शुरुआत स्टील गेट दुर्गा मंडप से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई. यात्रा मार्ग में भक्तगण नाचते-गाते, हरिनाम संकीर्तन करते आगे बढ़ते रहे. पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा.

रथ छह प्रमुख स्थानों पर रुका जहां श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया. रथयात्रा गोल्फ ग्राउंड पहुंचकर समाप्त हुई. यहां तीनों निग्रहों को रथ से उतारकर मौसी बाड़ी में विराजमान किया गया. यहां तीन दिवसीय भव्य महोत्सव का आयोजन किया गया है, जो 29 जून तक चलेगा. महोत्सव में प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन, भजन-संध्या, बाल-कृष्ण लीला, भक्ति संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा.

गोल्फ ग्राउंड में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि वे परिवार सहित आध्यात्मिक माहौल का आनंद ले सकें. इस्कॉन धनबाद के अध्यक्ष नामप्रेम दास ने बताया कि इस वर्ष रथयात्रा में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही. उन्होंने बताया कि रथयात्रा के उपरांत भगवान जगन्नाथ को पुरी के गुंडिचा मंदिर (मौसी बाड़ी) की प्रतिकृति के रूप में बनाए गए विशाल पंडाल में विराम कराया गया. महोत्सव के दौरान लगभग एक लाख भक्तों के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है. पूरे आयोजन के दौरान स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी से भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी बनी रही. जिससे रथयात्रा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हो सकी.

ओरमांझी पूर्वी सेंट्रल मुहर्रम कमेटी का हुआ गठन, यासीन खान अध्यक्ष बने

ओरमांझी(मोहसीन): त्याग व बलिदान का अनोखा मुहर्रम पर्व 2025 के सफल आयोजन एवं शांतिपूर्ण समापन के लिए ओरमांझी पूर्वी क्षेत्र सेंट्रल मुहर्रम कमेटी का गठन किया गया।कूटे बाजार टांड़ में आयोजित बैठक में आनंदी,बारीडीह, हातवाल,पांचा,कूटे,खुदिया,लोटा ,साड़ी, भूसुर,डटमाआदि दर्जनों गांव के सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सह पूर्व उप प्रमुख मुन्तजिर अहमद रजा ने किया। आगामी मुहर्रम के शांतिपूर्ण आयोजन हेतु गहन विचार विमर्श करते हुए सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों का गठन किया गया,बैठक में मोहर्रम के दिन समय पर जुलूस निकालने,यातायात बाधित नहीं करने,व अतिथियों का सही तरीके से सम्मान करने पर विचार विमर्श करते हुए,सभी अखाड़ा की खलीफाओं को कहा गया कि जुलूस में आने वाले लोगों को प्रशासन की मदद करते हुए सरकार द्वारा दिए गए गाइडलाइन के अनुसार जुलूस में शामिल हो,एवं पारंपरिक हथियार के साथ जुलूस में शामिल हो.बैठक में सर्व सममती से अध्यक्ष यासीन खान,सचिव,नास्तइन खान पप्पू, खजांची अमीर हमजा अंसारी चुने गए, उपाध्यक्ष जलाल खान तथा सह सचिव नूर हसन अंसारी को बनाया गया, इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों 5का भी चयन किया गया,खालिक खान तथा शेख साजुद्दीन को संरक्षक तथा मुन्तजिर अहमद रजा को मुख्य संरक्षक बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से, जमशेद काजमी, तनवीर अहमद रजा, रेहान खान इस्राफील अंसारी, शेख असगर शेख अनवर, शेख नबी बख्श, वकील अंसारी, मुस्तफा खान मुस्लिम फैजी, सुहेल अंसारी,नसीम खान, तस्लीम अंसारी, आदम अंसारी, सलीम अंसारी, निजाम खान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

बोकारो में जगन्नाथ रथयात्रा शुरू:बीएसएल डायरेक्टर ने छेरा-पहड़ा की परंपरा निभाई, हजारों श्रद्धालु जुटे

बोकारोः बोकारो के जगन्नाथ मंदिर से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की रथयात्रा शुरू हुई। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्र हुए। श्रद्धालुओं ने हरि बोल और जय जगन्नाथ के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। बोकारो स्टील प्लांट के डायरेक्टर इंचार्ज बी.के. तिवारी ने छेरा-पहड़ा की परंपरा निभाई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने रथ को मौसीबाड़ी की ओर खींचना शुरू किया। इस दौरान भगवान मौसीबाड़ी में विश्राम करेंगे। प्रतिदिन पांच बार भजन, कीर्तन और आरती होगी।

रथ खींचने में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी शामिल हुए। रास्ते में विभिन्न संगठनों ने श्रद्धालुओं के लिए शरबत, चाय, मिठाई और प्रसाद की व्यवस्था की।

उत्कल सेवा समिति ने रथयात्रा का आयोजन किया। समिति के अध्यक्ष डॉ. जी.एन. साहू और सचिव डॉ. यू.के. मोहंती के नेतृत्व में कार्यक्रम चल रहा है। दस दिन बाद भगवान मौसीबाड़ी से वापस मंदिर लौटेंगे।

चौपारण में रथ यात्रा महोत्सव का हुआ आयोजन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चौपारण(हजारीबाग) प्रखण्ड में रथ यात्रा महोत्सव का हुआ भव्य आयोजन। यह महा महोत्सव श्री जगन्नाथ कृपा फाउंडेशन के तत्वाधान में निकाल गया। आयोजकों के द्वारा इस भव्य रथयात्रा का आयोजन ऐतिहासिक रहा। महाप्रभु केशवानंद प्रभु के नेतृत्व में रथयात्रा का उत्सव सुबह नौ बजे से शुभारम्भ किया गया । रथयात्रा चैथी मोड़ कात्यानी मंदिर से होकर चौपारण के रास्ते चतरा मोड़ से गुजरते हुए चतरा चौपारण मार्ग स्थित बिगहा मौसीबाड़ी हनुमंत मंदिर पहुंची, जहां मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। रथयात्रा में उड़ीसा, के साथ साथ विदेशों से आने वाले अतिथियों, कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। वही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व हिन्दू परिषद के कर्मठ सदस्यों एवं दुर्गा वाहिनी द्वारा भव्य प्रस्तुति प्रस्तुत की गयी । चौपारण के लिए यह पल ऐतिहासिक एवं गौरान्वित करने वाले पल की गवाही बना । यह रथयात्रा। चौपारण के इतिहास में अविस्मरणीय पल के रूप में लिखा जाएगा। इस रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए । कई देशों के भक्तजन रथयात्रा में शामिल होने के लिए चौपारण पहुंचे । चौपारण के रथयात्रा का संचालन इस्कॉन ट्रस्ट के द्वारा किया गया । प्रत्येक वर्ष की तरह राधा कृष्ण मंदिर चौपारण में भी केशरवानी समाज की ओर से भव्य रथयात्रा का नगर भ्रमण बड़ी धूमधाम से निकाला गया। रथ यात्रा मा महोत्सव के इस कार्यक्रम में हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल, चतरा सांसद कालीचरण सिंह, हजारीबाग पुलिस अधीक्षक, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, सिमरिया विधायक उज्ज्वल कुमार दास, पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला यादव समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तगण शामिल हुए।

इस मौके पर पुलिस प्रशासन के द्वारा व्यापक पैमाने पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा गया था। श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह पर पेयजल, शरबत, गुड और चने की व्यवस्था की गई थी।

सफेदपोशों व माफिया दलालों का स्वर्ग बना है कथित औद्योगिक नगरी कोयलांचल टंडवा

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः वसूली नाम से राज्य में चर्चित कोयलांचल एवं औद्योगिक नगरी टंडवा विकास के पैमाने पर कम जबकि सड़कों में दहशतगर्दी, अवैध वसूली और लगातार हो रहे टेरर फंडिंग से ज्यादा मशहूर रहा है। सूत्रों की मानें तो संगठित गिरोहों द्वारा बैरियर में प्रतिमाह लाखों की वसूली मामले में डैमेज कंट्रोल कर मामले को ठंढे बस्ते में डालने के लिये कुछ सफेदपोशों को भारी फंडिंग किये जाने की सूचना है। सीसीएल में फर्जीवाडा कर नौकरी और मुआवजा बांटने वाले एक चर्चित मामले में सीआइडी द्वारा टेक ओवर किये जाने के बाद जांच की आंच वसूली करने वाले संलिप्त गिरोहों समेत एक वैसे सफेदपोश के गिरेबान तक भी पहुंचने की चर्चा है। जिसने अपने गाड़ी के सारे किस्तों को शामिल वसूली बाजों से हीं डलवाता रहा हैं। दावा किया जाता है कि कथित सफेदपोश डैमेज कंट्रोल करने के लिये पर्दे के पीछे रहकर वो अहम भूमिका अदा कर रहा है। केंद्रीय एजेंसी के लगातार दबिश से आमदनी का कोई ठोस स्रोत नहीं होने के बावजूद भी उसके हाइप्रोफाइल लाइफस्टाइल के तार जांच एजेंसियों को कई अहम सुराग दे सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें...

पटना के निबंधन कार्यालय में गोली चलने से 3 जख्मी

पटना. गांधी मैदान थाना के छज्जू बाग निबंधन कार्यालय में गोली चली है। इसमें तीन लोगों को पैर में गोली लगी है। सभी घायलों को पीएमसीएच भेजा गया है। फायरिंग करने वाले जवान का नाम सुधीर है। वह निजी सुरक्षा गार्ड है। फायरिंग के बाद से सुरक्षा गार्ड सुधीर गायब है। घायलों में रोहित कुमार, नितिन कुमार और अंकित है। बताया जा रहा है कि आरोपी सुधीर कुमार निबंधन कार्यालय में बिहार राज्य सहकारी बैंक के ब्रांच में तैनात था।इस घटना में सबसे बड़ी लापरवाही बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के कर्मचारियों की है। काउंटर के पास सुधीर कुमार को फॉर्म बांटने में लगा दिया गया था। गार्ड सुधीर लोगों को बारी-बारी से फॉर्म दे रहा था। लोग काउंटर पर फॉर्म लेने के लिए लाइन में खड़े थे। इस दौरान राइफल से गोली छूट गई।

आरा में महिला ने फांसी लगाकर दी जान

आरा. भोजपुर में पति के अफेयर से परेशान महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। लोहे के पाइप से लटका हुआ शव मिला है। मृतका की पहचान पुतुल देवी(40) के तौर पर हुई है। घटना सिन्हा थाना क्षेत्र के महुली गांव की है। मृतका के भाई संगम यादव ने बताया,'बहनोई छोटन यादव का अपनी भाभी से ही अवैध संबंध है। इस वजह से डिप्रेशन में रहती थी। मेरी बहन को खर्च के लिए पैसे नहीं देता था। तीन महीना पहले ससुराल वालों ने खाने में जहर मिला था। भांजी की सूचना हमलोग उसके ससुराल पहुंचे। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया था। 8 दिन के बाद अपने घर लेकर चले गए थे। तब से मायके में ही रह रही थी।' मामले की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतका के चार बच्चे हैं। दो पुत्र आशीष, अनीष और दो पुत्री आंचल, अंशु है। पति कोलकाता में खटाल चलाता है। पुतुल देवी अपने घर में इकलौती बेटी थी।

पुलिसकर्मियों को कुचलनेवाला थार चालक गिरफ्तार

पटना. राजधानी पटना के चितकोहरा इलाके में पुलिस कर्मियों को कुचलने की कोशिश करने वाले कार मालिक के बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बीते दिनों पुलिस द्वारा जांच के लिए रोके जाने पर आरोपित ने गाड़ी से पुलिस कर्मियों को कुचलना की कोशिश की थी, और फिर घटनास्थल से फरार हो गया था। जिसके बाद थार गाड़ी का वीडियो भी वायरल हुआ था। सीसीटीवी में काले रंग की थार वाहन जांच के दौरान पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश करती दिख रही थी। घटना 24 जून की दोपहर गर्दनीबाग थाना इलाके के चितकोहरा की थी। हालांकि हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। जानकारी के मुताबिक पुलिसकर्मियों ने थार की चेकिंग के लिए ड्राइवर को रुकने का इशारा किया। लेकिन थार चालक ने रुकने की बजाय गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी। इसके बाद पुलिसकर्मियों को टक्कर मारती हुई गाड़ी वहां से निकल गई। हालांकि सूझ-बूझ से पुलिसकर्मियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। जिसके बाद कंट्रोल रूम में घटना की सूचना दी गई। और आरोपी थार चालक की तलाश में कई जगह तलाशी अभियान चलाया गया। लेकिन आरोपी भागने में सफल रहा था। हालांकि आज पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

पटना के निबंधन कार्यालय में फायरिंग, दो लोग घायल

पटना. बिहार की राजधानी पटना के निबंधन कार्यालय में शुक्रवार को फायरिंग से हड़कंप मच गया है। वहां मौजूद गार्ड की बंदूक से गलती से फायर हो गया। गोली चलने से कार्यालय में मौजूद दो लोग जख्मी हो गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। सूचना मिलने पर गांधी मैदान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर पहुंचे पटना सिटी की सेंट्रल एसपी दीक्षा भी मौके पर पहुंची और जानकारी ली। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि शुरुआती जांच में गलती से फायरिंग होने की बात सामने आई है। निबंधन कार्यालय में तैनात गार्ड की गन से भूलवश गोली चली। इसमें दो लोग घायल हुए हैं। गार्ड सुधीर के रहने वाले हैं और एक निजी कंपनी के माध्यम से निबंधन कार्यालय में तैनाती की गई।

सप्ताह में 2 दिन महिलाओं की समस्याएं सुनी जाएंगी

बेगूसराय. बेगूसराय में बिहार राज्य महिला आयोग की टीम अब राज्य के सभी जिलों में जाकर महिला उत्पीड़न और उनसे जुड़े हिंसा के लंबित मामलों का समाधान करेगी। इसकी शुरुआत बेगूसराय से की गई है। हर गुरुवार और शुक्रवार को आयोग की टीम जिलों में जाकर महिलाओं की समस्याएं सुनेगी और उसका समाधान किया जाएगा। जानकारी आज पीसी में महिला आयोग के अध्यक्ष अप्सरा ने दी है। उन्होंने कहा कि 14 महीने से आयोग बंद पड़ा था। 9 जून को गठन किया गया है, उसके बाद जब लंबित मामले देखे गए तो सबसे अधिक 410 मामले बेगूसराय जिला में लंबित थे। इसके मद्देनजर मेरे नेतृत्व में सदस्य श्यामा सिंह एवं पिंकी कुमारी कुशवाहा यहां आए। अधिकारियों के साथ बैठक की, महिलाओं से मिले। जिसमें 398 मामले का निष्पादन किया गया है, 7 पीड़ित महिलाओं को आयोग के कार्यालय में बुलाया गया है।

दुरंतो एक्सप्रेस की चार बोगियों में चोरीःलैपटॉप, पर्स, बैग समेत कीमती सामान गायब

गयाजी. आनंद विहार-भुवनेश्वर दुरंतो एक्सप्रेस की चार बोगियों में यात्रियों के सामान की गुरुवार देर रात चोरी हो गई। ट्रेन संख्या 122824 जैसे ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय-गया रेलखंड के कष्ठा-परैया के बीच पोल संख्या 482/10 पर पहुंची, चोरों ने बी1, बी2, एस4 और एक अन्य बोगी को निशाना बना लिया। करीब 1 बजे हुई इस घटना में चोर यात्रियों के लैपटॉप, पर्स, बैग समेत अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। यात्रियों का आरोप है कि चोर छोटी उम्र के थे और ट्रेन का वैक्यूम खींचकर फरार हो गए। चोरी की जानकारी मिलते ही ट्रेन में मौजूद यात्रियों के बीच हंगामा मच गया। नाराज यात्रियों ने रेलवे प्रशासन और ट्रेन के अंदर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए। काफी देर तक समझाने के बाद यात्रियों को गया जंक्शन लाया गया, जहां जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई गई। रफीगंज आरपीएफ इंस्पेक्टर रामसुमेर और जीआरपी सर्किल इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि की है। इंस्पेक्टर सुशील कुमार ने बताया कि घटना की जांच के लिए सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी कुमारी और पुलिस बल को ट्रेन के साथ विशेष रूप से भेजा गया है।

तेज रफ्तार बस ने मजदूर को कुचला, मौत

सारण. सारण में मांझी-बरौली मुख्य मार्ग पर गुरुवार को चकिया व कबीरपुर गांव के बीच तेज रफ्तार बस ने एक मजदूर को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान कोपा थाना क्षेत्र के जानकी नगर मिल्की गांव निवासी ब्रजेश प्रसाद (36) के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। मांझी थानाध्यक्ष अविनाश कुमार झा ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, बस को भागते देख एकमा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चालक समेत बस को जब्त कर लिया है।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से मासूम की मौत

मधुबनी. मधुबनी के बहेरा गांव में बच्चे की पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घटना गुरुवार शाम की है, बच्चा शौच के लिए घर से गया था। इसी दौरान बारिश के पानी से भरे गड्ढे में गिर गया। ग्रामीणों ने बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान लालटून सदाय के बेटे समन(7)के रूप में हुई है।

खाद्य निगम के अकाउंटेंट के 6 ठिकानों पर रेड

मुजफ्फरपुर. मोतिहारी में पोस्टेड राज्य खाद्य निगम के लेखपाल राजेश कुमार के ठिकानों पर शुक्रवार को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने रेड की है। पटना, हाजीपुर, मोतिहारी और मुजफ्फरपुर के 6 ठिकानों पर ये छापेमारी हो रही है। इस छापेमारी में ईओयू के साथ राजस्व विभाग की टीम भी मौजूद है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में ईओयू की कार्रवाई जारी है। ईओयू ने आय से 201.94% अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में राजेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आर्थिक अपराध थाना कांड संख्या 11/2025 दर्ज है। जांच में यह पाया गया कि उन्होंने वैध स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है।

तेजस्वी का मतदाता पुनरीक्षण पर कहा, आरएसएस-बीजेपी वाले गरीबों का वोटिंग राइट छीनना चाहते

पटना. चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण कराने का फैसला किया है। घर-घर जाकर मतदाताओं का मिलान किया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसका विरोध करते हुए एनडीए सरकार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि पहले वोटिंग लिस्ट से नाम हटाएंगे फिर राशन कार्ड से वंचित कर देंगे। पुनरीक्षण में आधार कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड को मान्यता नहीं दिए जाने पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा चुनाव के ठीक बाद यह काम शुरू किया जा सकता था। दो महीने में यह काम नहीं हो सकता। बिहार इस साजिश के प्रति अलर्ट है। यह लोकतंत्र और संविधान के साथ मजाक है। किसी भी कीमत पर चुनाव आयोग की मनमानी नहीं चलने देंगे। इससे पहले मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के साथ बैठक में भी राजद ने इसका विरोध किया था। मतदाता पुनरीक्षण के मसले पर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाया। राजद के अलावे कांग्रेस और वामदलों के नेता शामिल हुए। तेजस्वी यादव ने वोटर लिस्ट में नाम रहे इसके लिए जिन दस्तावेजों को मांग की जा रही है वह अधिकांश गरीब गुरबे परिवार से आने वाले लोगों के पास नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 25 जून से 26 जुलाई तक मतदाता पुनरीक्षण का काम चलेगा। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि फरवरी महीने में ही वोटर लिस्ट पब्लिश हुआ था। चुनाव से दो महीने पहले यह काम क्यों किया जा रहा है। आठ करोड़ लोगों का इस अवधि में डोर टू डोर जाकर जांच करना संभव नहीं है। जिन कागजातों की मांग की जा रही है वे गरीब परिवारों के पास होंगे इसकी गारंटी नहीं है। दरअसल मोदी जी और नीतीश जी बिहार में हार से डरे हुए हैं। इसलिए वोट का अधिकार छीनने की साजिश कर रहे हैं। नीतीश कुमार अक्सर दिल्ली जाते रहते हैं। 22 साल पहले इस काम में दो साल लगे थे। इतने कम समय में गहन पुनरीक्षण का कार्य 25 दिनों में पूरा नहीं हो सकता। इस साजिश में नीतीश कुमार का भी बड़ा योगदान है। चुनाव आयोग को पता है कि मानसून का समय है। बिहार का 73 फीसदी इलाका बाढ़ प्रभावित है। लोग अपनी जान बचाएंगे या चुनाव आयोग को कागज देंगे। लोगों के पास इतना समय भी है कि नये कागजात बनाए जा सकें। नब्बे प्रतिशत बीएलओ के पास मतदाता सूची भी नहीं है लेकिन काम शुरू करा दिया गया है। बीजेपी और उनके सहयोगी दल गरीबों का मतदान का अधिकार छीनेंगे फिर उनका राशन, पेंशन और छात्र वृत्ति बंद कर देंगे। आधार कार्ड और मनरेगा कार्ड को मान्यता नहीं है। बिहार में सबके पास आधार कार्ड भी नहीं है। चुनाव आयोग एक ओर वोटर कार्ड और आधार कार्ड को लिंक करवा रहा है तो पुनरीक्षण में आधार कार्ड को नहीं मानते। यह आरएसएस और बीजेपी की साजिश है जिसमें नीतीश कुमार की जदयू भी संलिप्त है। लोकसभा चुनाव जब हो चुके तो बिहार में अभी चुनाव से पूर्व इसकी क्या जरूरत पड़ गई। बिहार में आठ करोड़ वैध मतदाता हैं जिसमें 4 करो 76 लाख को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना पड़ेगा। जो 39-40 वर्ष की आयु के हैं उन्हें नागरिकता का प्रमाण पत्र देना पड़ेगा। जो 20-38 आयु वर्ग के हैं उन्हें माता या पिता का बर्थ सर्टिफिकेट देना पड़ेगा। इनका प्रतिशत 85(लगभग चार लाख) है। 18-20 वर्ष आयु वर्ग वालों को माता और पिता दोनों का बर्थ सर्टिफिकेट और जन्मस्थान का प्रमाण देना पड़ेगा। गांव देहात में लोगों के माता पिता का बर्थ सर्टिफिकेट नहीं मिलेगा। यह सब तब मांगा जा रहा है जब बिहार में बाढ़ और मानसून सिर पर है। करोड़ों लोग जीविका के लिए पलायन कर चुके हैं। उनका क्या होगा। यह खेल मतदाताओं की छंटाई करके सत्ताधारी दल को फायदा उठाने का प्लान है।

लालू ने होसबोले के बयान पर संघ को घेरा

आरजेडी चीफ लालू यादव ने एक बार फिर से संघ पर हमला बोला है। सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट में लिखा कि आरएसएस ने संविधान बदलने की बात कही है। इन लोगों के मन और विचार में लोकतंत्र एवं बाबा साहेब के संविधान के प्रति इतनी घृणा क्यों है? दरअसल लालू यादव ने ये टिप्पणी संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले के एक बयान पर की है। जिसमें उन्होने संविधान की प्रस्तवना से दो शब्दों को हटाने की बात कही थी। लालू यादव ने ट्वीट कर लिखा कि देश के सबसे बड़े जातिवादी और नफरती संगठन RSS ने संविधान बदलने की बात कही है। इनकी इतनी हिम्मत नहीं कि संविधान और आरक्षण की तरफ़ आँख उठाकर देख सके।

तेजस्वी ही सीएम फेसः कन्हैया कुमार

पटना. महागठबंधन में तेजस्वी यादव के सीएम फेस को लेकर जारी चर्चा के बीच कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होने कहा कि अगर आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन को बहुमत मिलता है, तो मुख्यमंत्री आरजेडी से होगा, और तेजस्वी यादव के सीएम फेस को लेकर अलायंस में किसी तरह का कोई भ्रम या विवाद नहीं है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि चुनाव में मुद्दे सर्वोपरि होंगे और गठबंधन के सीएम चेहरे का मुद्दा उठाकर ध्यान भटकाने के लिए प्रतिद्वंद्वियों द्वारा साजिश रची जा रही है। कन्हैया कुमार ने दावा किया कि जैसे ही भाजपा को मौका मिलेगा वो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हटाकर उनकी जगह बिहार में अपना नेता लाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी पुरानी रणनीति पर चल रही है। जिसके तहत पहले किसी क्षेत्रीय पार्टी का समर्थन लेना और फिर धीरे-धीरे उसे ही निगल जाना। पीटीआई से इंटरव्यू में उन्होंने दावा किया कि बिहार में परिवर्तन की हवा पिछले विधानसभा चुनावों से भी ज्यादा तेज है और भाजपा ऑपरेशन सिंदूर को चुनावी मुद्दे के तौर पर नहीं उठा रही है, क्योंकि वो जानती है कि बिहार के लोग इसका नकारात्मक जवाब देंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के सम्मान का मामला है और किसी भी पार्टी को इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए।

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने किया पति का मर्डरःअफेयर का विरोध करता था; हत्या को सुसाइड बताने के लिए बॉडी फंदे से लटकाई

औरंगाबाद. औरंगाबाद में पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पति अफेयर का विरोध करता था। इसे लेकर कई बार उसके साथ मारपीट भी हुई थी। गुरुवार रात महिला ने अपने प्रेमी और मामा के साथ मिलकर पति को मार डाला। आत्महत्या दिखाने के लिए शव को घर में साड़ी से फंदा बनाकर लटका दिया। घटना मदनपुर थाना क्षेत्र के नीमा आजन पंचायत के आजाद बिगहा गांव की है। मृतक की पहचान सुनेश्वर भुइयां (43) के रूप में हुई है। सुनेश्वर की पत्नी रीता देवी (40) का मुंशी बिगहा निवासी अरविंद भुइयां (45) से दो-तीन सालों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेमी पास के ही गांव में रहता था।

हत्या के बाद बॉडी फंदे से लटका दी

गुरुवार देर रात रीता देवी ने प्रेमी अरविंद को फोन

कर घर बुलाया। साथ में अरविंद का मामा सुरेश भुइयां भी था। रात में खाना खाने के बाद जब सब सो गए, तब तीनों ने मिलकर सुनेश्वर को घर से सौ मीटर दूर आम के पेड़ के पास ले जाकर मारपीट की। फिर गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या दिखाने के लिए शव को घर लाकर छत के नीचे लगी लकड़ी में साड़ी से लटका दिया। शुक्रवार सुबह रीता देवी खुद रोने-चिल्लाने लगी। शोर सुनकर ग्रामीण जुटे। लोगों ने नीमा आजन पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह और पैक्स अध्यक्ष राणा सिंह को सूचना दी। इसके बाद मदनपुर थाना की पुलिस को खबर दी गई। मृतक के भाई कमलेश भुइयां ने बताया कि 'सुनेश्वर तीन भाइयों में सबसे छोटा था। मजदूरी कर परिवार चलाता था। अरविंद अक्सर घर आता था। मारपीट करता था। जान से मारने की धमकी देता था। उसकी पत्नी भी उसका साथ देती थी। अरविंद आपराधिक किस्म का व्यक्ति है।' SDPO सदर-2 चंदन कुमार ने बताया कि 'थानाध्यक्ष को सुनेश्वर भुइयां की आत्महत्या की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस की टीम वहां पहुंची और मामले की छानबीन की गई तो पुलिस को मामला संदेहास्पद लगा।'

भोजपुर में गंगा नदी में डूबने से छात्र की मौतः गहरे पानी में जाने से हादसा

आरा,भोजपुर. भोजपुर में गंगा नदी घाट के किनारे नहाने के दौरान एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। युवक का शव दूसरे दिन बरामद हुआ है। शुक्रवार की सुबह लड़के की लाश मिली है। मामला कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के केवटिया गांव का है। मृतक कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के मैनपुरा गांव वार्ड नंबर-7 निवासी गौतम उपाध्याय का 19 साल का बेटा सुमित कुमार है। मृतक के परिजन धीरज कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार की शाम करीब पांच बजे गांव के ही दुर्गा पांडेय और रामबाबू यादव के साथ गंगा नदी में नहाने के लिए केवटिया गांव स्थित गंगा घाट पर गए थे। नहाने के दौरान

वह डूब गया। इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी। स्थानीय थाना भी घटना स्थल पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी काफी खोजबीन की गई। लेकिन, कल शाम लड़के का शव नहीं मिल पाया था। शुक्रवार की सुबह एसडीआरएफ की टीम ने उसके शव को पानी से बाहर निकाला।

औरंगाबाद में सिरफिरे का खूनी कांड, पिता और चाची की हत्या

औरंगाबाद . बिहार के औरंगाबाद में एक सिरफिरे युवक ने अपने चाचा की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वह अपने पिता और चाची को भी मौत के घाट उतार चुका है। घटना फेसर थाना क्षेत्र के दिल मोहम्मदगंज गांव की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक की पहचान 65 वर्षीय रामनाथ यादव के रूप में की गयी है। शुक्रवार को आरोपी राजू कुमार ने लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इससे पहले राजू ने पांच साल पहले अपनी चाची बिखैनिया देवी और तीन साल पहले अपने पिता रामदास यादव की भी पीट-पीटकर हत्या की थी। शुक्रवार की घटना के बाद परिजन रामनाथ यादव को सदर अस्पताल ले गए जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। गांव के लोगों ने बताया कि आरोपी राजू मानसिक रूप से बीमार है। वह 12 वर्ष की उम्र में सबसे पहले बीमार हुआ। वह नशीली पदार्थों का सेवन करता है और जब उसे रोकने की कोशिश की जाती है तो वह गुस्से में ईंट-पत्थरों से हमला कर देता है।

आर्केस्ट्रा समूहों के नियमन व निगरानी पर दो हफ्ते में जवाब दे सरकार- पटना हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने नाबालिग बच्चियों की ट्रैफिकिंग को बताया गंभीर, राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई और दो हफ्ते में हलफनामा देने के

पटना : बिहार में आर्केस्ट्रा समूहों में ट्रैफिकिंग के जरिए लाई गई नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण व उत्पीड़न को रोकने के लिए पटना हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर आर्केस्ट्रा व अन्य डांस ग्रुपों के नियमन के बाबत दो हफ्ते में जवाब देने को कहा है। बिहार में आर्केस्ट्रा समूहों में बड़े पैमाने पर नाबालिग बच्चियों के शोषण के मद्देनजर बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 418 जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने अपनी याचिका में हाई कोर्ट से इसकी रोकथाम के लिए तत्काल एक राज्यस्तरीय समन्वय तंत्र बनाने की अपील की थी। पटना हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार व न्यायमूर्ति पार्थ सारथी ने 18 साल से कम उम्र की बच्चियों की ट्रैफिकिंग को गंभीर बताते हुए राज्य सरकार को इस पर तुरंत कार्रवाई करने और दो हफ्ते में हलफनामा देने के आदेश दिए। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन ने एक अंतरिम आवेदन में हाई कोर्ट से बच्चियों के शोषण को रोकने के लिए राज्य सरकार को सभी हितधारकों के साथ मिलकर एक समग्र और समन्वित कार्ययोजना बनाने और आर्केस्ट्रा समूहों के नियमन व निरीक्षण और पीड़ितों के बिहार पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना, 2014 (2019 में संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार मुआवजे व पुनर्वास का निर्देश देने का अनुरोध किया था। इस अंतरिम आवेदन पर विचार करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि इसे स्वीकार किया जाता है और राज्य सरकार को तत्काल कार्रवाई और दो हफ्ते में हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया जाता है।

जेआरसी ने अपने सहयोगी संगठन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) की मदद से रोहतास में एक आर्केस्ट्रा समूह से 44 नाबालिग बच्चियों व सारण एवं गोपालगंज में सहयोगी संगठनों की मदद से पुलिस की कार्रवाई में सैकड़ों नाबालिग बच्चियों को छुड़ाए जाने के बाद अपने अंतरिम आवेदन में आर्केस्ट्रा ग्रुपों में नाबालिग बच्चियों के इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की मांग की थी। साथ ही, इन बच्चियों को मुक्त कराए जाने के बाद उनके फिर से उसी धंधे में धकेल दिए जाने को रोकने के लिए इनके पुनर्वास के उपाय करने की मांग की गई थी। आवेदन में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद किसी भी चरण में पीड़ित बच्चे के लिए अंतरिम मुआवज़े की मांग की गई है— चाहे आरोपी दोषी ठहराया गया हो, बरी कर दिया गया हो, उसकी पहचान न हो पाई हो या वह फरार हो। साथ ही यह भी अपील की गई है कि मुआवजे का आदेश देते समय विशेष अदालतें पीड़ित को हुए हर तरह के नुकसान और आघात से जुड़े सभी पहलुओं पर विचार करें।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की विधिक सलाहकार रचना त्यागी ने हाई कोर्ट के नोटिस जारी करने का स्वागत करते हुए कहा कि यह कमजोर और मजबूर बच्चियों की सुरक्षा व गरिमा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बेहद अहम कदम है। उन्होंने कहा, 'आर्केस्ट्रा ग्रुप बच्चियों की ट्रैफिकिंग और उनके शोषण का औजार बन चुके हैं। इसकी रोकथाम, इन आर्केस्ट्रा समूहों के नियमन व निगरानी और पीड़ित बच्चियों के पुनर्वास के लिए समग्र योजना की जरूरत अर्से से महसूस की जा रही थी। हमें पूरी उम्मीद है कि हाई कोर्ट के इस नोटिस के बाद राज्य सरकार इन पीड़ित बच्चियों की सुरक्षा, संरक्षण और इन आर्केस्ट्रा समूहों में बच्चियों के शोषण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएगी।' अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें, जितेंद्र परमार- 8595950825.

जहानाबाद में महिला एसआई से एसआईएसआई ने की छेड़खानीःवॉश रूम जाते समय रोका, बदतमीजी की

जहानाबाद. जहानाबाद में ट्रेनी महिला एसआई ने एसआईएसआई पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। दलित महिला सब इंस्पेक्टर ने सहायक उप-निरीक्षक मानस पांडे पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इस मामले में एसपी विनीत कुमार ने कार्रवाई करते हुए आरोपी एसआईएसआई को निलंबित कर दिया है। ट्रेनी एसआई की शिकायत के मुताबिक, उनकी पहली पोस्टिंग जहानाबाद में हुई। वो पुलिस क्लब में रह रही थीं, आरोपी एसआईएसआई मानस पांडे भी वहां था। उसने वॉश रूम जाते समय ट्रेनी एसआई को रोका, उनके साथ बदतमीजी की। महिला दरोगा के विरोध करने पर आरोपी ने धमकी दी कि अगर उन्होंने इसकी शिकायत की, तो वो उन्हें गोलियों से छलनी कर देंगे। शिकायत में ये भी कहा गया कि आरोपी ने दूसरे लोगों से ये भी कहा कि अगर वो सस्पेंड हुए, तो मुझे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। मामला 9 अप्रैल का है, ट्रेनी महिला एसआई ने इसकी पहली बार शिकायत 28 अप्रैल को की थी। लेकिन उस वक्त कोई एक्शन नहीं हुआ। फिर एसपी के तबादले के बाद महिला दरोगा ने दोबारा से 24 जून को कम्प्लेन की, जिसके बाद आरोपी एसआईएसआई मानस पांडे को सस्पेंड कर दिया गया। निलंबन के दौरान एसआईएसआई को जिला मुख्यालय से बाहर करने के लिए मगध पुलिस महानिरीक्षक से गुजारिश की है। पुलिस लाइन में बुलाए गए आरोपी के खिलाफ कानूनी और विभागीय कार्रवाई चल रही है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि ये उनकी पहली पोस्टिंग है। आरोपी एसआईएसआई मानस पांडे भी पहले जहानाबाद एसडीपीओ कार्यालय में तैनात था।

बिरगंज के गहवा माई मंदिर से निकली रथ यात्राः हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

रक्सौल, मोतिहारी. नेपाल के बिरगंज स्थित प्रसिद्ध शक्ति पीठ गहवा माई मंदिर से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें भारत और नेपाल के हजारों श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। बता दें कि यह रथ यात्रा जगन्नाथ पुरी मंदिर की परंपरा से प्रेरित है और पिछले तीन वर्षों से आयोजित की जा रही है। गहवा माई मंदिर ट्रस्ट के अनुसार, यह रथ यात्रा भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में धार्मिक आस्था का प्रतीक बन चुकी है। रक्सौल सहित सीमावर्ती क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। रथ को सिसम और सखुआ की लकड़ी से बनाया गया है। इसका आकार जगन्नाथ पुरी मंदिर के रथ जैसा है। श्रद्धालुओं ने रस्सियों से रथ को खींचते हुए पूरे नगर का भ्रमण कराया। नगर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। हर चौक-चौराहे पर सुरक्षा कर्मी तैनात थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह शीतल पेयजल की व्यवस्था की गई थी। तेज धूप और गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह बना रहा। रथ यात्रा में भक्तों की आस्था और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। यह आयोजन भारत-नेपाल के सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को मजबूत करता है।

पूर्णिया में निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा

पूर्णिया में आज भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई है। ये रथ यात्रा उड़ीसा के जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर निकली है। यात्रा पूर्णिया सिटी स्थित जगन्नाथ मंदिर से निकाली गई है। भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ पर विराजमान कर नगर दौरा कराया जा रहा है। इसमें 5 हजारों लोग शामिल हैं। महिला हो या पुरुष, बच्चे हो या नौजवान सभी भगवान जगन्नाथ की भक्ति में पूरी तरह लीन हैं। भगवान जगन्नाथ के जयकारे से शहर गुंजायमान है। भगवान जगन्नाथ के रथ को फूलों से बेहद ही भव्य तरीके से सजाया गया है। ऑर्केस्ट्रा, ढोल-नगाड़े की थाप और एक से बढ़कर एक झांकियों के साथ निकाली गई। यात्रा में शामिल लोग भगवान जगन्नाथ के रथ को हाथ से खींच कर नगर का दौरा करा रहे हैं। इसमें न सिर्फ पुरुष बल्कि महिलाएं भी शामिल हैं। जिस रास्ते से होकर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकल रही है। उधर से सड़क के दोनों ओर श्रद्धालु अपने अराध्य की एक झलक पाने को उतावले हैं। रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ को प्रसाद और खिचड़ी का भोग लगाया गया।

मंत्री श्रवण कुमार ने रिवर फ्रंट निर्माण का किया निरीक्षणःबोले- पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा

नालंदा. नालंदा के पंचाने नदी पर रिवर फ्रंट बनाया जा रहा है। शुक्रवार को निर्माण कार्य का ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने जायजा लिया। एक-एक चीज का बारीकी से निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद निर्माण एजेंसी और विभाग के अधिकारियों से साफ तौर पर कहा कि लापरवाही या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो एस्टीमेट और डिजाइन मंजूर किया गया है। काम बिल्कुल उसी के मुताबिक होना चाहिए। तय मानकों से इंच भर का भी समझौता नहीं होगा। इस रिवर फ्रंट की कल्पना कई सालों से मन में थी। असल में इसे मूर्त रूप तब मिला जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में अपनी प्रगति यात्रा के दौरान जिले का दौरा किया और इस परियोजना को हरी झंडी दे दी। यह सिर्फ एक संरचनात्मक परियोजना नहीं है। नालंदा के पर्यटन मानचित्र पर एक नया अध्याय जोड़ने जा रहा है।

पर्यटन-विकास का नया आयाम

ग्रामीण विकास मंत्री ने आगे कहा, 'यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए एक खूबसूरत सार्वजनिक स्थान तो बनेगा ही, साथ ही बाहरी पर्यटकों के लिए भी मुख्य आकर्षण का केंद्र बनेगा। राज्य सरकार चाहती है कि विकास कार्यों का फायदा सीधे आम जनता तक पहुंचे। नालंदा जैसे ऐतिहासिक महत्व वाले जिले को एक नई पहचान मिलेगी।' 4248.59 लाख रुपए की लागत से बिहार शरीफ शहर में कोसुक घाट के पास रिवर फ्रंट विकसित किया जाएगा। गोमती नदी के रिवर फ्रंट के तर्ज पर बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना है। निरीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और निर्माण कंपनियों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे।

सम्पादकीय

कोयलांचल संवाद

पेगासस का भूत अमेरिका में जिन्दा, भारत में जवाबदेही क्यों नहीं?

पेगासस जासूसी कांड का भूत एक बार फिर वैश्विक मंच अमेरिका मैं जिंदा होकर सामने आया है। इस बार अमेरिका की अदालत में पेगासस ने जो जानकारी दी है, उसमें भारत में 100 लोगों की जासूसी की जानकारी भी सामने आई है। जिसके कारण भारत भी कटघरे में खड़ा हो गया है। अमेरिका की कैलिफोर्निया स्थित फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में चल रहे व्हाट्सएप बनाम एनएसओ केस में जो दस्तावेज दाखिल किये गये हैं, उन्होंने भारत सहित 51 देशों में 1223 लोगों की जासूसी किए जाने की पुष्टि की गई है। इस सूची में भारत 100 लोगों की जासूसी के साथ दूसरे स्थान पर है। यह भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है। भारत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह कहकर जांच टलवा दी थी। यह 'राष्ट्रीय सुरक्षा' का मामला है। जबकि पेगासस बनाने वाली कंपनी एनएसओ स्पष्ट कर चुकी है, यह सॉफ्टवेयर केवल सरकारों को ही बेचा जाता है। जब सरकार खरीददार है, तो सरकार इसके लिए जिम्मेदार भी है। भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, सरकार ने जांच में कोई सहयोग नहीं दिया। जिसके कारण कमेटी कुछ उल्लेखनीय जांच नहीं कर पाई। अब सवाल यह है, जब अमेरिका की अदालत में सबूतों के साथ जासूसी की पुष्टि हो गई है, उसके बाद भी भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट चुप क्यों है? भारत सरकार को क्या यह स्वीकार नहीं करना चाहिए कि सरकार ने इसका उपयोग राष्ट्रीय हित के लिए किया है। वह कौन से राष्ट्रीय हित थे, यह भी सरकार को सुप्रीम कोर्ट में बताना चाहिए। सरकार ने सत्ता पर पकड़ मजबूत करने के लिए अपनी मशीनरी का इस्तेमाल विरोधियों, पत्रकारों, जजों और मंत्रियों तक की निगरानी के लिए किया है। यह स्पष्ट होना जरूरी हो गया है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला जैसे नेताओं ने आज सवाल पूछा है। यह सॉफ्टवेयर खरीदा किसने है? किस विभाग के बजट से खरीदा गया है? किस एजेंसी ने निगरानी के लिए इसका इस्तेमाल किया? क्या सरकार अब भी जानकारी देने से बचेगी? लोकतंत्र की पारदर्शिता इसी में है। जब सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तक की निगरानी पेगासस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए जाने के आरोप लग रहे हों तो ऐसी स्थिति में सरकार और संबंधित विभाग की जवाबदेही तय होना ही चाहिये। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश जिसमें लिखित नियम और कानून का अस्तित्व है यदि उस देश में जवाबदेही तय ना हो, तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की साख और अस्तित्व संकट में पड़ना तय है। भारत की संप्रभुता और नागरिकों के मौलिक और कानूनी अधिकारों को सत्ता में बैठे हुए लोगों की मनमानी और अपारदर्शी प्रक्रियाओं की भेंट चढ़ा दिया जाएगा। अमेरिका की कोर्ट में जब एनएसओ ने दस्तावेजों के साथ यह स्वीकार कर लिया है कि उसने 51 देशों में 1223 लोगों की जासूसी की है, जिसमें भारत भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट के पास सीलबंद रिपोर्ट मौजूद है। जो सुप्रीम कोर्ट ने अभी तक नहीं खोली है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमेटी को सरकार ने कोई जानकारी नहीं दी थी। इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है। वह इस मामले की पुनः सुनवाई शुरु करे। सील बंद लिफाफे को सार्वजनिक करे। सुप्रीम कोर्ट सभी पक्षों को सुनने के बाद इसमें अपना फैसला दे। इस जासूसी में सुप्रीम कोर्ट के भी जज शामिल किए गए थे। जिसके कारण यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने यदि इस मामले की सुनवाई जल्द शुरू नहीं की तो इसका असर न्यायपालिका की साख पर भी पडना तय है। सरकार को भी जनता को सच बताने के लिए अब सामने आना चाहिए। राष्ट्रीय हित को साधने के लिए यदि यह जासूसी कराई गई थी तो सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी होगी। वरना पेगासस का भूत भारत की लोकतांत्रिक आत्मा को लंबे समय तक डराता और धमकाता रहेगा। जिसके कारण भारत आंतरिक और वैश्विक मंच पर बहुत कमजोर होगा। अतः इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। सरकार आज भी यह कहती है, कि उसे सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिल चुकी है। इस मामले में कहीं ना कहीं न्यायपालिका पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगे हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जल्द से जल्द इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना जरूरी है।

प्रकृति एवं जीवन रक्षा के लिये नदियों का संरक्षण जरूरी

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। नदियों के सूखने और प्रदूषित होने के कारणों में मुख्य हैं, अत्यधिक पानी का दोहन, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन। नदियां जीवन का आधार है, लेकिन तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब 'मृत' होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। राष्ट्रीय स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर लोगों को जागरूक करना नितांत आवश्यक है। नदियां के अत्यधिक ख़तरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। ओडिशा में कई नदियां सूख रही हैं और प्रदूषित हो रही हैं, जिससे वहां के पर्यावरण और लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

महानदी बचाओ आंदोलन और ओडिशा नदी सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित ओडिशा नदी सुरक्षा सम्मेलन में राज्य की नदियों की बिगड़ती स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सरकार से एक समग्र नदी नीति बनाने एवं ओडिशा एवं अन्य प्रांतों की नदियों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की पुरजोर मांग उठी। पर्यावरणविद् राजेन्द्र सिंह ने कहा, "ओडिशा की कई नदियां मरने के कगार पर हैं। अगर नदियों का स्वास्थ्य नहीं सुधरा, तो मानव का स्वास्थ्य भी नहीं बचेगा।' बात केवल ओडिशा की ही नहीं है, बल्कि सभी प्रांतों में सिंचाई, औद्योगिक उपयोग और घरेलू जरूरतों के लिए नदियों से अत्यधिक पानी निकाला जा रहा है, जिससे नदियों में पानी की कमी हो गई है। औद्योगिक कचरा, सीवेज और कृषि अपवाह नदियों में प्रवाहित हो रहा है, जिससे पानी प्रदूषित हो रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है। नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताज़ा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। नदियां मरेंगी तो समाज मर जाएगा। नदियों पर खतरे के तीन बड़े कारण हैं और इन्हें पुनर्जीवन के लिए सरकारी एवं सामाजिक स्तर पर गंभीरता से प्रयास करने की जरूरत है। देश में जनसंख्या का दबाव बढ़ने के साथ ही जमीनों की कीमतें बढ़ीं, इसके साथ ही नदी किनारे भूमि पर अतिक्रमण, सिंचाई के लिए भूजल शोषण और नगरों के गंदों नालों से बढ़ता प्रदूषण नदियों के लिए गंभीर खतरा बन गए और छोटी बड़ी तमाम नदियां सूख रही है।

लैंगिक समानता की राह में भारत की गिरावटः एक चिंताजनक संकेत

> अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारे। महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में। निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ।

प्रियंका सौरभ

विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2024 में भारत को 148 देशों में 131वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। यह न केवल दो पायदान की गिरावट है, बल्कि भारत की विकास यात्रा में छुपी उस असमानता का पर्दाफाश भी करती है जिसे हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। जब पूरी दुनिया लैंगिक असमानता को घटाने में धीमी किंतु स्थिर प्रगति कर रही है, तब भारत का पिछड़ना केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि नीति, सोच और संस्थागत व्यवस्था की विफलता का प्रतिबिंब है। वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक (ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स), जिसे 2006 में शुरू किया गया था, चार प्रमुख क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं के बीच समानता को मापता है—आर्थिक भागीदारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और राजनीतिक सशक्तिकरण। भारत का कुल स्कोर 64.1% है, जो वैश्विक औसत 68.5% से काफी कम है। यही नहीं, दक्षिण एशिया में भी भारत बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका और भूटान जैसे पड़ोसी देशों से पीछे है।

आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में भारत ने मामूली सुधार किया है, लेकिन महिलाओं की श्रम भागीदारी दर अभी भी 45.9% पर अटकी हुई है। महिलाएँ मुख्यतः देखभाल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कम वेतन वाले क्षेत्रों में केंद्रित हैं। घरेलू और अवैतनिक श्रम, जो देश की असंगठित अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, अभी तक किसी राष्ट्रीय लेखांकन में शामिल नहीं किया गया है। महिलाओं को पुरुषों की तुलना में समान कार्य के लिए 20–30% कम वेतन प्राप्त होता है। यह आर्थिक असमानता केवल आँकड़ों की नहीं, सोच की समस्या है।

शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति तो हुई है, परंतु महिला साक्षरता दर अभी भी लगभग 70% है, जो वैश्विक औसत 87% से बहुत कम है। उच्च शिक्षा, विशेषकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम है। ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और निम्नवर्गीय परिवारों की लड़कियों को शिक्षा से वंचित करने वाली सामाजिक बाधाएँ—जैसे बाल विवाह, रुढ़िवादी सोच और विद्यालयों की दूरी—अब भी मौजूद हैं।

स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा के पैमाने पर भी भारत पिछड़ा हुआ है। जन्म के समय लिंग अनुपात अब भी 929 लड़कियाँ प्रति 1000 लड़कों के आसपास है। मातृत्व से जुड़ी समस्याएँ, कुपोषण, रक्ताल्पता (एनीमिया), और प्रसवकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। घर की चारदीवारी में महिलाओं की सेहत को प्राथमिकता न मिलना हमारी पारिवारिक व्यवस्था की कमजोरी है।

राजनीतिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भारत की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटकर 13.8% रह गया है और केंद्रीय मंत्रिमंडल में केवल 5.6% महिलाएँ हैं। यह तब और विडंबनापूर्ण हो जाता है जब हम जानते हैं कि महिला आरक्षण विधेयक 2023 पारित हो चुका है, परंतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र पुनःनिर्धारण की प्रक्रिया के विलंब के कारण उसका क्रियान्वयन अटका हुआ है। इससे स्पष्ट होता है कि केवल कानून पारित करना पर्याप्त नहीं, उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति भी आवश्यक है। भारत को अपने पड़ोसी देशों से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। बांग्लादेश जैसे देश ने सूक्ष्म वित्त, महिला शिक्षा प्रोत्साहन, और निरंतर राजनीतिक भागीदारी जैसे उपायों से सकारात्मक सुधार किए हैं। नेपाल में संविधान द्वारा स्थानीय निकायों में महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। चौंकाने वाली बात यह है कि कई निम्न आय वाले देशों ने धनी देशों की तुलना में लैंगिक समानता में अधिक तेजी से प्रगति की है, जो यह दर्शाता है कि बदलाव के लिए धन नहीं, दृढ़ नीयत चाहिए। लैंगिक समानता केवल एक सामाजिक उद्देश्य नहीं, भारत की आर्थिक प्रगति के लिए भी अनिवार्य है। मैकिंज़ी ग्लोबल संस्थान का अनुमान है कि यदि भारत कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाता है, तो 2025 तक अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 700 अरब डॉलर तक की वृद्धि कर सकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन में महिलाओं की भागीदारी से सामाजिक परिणाम भी अधिक न्यायसंगत और समावेशी होते हैं। भारत की जनसांख्यिकीय क्षमता तभी सार्थक होगी, जब उसमें महिलाओं की पूरी और समान भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

किन्तु चुनौतियाँ गहरी हैं। पितृसत्तात्मक सामाजिक मूल्य, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सुरक्षा की कमी, डिजिटल उपकरणों तक सीमित पहुँच और नीतियों के क्रियान्वयन में ढिलाई—ये सभी मिलकर लैंगिक असमानता को टिकाऊ बना रहे हैं।

अब समय आ गया है कि भारत केवल योजना बनाने तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें ज़मीन पर उतारे। महिला आरक्षण विधेयक को लागू करने हेतु जनगणना और निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। घरेलू और अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक लेखा-जोखा में शामिल कर उसे सम्मान और सामाजिक सुरक्षा दी जानी चाहिए। महिलाओं के लिए लचीले और सुरक्षित कार्यस्थलों की व्यवस्था की जाए, विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-नगरीय क्षेत्रों में। निजी क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए कंपनियों में महिला निदेशक की अनिवार्यता हो। विज्ञान, राजनीति और उद्यमिता में महिलाओं के लिए परामर्श (मेंटॉरशिप) कार्यक्रम चलाए जाएँ। डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए महिलाओं को सस्ते मोबाइल व इंटरनेट सेवाएँ उपलब्ध कराई जाएँ, और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को पंचायत स्तर तक पहुँचाया जाए। हर योजना और सर्वेक्षण में लैंगिक रूप से अलग आँकड़े संकलित करना अनिवार्य हो ताकि राज्य और जिले स्तर पर प्रगति की निगरानी की जा सके और नीति निर्माण अधिक लक्षित हो सके। भारत की लैंगिक समानता में यह गिरावट केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है—कि हमने विकास की दौड़ में आधी आबादी को पीछे छोड़ दिया है। यह भूल केवल सामाजिक न्याय की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय समृद्धि की भी कीमत वसूलती है। समानता की राह लंबी है, पर असंभव नहीं। नीति बन चुकी है, दिशा स्पष्ट है, अब आवश्यकता है राजनीतिक संकल्प, सामाजिक सहमति और संस्थागत क्रियान्वयन की। जब तक भारत अपनी आधी आबादी को बराबरी का स्थान नहीं देगा, तब तक विकसित राष्ट्र का सपना अधूरा रहेगा।

सिद्धपीठ तारापीठः देवी तारा और बामा खेपा की पूजा स्थली

> देवी तारा के आविर्भाव के संबंध में कालिका पुराण में वर्णित है कि शुंभ व निशुंभ दानवों से पराजय के बाद जब देवतागण हिमालय में जाकर देवी मातंगी का आह्वान करने लगे तो देवी के शरीर से महासरस्वती स्वरूप श्वेत वरणवाली कौशिकी के साथ काले वरणवाली काली अथवा उग्रतारा प्रकट् हुई थीं। देवी तारा नील वरण की चार भुजाओं वाली होती हैं जिसमें वे तलवार, खप्पर, कटार और नील कमल धारण करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वशिष्ठ मुनि ने तारा मंदिर के निकट द्वारिका नदी के तट पर स्थित श्मशान में तारा माँ की आराधना की थी जिसके कारण ये वशिष्ट आराधित तारा के नाम से भी जानी जाती हैं।

शिव शंकर सिंह पारिजात

प्रत्येक वर्ष शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा की तिथि से आरंभ होने वाले गुप्त नवरात्र के दिन से (इस वर्ष 26 जून से) पूरे देश में देवी दुर्गा की दस महाविद्याओं का पूजन-अनुष्ठान शुरू हो जाता है। देवी के दस महाविद्याओं में मां काली, मां षोडशी, मां भुवनेश्वरी, मां भैरवी, मां छिन्नमस्तिका, मां धूमावती, मां बगलामुखी, मां मातंगी तथा मां कमला के साथ मां तारा के नाम शामिल हैं जिनके मंत्रोच्चारों से गुप्त नवरात्र के नवों दिन गूंजायमान रहते हैं।

साल के बारहों महीने भक्त श्रद्धालुओं की आवाजाही से गुलजार तारापीठ में गुप्त नवरात्र के दिनों में देश के अन्य शक्तिपीठों की तरह खास चहल-पहल रहती है।

देवी के दस महाविद्याओं में मां तारा का विशेष महात्म्य है जिनका सिद्धपीठ पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिला के रामपुर हाट स्टेशन के निकट अवस्थित है। नील सरस्वती, एकजटा भवानी, तारा तारिणी आदि नामों से संबोधित मां तारा परम कल्याणी मानी जाती हैं। करुणामयी तारा मां की एक खास विशेषता यह है कि ये भक्त-वत्सल हैं तथा सबकी मनोकामनाएं पूरी करती हैं।तभी तो तारापीठ मंदिर परिसर में मां तारा के साथ उनके परम भक्त बामा खेपा की भी पूजा होती है। ऐसा उदाहरण विरले ही मिलेगा कि एक ही स्थान पर भगवान के साथ उनके भक्त की भी पूजा होती हो। कहते हैं कि तारा मां और उनके अनन्य भक्त बामा खेपा के बीच माता और पुत्र का संबंध था जिनकी कई रोचक कहानियां आपको तारापीठ में प्रवेश करने के साथ ही सुनने को मिलेंगी।

तारापीठ बंगाल के साथ पूर्वोत्तर भारत का एक प्रमुख शक्ति-स्थल है जो पटना-हावड़ा लूप रेल लाईन पर झारखंड-बंगाल की सीमा पर रामपुर हाट स्टेशन (बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल) से करीब 8 किमी दूर द्वारिका नदी के तट पर स्थित है। एक खास बात यह है कि बंगाल में शक्ति-पूजा की प्राचीन परम्परा है। यहां के घर-घर में देवी काली की पूजा होती है जिनके मंदिर यहां के हर गली-मुहल्लों में देखने को मिल जायेंगे। तारापीठ (बीरभूम) के अलावे कालीघाट (कोलकाता), कंकाली तल्ला व नलहट्टी (बीरभूम) और किरीतेश्वर (मुर्शिदाबाद), तामलुक (मेदिनीपुर), खीरग्राम व केतुग्राम (कटवा), वक्रेश्वर व फूल्लरा (बीरभूम) तथा रत्नाबली (हूगली) पश्चिम बंगाल के प्रमुख शक्ति-स्थल और शक्तिपीठ हैं। तारापीठ में आद्या देवी शक्ति की अवतार मां तारा विराजती हैं। इस स्थल की मान्यता एक जाग्रत शक्ति पीठ एवं तंत्रपीठ के रूप में है जहां आराधकों और साधकों की विनती शीघ्र सुनी जाती है। मां तारा सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य-आरोग्य व ज्ञान-साधना की देवी मानी जाती हैं। यही कारण है कि बिहार, बंगाल और झारखंड सहित देश के कोने-कोने से प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु तारा मां के दर्शन हेतु यहां आते हैं एवं भक्ति पूर्वक पूजन-अर्चन कर मनोवांछित फल पाते हैं।

शक्ति-पीठ तारापीठ के बारे में ऐसी मान्यता है कि यहां देवी की आंखों का तारा गिरा था जिसकी कथा दक्ष प्रजापति के यज्ञ और माता पार्वती के हवन-कुंड में दाह से जुड़ी है। जब पिता दक्ष द्वारा अपने पति शंकर की अवहेलना से व्यथित पार्वती ने हवन-कुंड में कूदकर आत्मदाह कर लिया और इससे उन्मत्त होकर शिव उनके शव को लेकर तीनों लोक में फिरने लगे तो भगवान विष्णु ने श्रृष्टि के नियमों के रक्षार्थ देवी के शव को सुदर्शन चक्र से काट डाले जिसके 51 टुकड़े होकर विभिन्न 51 स्थानों में गिरे जिनकी मान्यता 51 शक्तिपीठों में हुई। तारापीठ में देवी की आंखों के तारे गिरे थे, इस कारण इसकी प्रसिद्धि तारापीठ के नाम से हुई। ऐसे एक मान्यता यह भी है कि यह स्थल बिहार के महेशी में है।

देवी तारा के आविर्भाव के संबंध में कालिका पुराण में वर्णित है कि शुंभ व निशुंभ दानवों से पराजय के बाद जब देवतागण हिमालय में जाकर देवी मातंगी का आह्वान करने लगे तो देवी के शरीर से महासरस्वती स्वरूप श्वेत वरणवाली कौशिकी के साथ काले वरणवाली काली अथवा उग्रतारा प्रकट् हुई थीं। देवी तारा नील वरण की चार भुजाओं वाली होती हैं जिसमें वे तलवार, खप्पर, कटार और नील कमल धारण करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वशिष्ठ मुनि ने तारा मंदिर के निकट द्वारिका नदी के तट पर स्थित श्मशान में तारा माँ की आराधना की थी जिसके कारण ये वशिष्ट आराधित तारा के नाम से भी जानी जाती हैं। डेविड आर. किंसले कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से प्रकाशित अपनी पुस्तक तांत्रिक विज़न ऑफ द डिवाइन फेमिनिनःद टेन महाविद्यास में बताते हैं कि स्थानीय परम्परा के अनुसार मुनि वशिष्ठ ने इस स्थान को इस कारण अपनी साधना के लिये चुना क्योंकि इसकी प्रसिद्धि सिद्ध पीठ के रूप में थी। वशिष्ट मुनि ने यहां कठोर तपस्या करते हुए 3 लाख तारा मंत्रों के जाप किये थे जिससे प्रसन्न होकर देवी तारा उनके समक्ष पकट् हुई। वशिष्ठ के अनुरोध पर देवी ने उन्हें भगवान शिव को दुग्ध-पान कराते हुए मातृ स्वरुप में दर्शन दिये जिसके उपरांत वे शिलामूर्ति में परिवर्तित हो गईं। बाद में द्वारिका नदी के तट पर स्थित श्मशान, जहां वशिष्ट मुनि ने तपस्या की थी, से प्राप्त तारा माँ की इस शिलामयी प्रस्तर मूर्ति को मुख्य तारा मंदिर में लाकर प्रतिष्ठित किया गया है जिसके उपर देवी की चांदी की मुखाकृति आवेष्ठित कर दी गई है जिसका दर्शन-पूजन श्रद्धालुगण करते हैं। प्रतिदिन देर रात्रि में भक्तों को देवी तारा के शिलारुप का दर्शन कराया जाता है। मुख्य तारा मंदिर के निकट स्थित श्मशान में, जहां वशिष्ट मुनि ने तपस्या की थी, परिसर में वशिष्ठ मंदिर तथा पंचमुंडी मंदिर निर्मित है जहां साधना करते साधकों को देखा जा सकता है। हिंदू धर्मावलंबियों की तरह बौद्ध धर्म में भी देवी तारा का अत्यंत महात्यम है। बौद्ध धर्म में भी ये शाक्त देवी के रूप में पूजी जाती हैं। बौद्ध धर्म की तिब्बती मान्यताओं में आर्यतारा महायान में नारी बोधिसत्व और वज्रयान में नारी बुद्ध के रूप में पूजा की जाती है जो मुक्ति व सफलता प्रदान करती हैं। मां तारा के महात्म्य की चर्चा उनके अनन्य भक्त बामाखेपा अर्थात बामदेव का उल्लेख किये बिना अधूरी है। मां की भक्ति में सुध-बुध खोकर सदैव लीन रहनेवाले बामदेव ऐसे रम गये कि लोग उनको खेपा अर्थात् पागल कहकर पुकारने लगे। आज उनकी प्रसिद्धि बामा खेपा के नाम से है। बामा खेपा का जन्म तारापीठ से 8 कि.मी. की दूरी पर आटला नामक ग्राम में हुआ था। कहते हैं उन्हें मा का दर्शन प्राप्त हुआ था। तारापीठ में मा तारा के मंदिर परिसर में ही बामदेव का भी मंदिर है। ऐसा विरले होता है कि एक ही स्थान पर भक्त के साथ उनके भगवान की भी पूजा होती हो।

भारतीय विज़न 2047 में विकास के साथ संस्कृति और विरासत पर ज़ोर

किशन सनमुखदास भावनानी

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में हर देश अपने आर्थिक विकास को गति देने में लगा है। भारत ने भी वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तय किया है। इसी कड़ी में 23 जुलाई 2024 को प्रस्तुत पूर्ण बजट में न केवल आर्थिक विकास पर बल दिया गया, बल्कि संस्कृति और विरासत के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। यह एक स्वागतयोग्य कदम है क्योंकि किसी भी देश की असली पहचान उसकी सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं में ही निहित होती है।

वित्तमंत्री द्वारा संस्कृति क्षेत्र के लिए कुल 326.93 करोड़, पुरातत्व के लिए 1273.91 करोड़, पुस्तकालय एवं अभिलेखागार हेतु 188.21 करोड़, संग्रहालयों के लिए 123.72 करोड़ और पर्यटन क्षेत्र के लिए 2479.62 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया। इसके अतिरिक्त भारत में पहली बार 21-31 जुलाई 2024 तक विश्व धरोहर समिति का 16वां सत्र आयोजित हो रहा है जिसमें 150 देशों के 2000 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह वैश्विक स्तर पर भारत की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करेगा। हालांकि आर्थिक प्रगति आवश्यक है, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में संस्कृति, परंपरा, धरोहर और पांडुलिपियों का संरक्षण उतना ही जरूरी है। इसके लिए सरकार द्वारा मेरा गांव मेरी धरोहर, राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन और राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनका उद्देश्य युवाओं में जागरूकता फैलाना और भारत की प्राचीन विरासत को संरक्षित रखना है। मेरा गांव मेरी धरोहर योजना के तहत सरकार राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत सांस्कृतिक संस्थाओं को वित्तीय सहायता देती है, जो कला और संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। साथ ही सांस्कृतिक समारोह, नाटक, नृत्य, संगीत इत्यादि के आयोजन के लिए भी एनजीओ, विश्वविद्यालयों को सहायता मिलती है। हिमालयी राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने, बौद्ध-तिब्बती परंपरा को सहेजने तथा सांस्कृतिक ढांचे के निर्माण के लिए भी विशेष योजनाएं हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत संरक्षण योजना का उद्देश्य लोककलाओं, परंपराओं और प्रदर्शन कलाओं को पुनर्जीवित करना है। इसके तहत देश भर में कलाकारों और संगठनों को अनुदान दिया जाता है। युवाओं को भी प्रोत्साहित करने के लिए 18 से 25 वर्ष तक के कलाकारों को छात्रवृत्ति दी जाती है।

इसके साथ ही संस्कृति मंत्रालय द्वारा 7 क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ZCCs) स्थापित किए गए हैं जो पूरे वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इन गतिविधियों में युवा कलाकारों को भाग लेने का अवसर मिलता है।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के तहत पूरे भारत में 100 से अधिक केंद्रों के माध्यम से पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण, डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जा रहा है। वहीं राष्ट्रीय संस्कृति कोष के जरिए पब्लिक-प्राइवेट भागीदारी के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन जुटाए जा रहे हैं। भारत में इस समय 3697 स्मारक राष्ट्रीय महत्व के अंतर्गत संरक्षित हैं, जिनका संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है।

आंवला और शहद का एक साथ सेवन कई शारीरिक समस्याओं से बचाव करता है

आंवला और शहद का इस्तेमाल सदियों से घरेलू उपचार के तौर पर किया जा रहा है। इस बात से सभी अच्छे से वाकिफ होंगे कि ये दोनों सामग्रियां स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं। आंवला और शहद दोनों में अलग-अलग औषधीय गुण होते हैं, लेकिन इन दोनों का सेवन अगर साथ में किया जाए, तो असर दोगुना हो सकता है, जिससे कई शारीरिक समस्याओं से बचाव और उनके जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

आंवला और शहद के फायदे

आंवला और शहद दोनों ही सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं, लेकिन दोनों को मेडिकल ट्रीटमेंट नहीं माना जा सकता है। इनका सेवन समस्या से बचाव और उनके प्रभाव को कुछ हद तक कम करने में लाभकारी हो सकता है। वहीं, कोई अगर गंभीर रूप से बीमार है, तो डॉक्टरी इलाज जरूरी है।

1. पाचन में मददगार

शहद में कई ऐसे गुण होते हैं जो पाचन तंत्र को ठीक रखने में मदद कर सकते हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद में भी पाचन संबंधित परेशानियों के लिए इसे वरदान समान बताया है। वहीं, आंवले में फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रख सकता है। इसके अलावा, नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने से पाचन क्रिया मजबूत हो सकती है। यह हाइपरएसिडिटी व अन्य कई पाचन संबंधित परेशानी से निजात दिलाने में मददगार साबित हो सकता है। इस आधार पर यह माना जा सकता है कि आंवला और शहद का सेवन पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद कर सकता है।

2. डायबिटीज के लिए आंवला रस और शहद के फायदे

एनसीबीआई (नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन) पर उपलब्ध एक शोध के अनुसार, आंवला में एंटी-डायबिटिक प्रभाव होते हैं, जो बढ़े हुए ब्लड शुगर की समस्या को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। इसी तरह मधुमेह में शहद के भी कुछ फायदे देखे जा सकते हैं। दरअसल, एक शोध के मुताबिक शहद का उपयोग डायबिटीज के मरीजों के वजन को ब्लड लिपिड को कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि, शोध में मधुमेह के मरीजों में इसके उपयोग को लेकर सावधानी बरतने की भी सलाह दी गई है।

3. सर्दी-खांसी में लाभदायक

आंवला और शहद का सेवन सर्दी-खांसी में भी फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, आंवला में मौजूद विटामिन-सी सर्दी से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, एक शोध में बताया गया है कि आंवला पाउडर को शहद के साथ लेने से सूखी खांसी में राहत मिल सकती है। वहीं, एक शोध में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बच्चों में खांसी और कोल्ड के लिए शहद को लाभकारी बताया है। इस तरह कहा जा सकता है कि आंवला और शहद का इस्तेमाल सर्दी-खांसी पर असरदार हो सकता है।

4. इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायक

इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर शरीर कई रोगों की चपेट में आ सकता है। ऐसे में आंवला का इस्तेमाल रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकता है। एक शोध में इस बात का जिक्र मिलता है कि आंवला व्हाइट ब्लड सेल्स (इम्यून सिस्टम का एक अहम भाग) को बढ़ा सकता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। वहीं, शहद भी इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकता है। एनसीबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध एक रिसर्च पेपर के अनुसार, शहद का सेवन शरीर में एंटीबॉडी के उत्पादन को बढ़ाने में मदद कर सकता है। बता दें कि एंटीबॉडी एक प्रोटीन है जिसे इम्यून सिस्टम रिलीज करता है। वहीं, एंटीबॉडी शरीर को एंटीजन यानी बैक्टीरिया, वायरस, फंगस व परजीवियों से बचाने का काम करता है।

आंवला और शहद का उपयोग

- आंवला और शहद का उपयोग किस तरह से किया जा सकता है, यह आप निम्न बिंदुओं के जरिए आसानी से समझ सकते हैं।
- सूखी खांसी से राहत के लिए आंवला पाउडर में शहद मिलाकर सेवन करने से फायदा हो सकता है।
- आंखों को स्वस्थ रखने के लिए आंवले के जूस में शहद मिलाकर ले सकते हैं।
- बाहरी इस्तेमाल की बात करें, तो आंवला पाउडर में शहद मिलाकर बालों में लगाया जा सकता है।
- आंवले के पल्प में शहद मिलाकर सेवन कर सकते हैं।
- शहद में आंवले को भिगोकर मुरब्बा तैयार कर सकते हैं।
- दही के साथ आंवला और शहद का उपयोग फेस मास्क बनाने के लिए किया जा सकता है।

5. पीलिया में मददगार

एनसीबीआई की वेबसाइट पर उपलब्ध एक शोध में इस बात का जिक्र मिलता है कि शहद का उपयोग पीलिया के हानिकारक प्रभावों को रोकने में प्रभावी साबित हो सकता है। वहीं, एक शोध में आंवले से बने टॉनिक का उपयोग पीलिया की बीमारी में लाभकारी बताया गया है। इसलिए, हम कह सकते हैं कि आंवला और शहद का सेवन पीलिया में फायदेमंद हो सकता है।

6. अस्थमा में आंवला और शहद के लाभ

शहद दमा यानी अस्थमा में भी कारगर हो सकता है। एनसीबीआई पर उपलब्ध एक रिसर्च के मुताबिक, शहद का सेवन और इससे सूंघने से अस्थमा में कुछ हद आराम मिल सकता है। वहीं, शहद में मौजूद एंटीइंफ्लेमेट्री गुण सांस नली में सूजन को कम कर सकते हैं। वहीं, आंवले में मौजूद एंटी इन्फ्लामेट्री गुण अस्थमा की गंभीरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च के अनुसार, आंवले के जूस के साथ शहद को लेने से अस्थमा के लक्षण जैसे सांस लेने में दिक्कत को कम करने में मदद मिल सकती है।

7. त्वचा के लिए आंवला रस और शहद के लाभ

आंवला को आयुर्वेद में त्वचा के लिए फायदेमंद माना गया है। एक अध्ययन के मुताबिक आंवले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान को बचा सकता है। वहीं, इसका इस्तेमाल सनस्क्रीन व एंटी एजिंग प्रोडक्ट्स में भी किया जाता है एक अन्य शोध के अनुसार, आंवला में स्किन व्हाइटनिंग एजेंट भी होते हैं, जो त्वचा की रंगत में सुधार कर सकते हैं। जहां तक शहद का सवाल है, तो शहद त्वचा को कुदरती रूप से मॉइस्चराइज कर सकता है। शहद में एंटी माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं, जो त्वचा को बैक्टीरियल संक्रमण से सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। इसमें एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक गुण भी होते हैं, जो त्वचा को सूजन से राहत दिलाने के साथ संक्रमण को बढ़ने से रोकने में मददगार हो सकते हैं। इन तथ्यों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि त्वचा के लिए आंवला और शहद उपयोगी हो सकते हैं।

8. बालों के लिए आंवला रस और शहद के फायदे

आंवला और शहद का इस्तेमाल बालों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। एक शोध के अनुसार, आंवले का नियमित रूप से इस्तेमाल बालों की ग्रोथ में सहायक हो सकता है। एक अन्य शोध में भी कहा गया है कि आंवला युक्त शैम्पू और तेल स्कैल्प और बालों को पोषण देने के साथ बालों को समय से पहले सफेद होने से बचा सकते हैं। बात करें शहद की, तो यह सेबोरहाइक डर्मेटाइटिस (स्किन एलर्जी, जो स्कैल्प पर पपड़ी जमने और लाल त्वचा का कारण बनती है) और डैंड्रफ की रोकथाम में उपयोगी साबित हो सकता है। इसके अलावा, शहद का इस्तेमाल बालों के झड़ने की समस्या में भी लाभकारी हो सकता है। इसलिए, यह माना जा सकता है कि बालों के लिए आंवला रस और शहद के फायदे कई हैं।

आंवला और शहद के नुकसान

जिस तरह आंवला रस और शहद के फायदे कई हैं, वैसे ही इसके कई नुकसान भी हैं। ये नुकसान कुछ विशेष स्वास्थ्य स्थितियों या अधिक मात्रा में लेने से हो सकते हैं। नीचे दिए गए बिंदुओं के जरिए जानिए आंवला और शहद के नुकसान।

आंवला के नुकसान

- आंवले में ब्लड प्रेशर कम करने के गुण पाए जाते हैं। ऐसे में जिन लोगों को लो ब्लड प्रेशर की समस्या है, उन्हें आंवले का सेवन डॉक्टरी परामर्श पर करना चाहिए, क्योंकि इससे उनका ब्लड प्रेशर और कम हो सकता है।
- लो ब्लड शुगर से ग्रसित लोगों को डॉक्टर की सलाह पर ही आंवले का सेवन करना चाहिए, क्योंकि इसमें एंटीडायबिटिक (ब्लड शुगर को कम करने वाला) गुण पाया जाता है, जो लो ब्लड शुगर के मरीजों में रक्त शर्करा को और भी कम कर सकता है।
- आंवला विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है। वहीं, आंवले का अधिक मात्रा में सेवन विटामिन-सी की अधिकता का कारण बन सकता है। इससे किडनी स्टोन का जोखिम बढ़ सकता है।
- प्रेगनेंसी में आंवला खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

शहद के नुकसान

- शहद के कारण एनाफिलेक्सिस हो सकता है। यह एक प्रकार का एलर्जिक रिएक्शन है। इससे त्वचा का लाल होना, सांस लेने में दिक्कत, पित्ती, छाती में दर्द व जकड़न जैसी समस्या हो सकती है।
- शहद में फ्रुक्टोज अधिक मात्रा में होता है। वहीं, शरीर में इसका अवशोषण ठीक तरीके से न होने की वजह से दस्त की समस्या हो सकती है।
- शहद के अधिक सेवन से बोटुलिनम पॉइजनिंग (क्लोस्ट्रीडियम बोटुलिनम बैक्टीरिया के कारण) हो सकती है। इससे धुंधला दिखाई देना, निगलने में दिक्कत व मांसपेशियों में कमजोरी जैसी परेशानियां हो सकती हैं।
- जिन लोगों को लो ब्लड शुगर की समस्या रहती है, उन्हें डॉक्टर की सलाह के बाद ही शहद का सेवन करना चाहिए, क्योंकि फ्रुक्टोज की मौजूदगी के कारण अधिक शहद के सेवन से ब्लड शुगर लेवल अस्थिर हो सकता है।

वेब शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में लौटने वाले हैं दग्गुबाती

अपने लोकप्रिय वेब शो 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में तेलुगु सुपरस्टार राणा दग्गुबाती लौटने वाले हैं। वेब शो को लेकर राणा का कहना है कि वे शो का दूसरा सीजन पहले से कहीं ज्यादा गहरा, जटिल और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण होगा। राणा ने खुलासा किया कि 'राणा नायडू' का किरदार उनके लिए न केवल मानसिक रूप से थकाने वाला है, बल्कि इस किरदार ने उन्हें भारतीय पुरुषों की चुप्पी और अंदरूनी संघर्षों की झलक भी दी है। जब राणा से पूछा गया कि उन्हें इस किरदार में सबसे दिलचस्प क्या लगा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "राणा नायडू और मस्ती, ये दो शब्द एक साथ नहीं चल सकते। यह किरदार बहुत गंभीर है। वह अपने जीवन की गहरी तकलीफों और मानसिक उलझनों से जूझ रहा है, लेकिन कभी खुलकर किसी से बात नहीं करता। मुझे लगता है, हमारे समाज में खासकर पुरुषों में यह बहुत आम बात है वे अपनी भावनाओं को दबा देते हैं, विशेषकर वे लोग जिन पर परिवार की जिम्मेदारियां होती हैं।"

राणा का मानना है कि इस शो के माध्यम से एक ऐसे परिवार की झलक दिखाई गई है, जिसमें हर सदस्य किसी न किसी पुराने जख्म को अपने भीतर छिपाए हुए है। चाहे पिता-पुत्र के बीच का संघर्ष हो, पति-पत्नी की अनबन हो या भाई-बहनों के मतभेद हर रिश्ता किसी न किसी अनसुलझी पीड़ा से ग्रसित है। उन्होंने कहा, "हर कोई अपनी-अपनी तरह से इन दर्दों से उबरने की कोशिश कर रहा है, लेकिन यह आसान नहीं है।" शो के दूसरे सीजन के बारे में बताते हुए राणा ने खुलासा किया कि अब कहानी में एक और परिवार, ओबेरॉय, की एंट्री हो चुकी है।

"पहले सीजन में नायडू परिवार की टूट-फूट देखने को मिली थी, लेकिन इस बार ओबेरॉय परिवार की मुश्किलें भी सामने आएंगी। अगर आपको लगा था कि नायडू परिवार बुरा था, तो ओबेरॉय उससे भी एक कदम आगे निकलेंगे," उन्होंने हँसते हुए कहा। उन्होंने आगे बताया कि इस सीजन में अमीरी की चमक के पीछे छिपे दर्द और विरासत जैसे तनावपूर्ण मुद्दों को भी दिखाया जाएगा। शो का एक अहम किरदार नागा इन दोनों परिवारों के बीच की दरारों को और गहरा करता है, जिससे कहानी और भी दिलचस्प मोड़ लेती है।

काम से मिलती है खुशी: बिग बी

हाल ही में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में एक दिलचस्प अनुभव साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने महज दो घंटे में पांच विज्ञापनों और दो फोटोशूट्स की शूटिंग पूरी कर ली। इस रफ्तार को देखकर निर्देशक भी हैरान रह गए और मजाक में बोले, "आप तो काम करने का तरीका ही बिगाड़ रहे हैं।" अमिताभ ने अपने ब्लॉग में लिखा, "काम कर रहा हूं... और इससे जो खुशी मिलती है, वो गजब की है... करीब दो घंटे में 5 फिल्में और 2 फोटोशूट किए... बेशक ये सब एक विज्ञापन है... लेकिन फिर भी यह बड़ी बात है।" उन्होंने यह भी बताया कि सेट पर मौजूद क्रू और निर्देशक उनसे मजाक में कहते हैं कि वह बाकी कलाकारों के लिए काम मुश्किल बना रहे हैं क्योंकि अब क्लाइंट्स को लगेगा कि कम समय में ज्यादा काम करवाया जा सकता है। बिग बी ने बताया कि वह यह तेजी अपनी सहूलियत के लिए नहीं, बल्कि मजदूरों और अन्य वर्कर्स की भलाई के लिए अपनाते हैं। उन्होंने लिखा, "काम की तेजी प्रोड्यूसर और पूरी टीम के लिए फायदेमंद है। मैं यह सब अपनी सुविधा के लिए नहीं, बल्कि वहां काम कर रहे मजदूरों के लिए करता हूं। उनका समय बचे, यही मेरा मकसद है।"

बच्चन ने यह भी कहा कि लोग उनसे अक्सर पूछते हैं कि उन्होंने इंडस्ट्री में क्या बदलाव देखे हैं, लेकिन वह इस बारे में खुलकर कुछ नहीं कहेंगे क्योंकि आज की मीडिया चीजों को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। उन्होंने लिखा, "आजकल जो भी बात कही जाती है, उसका मतलब बदल दिया जाता है, ताकि कोई मजेदार या चौंकाने वाली हेडलाइन बनाई जा सके।" अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने आखिर में यह भी लिखा, "काम करना बहुत सुखद और संतोष देने वाला है।" बता दें कि सदी के महानायक अमिताभ बच्चन आज भी अपने काम के प्रति उतने ही समर्पित हैं, जितने वह अपने करियर के शुरुआती दौर में थे।

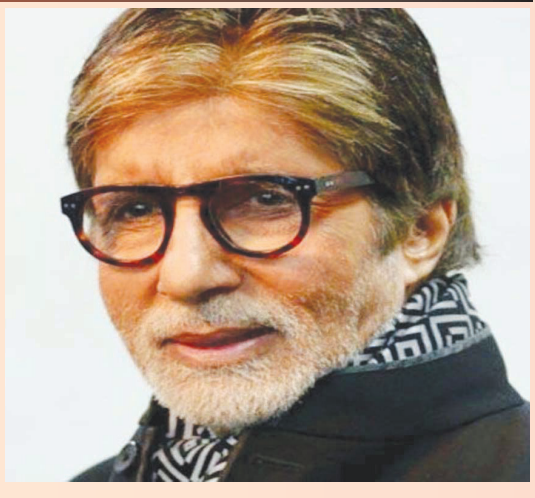

'परम सुंदरी' फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ी

अगले महीने बालीवुड की दो फिल्मों 'सन ऑफ सरदार 2' और 'परम सुंदरी' में टक्कर हो सकती है। अभिनेता अजय देवगन की एक ओर 'सन ऑफ सरदार 2' है, तो दूसरी ओर जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'परम सुंदरी'। दोनों ही फिल्में 25 जुलाई को थिएटर में रिलीज होने जा रही हैं। लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स की मानें तो परम सुंदरी के मेकर्स इस क्लैश से बचने की तैयारी में हैं और फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'परम सुंदरी' के निर्माता दिनेश विजान को लगता है कि अजय देवगन की स्टार पावर और 'सन ऑफ सरदार' जैसी लोकप्रिय फ्रेंचाइज़ी के चलते उनकी फिल्म का असर बॉक्स ऑफिस पर कमजोर पड़ सकता है। ऐसे में वे नहीं चाहते कि फिल्म भीड़ में खो जाए या कमाई पर नकारात्मक असर पड़े। खासकर तब जब जुलाई में पहले से ही कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्में कतार में हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 'परम सुंदरी' को अगस्त में रिलीज करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि अगस्त में भी 'वॉर 2' और 'धड़क 2' जैसी बड़ी फिल्मों की रिलीज तय है, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी चुनौती पेश कर सकती हैं। ऐसे में मेकर्स को सही तारीख चुनने में मुश्किल हो रही है।

फिलहाल फिल्म की नई रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। 'परम सुंदरी' की पहली झलक दर्शकों के सामने आ चुकी है, जिसमें जाह्नवी और सिद्धार्थ साउथ इंडियन लुक में नजर आ रहे हैं।

विज ने गुस्से में डांटते हुए कहा, जो भी दोषी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा

अंबाला (ईएमएस)। हरियाणा की नायाब सरकार में मंत्री अनिल विज ने अंबाला कैंट के सरकारी अस्पताल में खामियां देखकर नाराजगी जाहिर की है। अंबाला कैंट विधायक अनिल विज, सरकार में परिवहन मंत्री हैं। गुरुवार को वे अस्पताल की जांच पड़ताल के लिए पहुंचे थे, जहां उन्हें कुछ खामियां दिखीं। दरअसल इसके पहले हरियाणा सरकार के दो कार्यकालों में विज स्वास्थ्य मंत्री रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अंबाला कैंट के सरकारी अस्पताल को कई मशीनें दी थीं, जो अब तक इस्तेमाल में भी नहीं लाई गई हैं। यह देखकर विज भड़क गए। उन्होंने प्रबंधन से कहा कि आप लोगों ने अस्पताल को बर्बाद कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, विज ने हॉस्टिपल प्रंबधन से सवाल किए कि एक्स-रे मशीन में रील ही नहीं है, वहां कौन लेकर आएगा? यहां के एसी भी काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें ठीक कराने की जिम्मेदारी किसकी है? उन्होंने कहा कि वह मामले में जांच करवाएंगे और जो भी दोषी होगा, उस बख्शा नहीं जाएगा। अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर और स्टाफ को फटकार लगाते हुए मंत्री ने तत्काल रूप से पूरे अस्पताल में सब कुछ ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, मैं किसी को नहीं छोड़ूंगा, यह क्या तरीका है? मैंने इस अस्पताल के सुधार के लिए अपनी जिंदगी लगा दी। इसके बाद विज ने बताया कि उन्होंने मामले में हरियाणा के अपर मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) से खामियों को लेकर चर्चा की है। विज बीजेपी के फायरब्रांड नेता और सात बार के विधायक हैं। वे अक्सर खामियों को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों को डांटने और चीजों में सुधार लाने के लिए जाने जाते हैं।

गुजरात में 'हर घर नल से जल' योजना में बड़ा घोटाला, 12 कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में मनरेगा घोटाले के बाद अब 'हर घर नल से जल' योजना में बड़ा घोटाला सामने आया है। महिसागर जिले के 620 गांवों में इस योजना के तहत हुए कार्यों में 123 करोड़ के दुरुपयोग की शिकायत आने के बाद गुजरात सरकार ने 12 कर्मचारियों के खिलाफ सीआईडी क्राइम शाखा वडोदरा में शिकायत दर्ज कराई है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जाती है, इसके तहत गांव-गांव पानी की पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक नल से जल पहुंचाया जाना था। योजना का मकसद गांव के हर घर तक पाइपलाइन के माध्यम से पीने का पानी पहुंचे। महिसागर जिले के 714 गांवों में से 620 गांवों में योजना को लागू किया गया था, इसमें करीब 238 करोड़ की राशि खर्च की गई। लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि इन गांवों में न पाइपलाइन बिछाई गई, न ही नल कनेक्शन मिले और न ही एक बूंद पानी किसी घर तक पहुंचा। इसके बावजूद सरकारी दस्तावेजों में यह दिखाया गया कि कार्य पूर्ण हो चुका है। इस मामले में तत्कालीन यूनिट मैनेजर ए.जी. राजपरा और 11 आउटसोर्स कर्मचारियों पर आरोप लगा है। जिला वास्मो यूनिट के वर्तमान मैनेजर गिरीश अंगोला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर बताया कि इन 620 गांवों में एजेंसियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जी बिल, झूठे कार्य विवरण और नकली कागजात तैयार किए गए। इन दस्तावेजों के आधार पर दिखाया गया कि संबंधित गांवों में नल कनेक्शन, पाइपलाइन और अन्य सहायक कार्य पूरे कर दिए गए, जबकि ऐसा कुछ भी जमीन पर नहीं हुआ।

मीम्स और रील्स को लेकर मौलाना गोरा ने मुसलमान युवक-युवतियों को क्या दी सलाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस्लामी विद्वान और जमीयत दावातुल मुस्लिमीन के संरक्षक मौलाना कारी इसहाक गोरा ने मुसलमानों को सोशल मीडिया पर दीन और इस्लामी पहचान का मजाक उड़ाने से सख्ती से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मजाक में भी अगर कोई इस्लामी तालीमात, कुरान, हदीस, नमाज, हिजाब या दाढ़ी जैसी चीजों का अपमान करता है, वह इस्लाम से बाहर हो सकता है। मौलाना गोरा ने आज सोशल मीडिया पर मीम्स और रील्स के द्वारा इस्लाम और उसकी पवित्र चीजों को हंसी का साधन बनाया है। उन्होंने कहा, नमाज, अजान, रोजा, हिजाब, उलमा और यहां तक निकाह और तलाक जैसे शरियत के गंभीर मसलों पर कॉमेडी वीडियो बन रहे है। गोरा ने अफसोस जताया कि कई मुस्लिम युवक युवतियां बिना सोचे समझे इसतरह के वीडियो को लाइक शेयर या कमेंट करके उसका प्रचार करते हैं। मौलाना ने कहा कि शरीयत के अनुसार इस तरह की मजाकिया बातों को देखना हंसना या दूसरों को दिखाना भी बड़ा गुनाह है। गोरा ने अपील कर कहा अगर कोई नादानी में ऐसा कुछ कर भी चुका है, तब फौरन तौबा करे। इस्लाम मजाक का विषय नहीं है बल्कि यह एक बड़ी अमानत है। इससे पहले भी कई इस्लामी विद्वान सोशल मीडिया पर इसतरह के ट्रेंड्स पर चिंता जता चुके हैं। दारुल उलूम देवबंद सहित कई प्रमुख संस्थानों ने इस बारे में फतवे भी जारी किए हैं। अब मौलाना गोरा का बयान मुद्दे पर चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है।

चुनाव आयोग की स्ट्राइक....345 राजनीतिक दलों की मान्यता पर संकट

नई दिल्ली,(ईएमएस) भारत के निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों की मान्यता समाप्त कर उन्हें सूची से बाहर करने की तैयारी है। जिन दलों की मान्यता समाप्त करने की तैयारी है। उन्होंने पिछले 6 वर्षों से कभी भी अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किये। जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की है। 2022 में केंद्रीय चुनाव आयोग ने 196 दलों का पंजीयन निरस्त किया था। 345 और राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने के बाद, केंद्रीय निर्वाचन आयोग की सूची में 2482 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल पंजीकृत हैं। जिन राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं। पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर में छूट देने का प्रावधान है। टैक्स छूट का लाभ उठाकर कई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध को अंजाम देते हैं। जांच में इसतरह के कई मामलों का खुलासा हुआ है। देश में राष्ट्रीय /राज्य /गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के तहत होता है। इस प्रावधान के तहत एक बार पंजीकृत हो जाने पर राजनीतिक दल को कर में छूट सहित अन्य कई सुविधाएं प्राप्त होती हैं।

भगवान ने बच्चा नहीं दिया, तो 8000 बच्चे पौधों के रूप में पैदा किये

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक के हासन जिले की 113 साल की महिला ने 8000 पौधारोपण कर उनका पालन पोषण करके एक तरह से भगवान के सामने एक नया उदाहरण रख दिया। दंपति को कोई बच्चा नहीं हुआ था। आसपास के लोग हमेशा उसे टोंकते थे। इससे व्यथित होकर दंपति ने पौधारोपण कर उनकी देखरेख करके पौधों को बच्चों के रूप मे देखना शुरू कर दिया। 1991 में, 113 साल की सालू मरादा के पति की मौत हो गई थी। उसके बाद भी वह पौधे लगाने का काम करती रही। अभी तक 8000 से ज्यादा पौधे लगा चुकी हैं। उनके इस जनून को देखते हुए एक फिल्मकार ने बायोपिक बनाने के लिए उनसे संपर्क किया। इस पर उन्होंने सहमति नहीं दी। वह अपने 8000 बच्चों को देखकर प्रसन्न होती हैं।

अहमदाबाद जगन्नाथ रथयात्रा में हाथी बेकाबू... :डीजे और सीटी की आवाज से भड़का, संकरी गली में भागा; वन विभाग ने काबू किया

अहमदाबादः अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शुक्रवार सुबह 10 बजे एक हाथी बेकाबू हो गया और 100 मीटर तक भागा। इसके बाद रथ यात्रा में भगदड़ सी मच गई। लोग इधर-उधर भागते दिखे। बेकाबू हुआ हाथी 17 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा था। जानकारी के मुताबिक, हाथी डीजे और सीटी की आवाज से बेकाबू हुआ था। हाथी को वन विभाग के अमले ने दो मादा हाथियों की मदद से काबू में किया। इसके बाद उसे और दोनों मादा हाथियों को जुलूस से हटा दिया गया। बाकी यात्रा में 14 हाथी शामिल हुए।

डीजे-सीटी की तेज आवाज के चलते बेकाबू हुआ

शुक्रवार सुबह रथ यात्रा निकल रही थी। खाड़िया क्षेत्र के पास जैसे ही रथ पहुंचा, सबसे आगे चल रहा नर हाथी अचानक उत्तेजित हो गया। तेज आवाज में बज रहे डीजे और सीटी की आवाजों से वह घबरा गया। वह तेजी से दौड़ते हुए पास की पोल गली की ओर 100 मीटर भागा, रास्ते में बैरिकेड्स तोड़ दिए और कई लोगों को गिरा दिया। हालांकि, किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

मादा हाथियों की मदद से काबू में किया

वन विभाग के अधिकारी आर.के. साहू ने बताया कि हाथी को काबू करने के लिए दो मादा हाथियों की मदद ली गई। मादा हाथियों की उपस्थिति से नर हाथी शांत हुआ और उसे खाड़िया के पास एक सुरक्षित स्थान पर बांध दिया गया। फिलहाल वह शांत और निगरानी में है। अधिकारी ने बताया कि "हाथी को हाथी ही काबू कर सकता है, इसीलिए मादा हाथियों को बुलाया गया।"

रथ यात्रा में शामिल हाथियों की मेडिकल जांच होती है

रथ यात्रा में सजाए गए हाथी हमेशा एक खास आकर्षण का केंद्र रहे हैं। इस साल रथ यात्रा में शामिल सभी हाथियों की शारीरिक और मानसिक सेहत की पूरी जिम्मेदारी अहमदाबाद जिले के पशुपालन विभाग द्वारा निभाई गई।

23 जून से हाथियों के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी

अहमदाबाद जिले के उप पशुपालन निदेशक सुकेतु उपाध्याय ने बताया कि 23 जून से हाथियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही थी। सभी हाथियों का हेल्थ चेकअप किया गया और उन्हें स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (हेल्थ सर्टिफिकेट) भी जारी किए गए। वेटरनरी टीम यह भी तय करती है कि हाथियों को मक्खी या अन्य कीड़े परेशान न करें। यदि कोई बीमारी हो तो उसका समय पर इलाज किया जाता है, ताकि हाथियों की सेहत बनी रहे।

डार्ट गन से किया जाता है नियंत्रण

उपाध्याय ने यह भी बताया कि रथ यात्रा के दौरान लगातार तीन दिन तक हाथियों की सेहत पर नजर रखी जाती है। वन विभाग और वेटरिनरी विभाग की टीमें हाथियों के साथ रहती हैं, ताकि उन्हें कोई परेशानी या तनाव न हो। अगर कोई हाथी मानसिक संतुलन या मिजाज खो देता है, तो वन विभाग की टीम डार्ट गन से इंजेक्शन देकर उसे कंट्रोल करती है।

1946 में हाथी पर निकाली गई थी यात्रा

गुजरात में 1946 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बीच भी रथ यात्रा निकाली गई थी। तत्कालीन सरकार ने रथ यात्रा की अनुमति नहीं दी थी।लेकिन भक्त परंपरा को टूटने नहीं देना चाहते थे। उस समय जगन्नाथ मंदिर के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मंगला आरती और यात्रा के उद्घाटन समारोह के बाद हाथी पर भगवान को सवार कर यात्रा निकाली गई थी।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेपः गार्ड रूम में हुई वारदात, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाताः कोलकाता में लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया है। घटना 25 जून की है। तीन आरोपियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का नाम मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) है। इन तीनों को साउथ 24 परगना के अलीपुर एसीएमजी कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच के लिए आरोपियों से पूछताछ जरूरी है। पीड़िता की मेडिकल जांच और बयान की प्रक्रिया भी चल रही है। भाजपा ने एक आरोपी मनोजीत मिश्रा के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाया है।

2 पूर्व और एक वर्तमान छात्र शामिल

यह वारदात कॉलेज कैंपस में बुधवार शाम 7:30 बजे से रात 8:50 बजे के बीच हुई। गिरफ्तार आरोपियों में दो वर्तमान छात्र और एक पूर्व छात्र शामिल है। दो आरोपी मोनोजित मिश्रा और जैब अहमद को 26 जून को शाम 7:20 और 7:35 बजे के बीच सिद्धार्थ शंकर राय शिशु उद्यान के पास से पकड़ा गया। दोनों के मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। तीसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी को 27 जून की रात 12:30 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

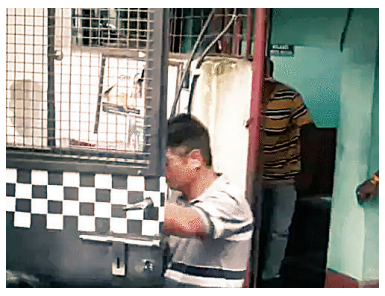

भाजपा का आरोप- आरोपी तृणमूल से जुड़ा हुआ

भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक बंगाली न्यूज रिपोर्ट शेयर करते हुए लिखा, "हैरान कर देने वाली घटना! एक महिला लॉ छात्रा के साथ कॉलेज परिसर में गैंगरेप हुआ, आरोपियों में एक पूर्व छात्र और दो कॉलेज स्टाफ शामिल हैं।" उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले में एक तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा व्यक्ति भी शामिल है।

महिला आयोग ने कहा- जांच समय से पूरी हो

राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने कोलकाता गैंगरेप मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन विजया रहाटकर ने कोलकाता पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कहा- इस घटना की तुरंत और तय समय में जांच की जाए। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जाए। साथ ही कहा कि पीड़िता को मेडिकल, मानसिक और कानूनी मदद दी जाए। भारतीय न्याय संहिता की धारा 396 के तहत मुआवजा भी दिया जाए। आयोग ने तीन दिनों के अंदर इस मामले में की गई कार्रवाई की डिटेल्ड रिपोर्ट मांगी है।

आरजी कर हॉस्पिटल में 8 अगस्त 2024 की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की लाश सेमिनार हॉल में मिली थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने संजय रॉय नाम के सिविक वॉलंटियर को 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। इस घटना के बाद कोलकाता समेत देशभर में प्रदर्शन हुए। बंगाल में 2 महीने से भी ज्यादा समय तक स्वास्थ्य सेवाएं ठप रही थीं।

हेल और अमेरिकी जीई मिलकर बनाएंगे लड़ाकू विमानों के इंजन

-यह प्रोजेक्ट भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में होगा बड़ा कदम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत की सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हेल) जल्द ही एक बड़ा समझौता करने जा रही है। यह समझौता अमेरिका की रक्षा कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एयरोस्पेस के साथ होगा। दोनों कंपनियां मिलकर भारत में लड़ाकू विमानों के इंजन तैयार करेंगी। ये इंजन भारत के तेजस जैसे नए फाइटर जेट में इस्तेमाल किए जाएंगे।

हेल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डीके सुनील ने कहा कि अमेरिकी इंजन भारत के नए लड़ाकू विमानों में इस्तेमाल होंगे। जीई के एफ-414 इंजन को भारत में बनाने की योजना पीएम मोदी की 2023 की अमेरिका यात्रा के दौरान बनी थी, लेकिन टेक्नोलॉजी को साझा करने को लेकर बातचीत में देरी हुई। इसलिए इस प्रोजेक्ट में समय लगा। इससे भारत के दुश्मन देशों को काउंटर करने में मदद मिलेगी।

सुनील ने बताया कि जीई के साथ तकनीकी बातचीत पूरी हो चुकी है। खासकर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर सहमति बन गई है। उन्होंने कहा कि हमने करीब 80 फीसदी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर सहमति दी है। इससे भारत को इंजन बनाने की आधुनिक तकनीक मिलेगी। अब हम डील को लेकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हेल को उम्मीद है कि यह समझौता मार्च 2026 तक पूरा हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह प्रोजेक्ट भारत के रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने और देश को आधुनिक सैन्य उपकरण बनाने में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जीई का एफ-414 इंजन तेजस एमके2 और एएमसीए जैसे विमानों को ताकत देगा। तेजस एईएसए रडार से भी लैस होगा, जो इसे पॉवरफुल बनाएगा। जनरल इलेक्ट्रिक एफ-414 एक अमेरिकी आफ्टरबर्निंग टर्बोफैन इंजन है जो 22,000 पाउंड थ्रस्ट क्लास में है।

केदारनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड, यात्री फंसेः अहमदाबाद -सूरत में बाढ़, घरों में घुसा पानी; 12% ज्यादा बारिश

देश में दिल्ली को छोड़कर सभी राज्यों में बारिश हो रही है। अब तक सामान्य से 12.3 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। 26 जून तक देश में सामान्य रूप से 134.3 मिमी होनी चाहिए थी, लेकिन 146.6 mm हो चुकी है। उत्तराखंड में भारी बारिश के चलते केदारनाथ हाईवे एक बार फिर मुनकटिया इलाके में लैंडस्लाइड के कारण बंद हो गया है। रास्ते पर लगातार पत्थर और मलबा गिर रहा है। SDRF और NDRF की टीमें मौके पर मौजूद हैं और यात्रियों को जंगल के वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित निकाल रही हैं।

इस बीच देश में बारिश के चलते मौतों का आकड़ा भी बढ़ने लगा है। हिमाचल के कुल्लू जिले में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। जबकि 7 से ज्यादा लापता हैं। बुधवार को कुल्लू के 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्त्रो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटे थे।

वहीं, जम्मू-कश्मीर के राजौरी, पुंछ, डोडा और कठुआ जिलों में बादल फटने और तेज बारिश से आई बाढ़ में 2 बच्चों समेत 3 की मौत हो गई है। गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में बीते 2 दिन से तेज बारिश का सिलसिला जारी है। सूरत के बाद अब अहमदाबाद में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। घरों में पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, देश के सभी राज्यों में आज बारिश का अनुमान है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक और केरल में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

एमपी के छतरपुर में बिजली गिरने से एक की मौत, तीन घायल

एमपी में छतरपुर के शिवराजपुरा गांव में बारिश से बचने के लिए खेत की टपरिया में बैठे चार किसान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। इनमें से एक की मौत हो गई और तीन घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

राजस्थान में बूंदी का बरधा बांध पूरी तरह भर गया है। बांध बूंदी-कोटा हाईवे के बीच में आता है। बड़ी संख्या में बूंदी और कोटा से पर्यटक बारिश के बावजूद यहां पहुंचे हैं।

कैंसर पीड़ित बुजुर्ग महिला को कचरे में फेंका, आरोपी पोता सहित 2 गिरफ्तार

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई से परेशान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बुजुर्ग महिला कूड़े के ढेर पर पड़ी मिली। कैंसर से पीड़ित महिला को उसके पोते ने कथित तौर पर कूड़े में फेंक दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर महिला के परिवार की तलाश शुरू कर दी है। यह घटना तब सामने आई, जब मुंबई पुलिस ने शहर की आरे कॉलोनी में सड़क पर कूड़े के ढेर के पास 60 वर्षीय यशोदा गायकवाड़ को बेहद कमजोर हालत में देखा। दादी को जंगल में छोड़ने के आरोप में 33 वर्षीय एक व्यक्ति और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि लगभग 70 वर्षीय महिला 22 जून की सुबह एक कूड़े के ढेर के पास आई थी और उसकी हालत खराब थी, पुलिस ने बुजुर्ग महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले, बहनोई बाबासाहेब गायकवाड़ और ऑटो रिक्शा चालक संजय कादरेशम को कथित तौर पर महिला को उस स्थान पर छोड़ते हुए देखा गया, जहां वह मिली थी। अधिकारी ने बताया कि तीनों को गिरफ्तार किया गया। सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि आरोपी बोरीवली निवासी महिला को 21 जून की रात को पहले नगर निगम द्वारा संचालित शताब्दी अस्पताल ले गए, लेकिन जब अस्पताल के अधिकारियों ने भर्ती से इंकार कर दिया, तब वे उसे आरे जंगल में ले गए और वहां छोड़ दिया।

यूपी के संभल में 50 हजार रुपये में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो रही छेड़छाड़

संभल,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जहां कुछ पैसों के लालच में पोस्टमार्टम रिपोर्ट को बदलकर हत्यारे को बचाया और निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा था। मामले में स्वास्थ्य विभाग का एक फार्मासिस्ट और उसका साथी कंप्यूटर ऑपरेटर पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। दोनों को जेल भेज दिया गया है। डीएम ने पूरे मामले की गंभीरता को देखकर जांच कमेटी भी गठित कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला रजपुरा थाना इलाके के गांव का है, जहां 19 मई को एक लड़की की हत्या हुई थी। लड़की के पिता को उसके प्रेम प्रसंग से परेशानी थी। नाराज होकर पिता ने अपने बेटे और साथियों के साथ मिलकर लड़की की हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया। इसके बाद लड़की के प्रेमी और उसके भाई पर हत्या का आरोप लगाया।

हत्या के आरोपियों को बचाने के लिए आरोपी पक्ष ने एक फार्मासिस्ट से 50 हजार रुपए में सौदा किया, ताकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हेराफेरी करे और हत्यारे बच जाएं, जबकि प्रेमी जेल में चले जाएं। पुलिस ने जब मामले की जांच की, तब जाकर भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ हुआ। पुलिस ने लड़की के पिता, भाई और अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही फार्मासिस्ट और कंप्यूटर ऑपरेटर को भी भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़ा है। पुलिस को इन दोनों के मोबाइल से पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलने की चैट और रिश्वत के ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के साक्ष्य भी मिले हैं। जांच में पता चला कि जुनावई और असमोली इलाके में भी ऐसी ही गड़बड़ियां हो रही हैं, जहां पीएम रिपोर्ट के आधार पर हत्याएं छुपाई जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और दर्जनों डॉक्टर मामले की जांच के दायरे में आ गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, फार्मासिस्ट द्वारा 50 हजार रुपए की रिश्वत लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छुपाने और बदलने का काम होता था। पुलिस को इस पूरे खेल की गहरी पैठ मिली है। बताया जा रहा है कि इस घोटाले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के बड़े अधिकारी और सीएमओ ने भी गोपनीय बैठकें कीं।

उद्यमिता को मिलेगा डिजिटल बूस्ट, सीएम आदित्यनाथ योगी ने शुरू की 'सीएम युवा एप' और 'यूथ अड्डा कैफे' की पहल

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश में उद्यमी बनने की चाह रखने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए योगी सरकार ने सीएम युवा ऐप और यूथ अड्डा कैफे की शुरूआत की है। शुक्रवार को विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए राजधानी लखनऊ में कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरूआत की है। इस दौरान उन्होंने यूथ अड्डा का लोकार्पण, सीएम युवा मोबाइल ऐप का शुभारंभ और बरेली व मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपये की ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी समुदायों के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को जाहिर किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया।

एमएसएमई दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने यूथ अड्डा का लोकार्पण किया, जिसे यूपीकॉन द्वारा नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया है। यह मंच सभी जातियों और समुदायों के युवाओं को अपने व्यावसायिक विचार साझा करने, बैंकों से ऋण सहायता प्राप्त करने और अनुभवी मेंटर्स से मार्गदर्शन लेने का अवसर प्रदान करेगा। इसी मौके पर सीएम युवा मोबाइल ऐप की शुरूआत के साथ, सरकार ने युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सभी समुदायों के युवाओं को बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्रशिक्षण, ऋण, और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सुनिश्चित करेगा कि कोई भी युवा सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने के लिए मजबूर न हो।

मुख्यमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के तहत बरेली और मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपये की लागत से कॉमन फैसिलिटेशन सेंटर (सीएफसी) परियोजनाओं का लोकार्पण किया। योगी ने कहा कि आज ओडीओपी के माध्यम से हर जनपद की विशिष्टता को वैश्विक मंच मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना ने सभी जातियों के कारीगरों और उद्यमियों को समान अवसर प्रदान किए हैं, जिससे मुरादाबाद का ब्रास, भदोही का कालीन और लखनऊ की चिकनकारी जैसे उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयों में 2 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत हैं, जिनमें सभी जातियों और समुदायों के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बिना भेदभाव के इन इकाइयों को पांच लाख रुपये का सुरक्षा कवच और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की है। यूपी देश में एमएसएमई में 14 फीसदी हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में प्रदेश का निर्यात मात्र 80 हजार करोड़ रुपये था, जो आज 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। प्रति व्यक्ति आय 46 हजार रुपये से बढ़कर 1 लाख 20 हजार रुपये और जीडीपी 12 लाख 75 हजार करोड़ से बढ़कर 31 लाख करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 55 हजार युवाओं को 5 लाख रुपये का ब्याज-मुक्त ऋण और 10 फीसदी सरकारी अनुदान प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस साल 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह शो यूपी के एमएसएमई उत्पादों को वैश्विक खरीदारों तक पहुंचाने का मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि यूपी के 77 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है और 75 नए आवेदनों पर कार्य चल रहा है। इसके लिए ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, ताकि सभी समुदायों के हस्तशिल्पियों के उत्पादों को संरक्षित किया जा सके।

ट्रंप को ईरान के खामेनेई का करारा जवाब बोले- आत्मसमर्पण शब्द हमे नहीं मालूम

तेहरान(ईएमएस)। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने इजरायल-ईरान युद्ध की समाप्ति के बाद गुरुवार को अपना पहला सार्वजनिक बयान दिया। खामेनेई ने कहा है कि आत्मसमर्पण शब्द हमारी शब्दावली (डिक्शनरी) में नहीं है। इजरायली सेना की ईरान पर बमबारी के बाद 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान खामेनेई ने एक गुप्त स्थान पर शरण ली थी। इजरायल ने खामेनेई को निशाना बनाने की धमकी दी थी, जिसका अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने समर्थन किया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आत्मसमर्पण करने की धमकी का भी जवाब दिया है।

खामेनेई ने आगे कहा कि ईरानी लोगों ने अपनी एकता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने ईरान से आत्मसमर्पण करने का आह्वान किया, लेकिन उनके बयान संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के मुंह से बहुत बड़ी थीं। खामेनेई ने कहा, ईरान जैसे महान देश और राष्ट्र के लिए, आत्मसमर्पण का उल्लेख ही अपमान है। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने गलती से एक सच्चाई उजागर कर दी- कि अमेरिकी शुरू से ही इस्लामी गणराज्य ईरान का विरोध कर रहे हैं।

खामेनेई ने एक्स पर एक पोस्ट में अपने देश को एक बार फिर बधाई दी। उन्होंने लिखा अमेरिकी शासन पर हमारे प्यारे ईरान की जीत। खामेनेई ने कहा कि अमेरिका ने सीधे युद्ध में प्रवेश किया क्योंकि उसे लगा कि अगर वह ऐसा नहीं करता, तो ज़ायोनी शासन पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। खामेनेई ने दावा किया कि अमेरिका ने इस युद्ध से कोई उपलब्धि हासिल नहीं की, और कहा कि ईरान विजयी बनकर उभरने में सक्षम रहा और उसने अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा।

अपने बयान में, अयातुल्ला खामेनेई ने कहा कि ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला करके अमेरिका कुछ भी महत्वपूर्ण हासिल करने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कुछ हुआ था, उसका असामान्य रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था। खामेनेई ने कहा कि यह स्पष्ट था कि उन्हें ऐसा करने की आवश्यकता थी- उन्होंने कहा कि सुनने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था कि अमेरिका सच्चाई को विकृत करने के लिए चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा था। उन्होंने कहा कि हमने क्षेत्र में अमेरिका के प्रमुख ठिकानों में से एक पर हमला किया और यहां उन्होंने इसे कमतर आंकने की कोशिश की।

खामेनेई को ट्रंप दे रहे 30 बिलियन डॉलर का ऑफर

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार सार्वजनिक रूप से बयान देकर दुनिया को चौंका दिया। ईरान और इजरायल के बीच 13 जून को शुरू हुए युद्ध के बाद से वह अंडरग्राउंड बंकर में छिपे थे। अब जब युद्धविराम हो चुका है, तो खामेनेई ने इसे 'ईरान की जीत' बताते हुए सीधे अमेरिका पर हमला बोला। उन्होंने कहा, अमेरिका इजरायल को बचाने युद्ध में कूदा था, लेकिन कुछ भी हासिल नहीं कर पाया। इस बीच, ट्रंप प्रशासन के भीतर एक अलग ही कूटनीतिक कवायद चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को 30 अरब डॉलर की निवेश सहायता का प्रस्ताव दिया है शर्त ये है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह बंद कर दे। बदले में उसे एक नागरिक न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम दिया जाएगा, जिसकी फंडिंग अरब खाड़ी देशों से कराई जाएगी। यह बैठक वॉशिंगटन में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ की अगुआई में हुई, ठीक उस दिन के अगले दिन जब अमेरिका ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइलें बरसाईं। वहीं ईरानी विदेश मंत्री अरघची ने एक बयान में साफ किया कि ईरान को अपने न्यूक्लियर स्थलों पर काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि कतर की जमीन पर मौजूद अमेरिकी बेस पर हमला करने के बाद जब अरब देशों ने उसकी निंदा की, तो ईरान ने भी बयान में अपना समर्थन जोड़ने को कहा, क्योंकि ईरान कतर का समर्थन करता है। वहीं दूसरी ओर, लीबिया में बाब बिन गशीर इलाके के पास हालात बेकाबू हो गए। अल-इत्तिहाद समर्थकों ने कई स्थानों पर आगजनी की और सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज़ हो गए।

ईरान के तरकस में अब भी है कोई तीरः अमेरिका को चेतावनी दे रहे खामेनेई

अमेरिका को सबक सिखाने वाले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई का गुरुवार को एक प्री-रेकॉर्डेड वीडियो सामने आया, जो 12 दिन की इजरायल-ईरान जंग के बाद उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। इस वीडियो में 86 वर्षीय खामेनेई ने अमेरिका और इजरायल को कड़ी चेतावनी दी, कतर के अल उदेद एयर बेस पर ईरान के हमले को अमेरिका के चेहरे पर करारा तमाचा बताया और भविष्य में और हमलों की धमकी दी। उनकी आवाज में भारीपन और कंपकंपाहट थी, जो उनकी उम्र और हाल की जंग के तनाव को दर्शाता था। फिर भी उनका यह संदेश न केवल उनकी जीवित मौजूदगी का सबूत था, बल्कि ईरानी जनता में जोश भरने और शत्रुओं को चुनौती देने का प्रयास भी था। लेकिन सवाल यह है कि क्या तबाही झेल चुके ईरान के पास अब भी कोई ताकत बची है? खामेनेई का यह दावा उनकी कमजोर स्थिति को छिपाने की कोशिश हो सकती है। वह 13 जून को इजरायल के हमलों के बाद से एक गुप्त स्थान पर छिपे हुए थे और उनकी अनुपस्थिति ने उनके स्वास्थ्य और ठिकाने को लेकर अटकलों को जन्म दिया था। इस वीडियो का उद्देश्य न केवल इन अटकलों को खारिज करना था, बल्कि यह दिखाना भी था कि अभी भी उनके हाथ में ईरान का नियंत्रण हैं। लेकिन उनकी थकी और कांपती आवाज ने सवाल उठाया कि क्या वह वास्तव में वह ताकत रखते हैं, जो वह प्रदर्शित करने की कोशिश कर रहे हैं?

खामेनेई का यह वीडियो एक सादे कमरे में भूरे पर्दे, ईरानी झंडे और उनके पूर्ववर्ती रुहोल्लाह खोमेनी की तस्वीर के सामने रिकॉर्ड किया गया। ईरान की नौ करोड़ जनता 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से कठोर शासन और नियंत्रित मीडिया के साये में जी रही है। उनके लिए यह संदेश एकजुटता और प्रतिरोध का प्रतीक था। खामेनेई ने दावा किया कि अमेरिका ने जंग में हस्तक्षेप केवल इजरायल को बचाने के लिए किया, लेकिन उसको कुछ हासिल नहीं हुआ। उन्होंने कतर के अमेरिकी अड्डे पर हमले को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ईरान क्षेत्र में अमेरिका के महत्वपूर्ण ठिकानों तक पहुंच सकता है। 12 दिन की जंग ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया। इजरायल ने 720 से अधिक सैन्य ठिकानों और आठ परमाणु-संबंधित स्थलों पर हमले किए, जिसमें कई शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। आईएईए के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि इन हमलों में ईरान के परमाणु ठिकानों को बेहद गंभीर नुकसान हुआ। सेंट्रीफ्यूज संभवतः निष्क्रिय हो गए हैं। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भी स्वीकार किया कि हमारे परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा ईरान की मिसाइल क्षमता भी प्रभावित हुई, क्योंकि इजरायल ने मिसाइल भंडारण स्थलों और लॉन्चरों को निशाना बनाया। हालांकि, ईरान के पास कुछ ताकत बची हो सकती है। उसे चीन और रूस से बड़ी सहायता मिलती है।

लेबनान में ईरानी दूतावास के बाहर लोग ईरान के शीर्ष नेता अली खमनेई की तस्वीर लिए हुए।

लंदन में प्रिंस विलियम ने रॉयल वाइल्ड लाइफ प्रोग्राम के तहत कलेबर केरीपुना से मुलाकात की, इस दौरान जैनिफर लेसिंबेग और जुआन कार्लोस भी वहां थे।

भारत को लेकर ट्रंप की दो टूक- कहा हर देश से नहीं होगा व्यापार समझौता

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हमेशा से 'अमेरिका फर्स्ट' पॉलिसी पर चलते हैं, लेकिन उन्होंने कई बार भारत के साथ अच्छे रिश्तों की बात की है। उनका ये नया बयान बताता है कि वो भारत को खास अहमियत देते हैं। भारत की ओर से ट्रेड डील की बातचीत को लेकर राजेश अग्रवाल की अगुवाई में टीम अमेरिका पहुंच गई है। राजेश अग्रवाल वाणिज्य मंत्रालय में स्पेशल सेक्रेटरी हैं। वह अमेरिका की टीम से दो दिन की बातचीत कर रहे हैं। यह मीटिंग इसलिए अहम है क्योंकि भारत और अमेरिका इस वक्त एक इंटरिम ट्रेड डील पर काम कर रहे हैं। कोशिश ये है कि 9 जुलाई से पहले समझौता हो जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ 'बहुत बड़ी' ट्रेड डील करने जा रहे हैं। वाइट हाउस के एक इवेंट में ट्रंप ने यह बयान दिया। उन्होंने चीन के साथ ट्रेड डील की घोषणा करते हुए कहा, 'हम इंडिया के साथ बहुत बड़ी ट्रेड डील कर रहे हैं।' ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका सब देशों से समझौता नहीं करेगा, लेकिन भारत एक खास देश है। ट्रंप ने कहा कि 'हम इंडिया को खोलने जा रहे हैं'। उनके मुताबिक, कुछ ऐसे काम हो रहे हैं जो पहले कभी मुमकिन नहीं थे। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले कुछ सामानों पर 26 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैक्स लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, इसे 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। अब 9 जुलाई के बाद यह टैक्स दोबारा लागू हो सकता है, अगर डील नहीं हुई तो। भारत चाहता है कि उसे इस एक्स्ट्रा टैक्स से पूरी छूट मिले। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत उसे कुछ खास प्रोडक्ट्स पर टैक्स छूट दे।

अमेरिका की मांग है कि भारत गाड़ियों, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, डेयरी प्रोडक्ट्स, वाइन, एप्पल और जेनेटिकली मोडिफाइड फसलों पर फी कम करे। लेकिन भारत के लिए डेयरी सेक्टर हमेशा से सेंसिटिव रहा है। भारत ने आज तक किसी भी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट में डेयरी सेक्टर को नहीं खोला है। दूसरी तरफ, भारत भी चाहता है कि टेक्सटाइल, गहने, चमड़ा, केमिकल्स, झींगा, अंगूर और केले जैसे प्रोडक्ट्स पर अमेरिका फी कम करे। ये सारे लेबर-इंटेंसिव सेक्टर हैं, जिनसे भारत में रोजगार जुड़ा है। अगर 9 जुलाई तक डील फाइनल नहीं होती, तो अमेरिका फिर से 26 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैक्स लगा सकता है। इससे भारत के एक्सपोर्ट को नुकसान होगा। हालांकि, बातचीत अभी चल रही है। भारत और अमेरिका दोनों इस डील को सितंबर-अक्टूबर तक पूरी तरह फाइनल करना चाहते हैं। अगर ये डील हो जाती है, तो भारत-अमेरिका के बीच व्यापार 2030 तक 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। अभी यह लगभग 191 अरब डॉलर है। भारत के एक्सपोर्टर्स के लिए ये बड़ा मौका होगा। और अमेरिकी कंपनियों को भी भारत में ज्यादा अवसर मिलेंगे।

एससीओ में चीन और पाकिस्तान, भारत के साथ कर रहे थे छल, तब चुप्पी साधे बैठे थे पुतिन?

बीजिंग(ईएमएस)। कहने को रुस और भारत के बीच संबंध बेहतर हैं लेकिन किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में जब आतंकवाद के मुद्दे पर चीन और पाकिस्तान षड़यंत्र रच रहे थे, तब रुस ने चुप्पी साध रखी थी। जानकारी के मुताबिक यह स्पष्ट नहीं है कि रूस ने इस बयान पर हस्ताक्षर किए या नहीं, क्योंकि बैठक के अंत में कोई संयुक्त बयान जारी ही नहीं हुआ। फिर भी यह सवाल महत्वपूर्ण है कि रूस ने भारत की चिंताओं को कितना समर्थन दिया। रूस एससीओ का सह-संस्थापक है और भारत का लंबे समय से रणनीतिक साझेदार रहा है। उसने इस बैठक में अपनी स्थिति को स्पष्ट रूप से उजागर नहीं किया। यह भारत के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि रूस और भारत के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत सैन्य और कूटनीतिक संबंध रहे हैं। रूस की चुप्पी या तटस्थता को कई तरह से देखा जा सकता है। पहला रूस वर्तमान में यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण आर्थिक और कूटनीतिक रूप से चीन पर अधिक निर्भर हो गया है। मई 2025 में मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुए शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंचों के माध्यम से अपने रणनीतिक गठजोड़ को और गहरा करने की बात कही थी। इस संदर्भ में रूस के लिए चीन के साथ अपने हितों को प्राथमिकता देना स्वाभाविक हो सकता है, भले ही इसका मतलब भारत की चिंताओं को दरकिनार करना हो।

दूसरा रूस की चुप्पी को भारत-चीन तनाव में तटस्थ रहने की रणनीति के रूप में भी देखा जा सकता है। भारत और रूस के बीच घनिष्ठ संबंधों के बावजूद रूस ने हाल के वर्षों में एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंचों पर चीन के नेतृत्व को स्वीकार किया है। यह संभव है कि रूस ने इस मुद्दे पर भारत का खुलकर समर्थन करने से बचने का फैसला किया ताकि वह चीन के साथ अपने संबंधों को नुकसान न पहुंचाए। हालांकि, यह रुख भारत के लिए एक संकेत हो सकता है कि रूस की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। पहले रूस ने भारत के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकता दी थी, खासकर सैन्य उपकरणों की आपूर्ति और रणनीतिक सहयोग के मामले में। लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद रूस की भू-राजनीतिक स्थिति कमजोर हुई है और वह चीन के साथ अपने गठजोड़ को और मजबूत कर रहा है। यदि रूस ने इस बयान पर हस्ताक्षर करने का समर्थन किया होता, तो यह भारत के लिए एक बड़ा झटका होता। क्योंकि यह भारत की आतंकवाद विरोधी नीति के खिलाफ जाता। भारत ने इस बैठक में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। राजनाथ सिंह ने न केवल आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया, बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के केंद्रों को निशाना बनाने में संकोच नहीं करेगा। भारत की यह दृढ़ता एससीओ में उसकी स्थिति को मजबूत करती है, लेकिन रूस की अस्पष्टता भारत-रूस संबंधों में एक नई जटिलता को दर्शाती है।

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बयान को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह आतंकवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत के रुख को कमजोर करता है। विशेष रूप से बयान में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख नहीं था, जिसमें 26 हिंदुओं का नरसंहार हुआ था। लेकिन इसमें पाकिस्तान के बलूचिस्तान में उग्रवादी गतिविधियों का जिक्र था। भारत ने इसे पाकिस्तान के पक्ष में झुका हुआ माना। इस घटना ने न केवल चीन और पाकिस्तान की रणनीति को उजागर किया, बल्कि भारत के पुराने मित्र रूस के रुख पर भी सवाल उठाए। क्या रूस ने इस बयान पर हस्ताक्षर किया? या फिर उसने इस बयान में भारत की चिंताओं को शामिल कराने की कोशिश क्यों नहीं की?एससीओ की बैठक में भारत ने स्पष्ट रूप से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद और शांति एक साथ नहीं चल सकते। एससीओ सदस्यों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और इसके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराना चाहिए। भारत ने पहलगाम हमले का उल्लेख बयान में शामिल करने की मांग की, जिसे पाकिस्तान और चीन ने अस्वीकार कर दिया। परिणामस्वरूप एससीओ कोई संयुक्त बयान नहीं जारी कर सका। यह असामान्य स्थिति थी क्योंकि एससीओ चार्टर के अनुसार निर्णय सर्वसम्मति से लिए जाते हैं।

थाईलैंड में प्रधानमंत्री पियेटोनगटरन शिनावात्रा को सीमावर्ती इलाके में पहुंचने पर फूलों का गुलदस्ता देते हुए उनके समर्थक।

आईडीएफ का दावा, ईरान के तीन बड़े परमाणु केंद्रों को तबाह किया, परमाणु कार्यक्रम को झटका

तेलअवीव (ईएमएस)। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि उसने 12 दिन तक ईरान के खिलाफ चलाए गए सैन्य अभियान में तीन बड़े परमाणु केंद्रों फोर्डो, नतांज और इस्फहान को भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे ईरान के परमाणु ढांचे को बड़ा झटका लगा है। आईडीएफ ने बताया कि 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम से अभियान शुरू किया था। इसका मकसद ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को नुकसान पहुंचाना था, क्योंकि इजरायल को आशंका थी कि ये कार्यक्रम उसके अस्तित्व को खत्म करने के लिए हैं। आईडीएफ के मुताबिक अभियान में ईरान के 11 वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराया गया, जो कार्यक्रम के लिए सबसे अहम थे। इसके अलावा अराक में एक निष्क्रिय परमाणु रिएक्टर पर भी हमला हुआ, ताकि वह भविष्य में इस्तेमाल न हो सके। आईडीएफ के मुताबिक, मिसाइल निर्माण से जुड़ी कई महत्वपूर्ण इकाइयों को बर्बाद किया गया। कुल मिलाकर 35 से ज्यादा ठिकानों, 200 लांचर और ईरान के 50 प्रतिशत लांचरों को पूरी तरह तबाह किया गया। इसके अलावा 1,500 से ज्यादा कलपुर्जे, 15 दुश्मन विमान, 90 से ज्यादा निशाने, 80 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल लांचर और 6 एयरफील्ड पर भी हमला किया गया।

इजरायल-अमेरिका का एक और दावा फुस्स! सब निकली झूठी बातें

तेहरान(ईएमएस)। इजरायल और अमेरिका के उन दावों को झुठला दिया है जिनमें माना जा रहा था कि 12 दिन की जंग में उनकी मौत हो गई थी। इस संदेश में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने न केवल अपनी जीवित मौजूदगी का सबूत दिया, बल्कि अमेरिका और इजरायल को कड़े शब्दों में चेतावनी भी दी। उन्होंने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर ईरान के हमले को अमेरिका के चेहरे पर करारा तमाचा करार दिया और भविष्य में किसी भी आक्रामकता का कड़ा जवाब देने की बात कही।

खामेनेई ने अपने संदेश में अमेरिका और इजरायल के हमलों को कमतर आंकते हुए कहा कि इन हमलों से उन्हें कुछ खास हासिल नहीं हुआ। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे को खारिज किया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। खामेनेई ने इसे अतिशयोक्ति करार दिया। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने गुरुवार को कहा कि इजरायल और अमेरिका के हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को बेहद गंभीर नुकसान पहुंचा है। ग्रॉसी ने फ्रेंच ब्रॉडकास्टर आरएफआई को बताया कि नष्ट करना शायद अतिशयोक्ति है, लेकिन नुकसान बहुत बड़ा है।खामेनेई वीडियो में थके हुए और कमजोर दिखे। उनकी आवाज में भी भारीपन था और कई बार वह शब्दों में अटकते नजर आए। फिर भी उनके संदेश में वही जोश और दृढ़ता थी, जो ईरान की नौ करोड़ से अधिक जनता के बीच उनकी छवि को मजबूत करती है। 13 जून को इजरायल द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य कमांडरों पर हमले के बाद से खामेनेई सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे और वह एक गुप्त स्थान पर शरण लिए हुए थे। इस दौरान उनकी अनुपस्थिति ने उनके स्वास्थ्य और ठिकाने को लेकर अटकलों को हवा दी थी।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने भी बुधवार को स्वीकार किया था कि हमारे परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके बावजूद खामेनेई ने अपने संदेश में परमाणु कार्यक्रम का जिक्र नहीं किया, जो इस बात का संकेत देता है कि वह इस मुद्दे पर फिलहाल खामोशी बरतना चाहते हैं। 12 दिन की इस जंग में ईरान ने इजरायल पर 550 से अधिक मिसाइलें दागीं, जिनमें से 90 फीसदी को इजरायल ने नष्ट कर दिया। वहीं, इजरायल ने ईरान के 720 से अधिक सैन्य ठिकानों और आठ परमाणु प्लांट से संबंधित स्थलों पर हमले किए। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इस संघर्ष में 606 लोग मारे गए और 5,332 घायल हुए, जबकि वाशिंगटन स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स समूह ने दावा किया कि मरने वालों की संख्या 1,054 थी, जिनमें 417 नागरिक और 318 सुरक्षाकर्मी शामिल थे। इजरायल में 28 लोगों की मौत और 1,000 से अधिक लोग घायल हुए।

अमेरिका-इजरायल पर जीत का दावा

खामेनेई ने अपने संदेश में दावा किया कि ईरान ने इजरायल और अमेरिका पर विजय हासिल की है। उन्होंने कतर के अल उदेद एयर बेस पर ईरान के हमले को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह दिखाता है कि ईरान क्षेत्र में अमेरिका के महत्वपूर्ण केंद्रों तक पहुंच सकता है। हालांकि, अमेरिका ने इस हमले को बहुत हल्का करार देते हुए कहा कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।जंग के बाद ईरान में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति बहाल हो रही है। गुरुवार को देश के पूर्वी हिस्से में हवाई क्षेत्र को फिर से खोल दिया गया और तेहरान की सड़कों पर दुकानें खुलने लगीं। खामेनेई का यह संदेश न केवल उनकी मौजूदगी का सबूत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वह ईरानी जनता में नया जोश भरने की कोशिश कर रहे हैं।

जेफ बेजोस 27 करोड़ दान में दिए, 80 प्रतिशत स्थानीय लोगों से सामान खरीदने का वादा किया

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। दुनिया के शीर्षस्थ अमीरों में शुमार जेफ बेजोस करीब साढ़े 4 सौ करोड़ रुपए खर्च कर रहे हैं। उनके यहां समारोह में दुनियाभर के सेलिब्रिटी शामिल हो रहे हैं। बढ़ती भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था के बीच स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतें हो रही हैं। ऐसे में इस शादी समारोह पर विरोध भी हुआ। विरोध को शांत करने के लिए जेफ ने 27 करोड़ रुपए दान में दिए और 80 प्रतिशत सामान स्थानीय लोगों से खरीदने का भरोसा दिलाया। वेनिस में गुरुवार से ही सदी की सबसे भव्य शादी की तीन दिवसीय जश्न की शुरुआत हो गई। जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज ने मदोना डेल ओर्टो के मध्यकालीन चर्च में वेलकम पार्टी की मेजबानी की, जहां किम कार्दशियन, ओप्राह विंफ्रे, लियोनार्डो डिकैप्रियो, ऑरलैंडो ब्लूम और इवांका ट्रंप जैसे 200 से ज्यादा मेहमान शामिल हुए। सेलिब्रिटीज के आगमन ने शहर की नहरों और सड़कों पर भीड़ बढ़ा दी, जिससे स्थानीय व्यवसायों को परेशानी हुई। एक कयाक रेंटल सर्विस ने बताया कि पुल बंद होने के कारण ग्राहक नहीं पहुंच पाए, जिससे उन्हें नुकसान हुआ।

ट्रंप लोकतांत्रिक नहीं, ट्रेड वॉर के कारण अमेरिका सबसे खराब दौर में,ओबामा

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अमेरिका की स्थिति पर गहरी चिंता जताई है। ओबामा ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार अमेरिका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। अमेरिका की सरकार का नेतृत्व ऐसे हाथों में है। जिन्हें कानून के शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी में आस्था नहीं है। ट्रंप प्रशासन संविधान की शपथ लेकर उसके विपरीत काम कर रहा है। सत्ता में बैठे हुए शासको के लिए संविधान की रक्षा ही सर्वोपरि है। यह कहकर उन्होंने ट्रंप के सामने मुसीबतों का पहाड़ खड़ा कर दिया है।

बराक ओबामा ने एक संवाद कार्यक्रम में अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति, संस्थागत स्वतंत्रता और अर्थव्यवस्था को लेकर गहरी चिंता जाहिर की है। कनेक्टिविटी फोरम के मंच से ओबामा ने कहा, व्यापारिक सोदों को लेकर वैश्विक देशों को डराया जा रहा है। यह नैतिक और आर्थिक दोनों ही रूप में खतरनाक है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, चीन की बढ़ती हुई ताकत के बावजूद टैरिफ का बेजा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

बराक ओबामा ने ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट की नीति को भय और अलगाववाद पर आधारित बताकर, तीव्र आलोचना की है। उन्होंने कहा ऐसे नेताओं का सत्ता में होना कानून के शासन और न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए खतरनाक संकेत है।

पाकिस्तान मंत्री को दंगल फिल्म प्रदर्शित नहीं होने देने का अफसोस

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की एक मंत्री ने कहा कि उन्हें 2017 में आमिर खान की 'दंगल' को उनके देश में प्रदर्शित नहीं होने देने का अफसोस है। पंजाब प्रांत की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) सरकार की मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि जब दंगल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और भारत में रिलीज हुई थी तब वह सूचना मंत्री थीं।

मरियम ने एक लोकप्रिय पॉडकास्ट में कहा कि हां, अगर मुझे संघीय सूचना मंत्री रहते हुए इसका अफसोस है तो वह है पाकिस्तान में फिल्म 'दंगल' की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाना। उन्होंने कहा कि सेंसर बोर्ड के प्रतिनिधियों और सूचना मंत्रालय के लोगों के साथ यह मेरी पहली बैठक थी और उन्होंने कुछ कारण बताते हुए फिल्म की स्क्रीनिंग पर बैन लगाने की सिफारिश की थी। मरियम औरंगजेब का बयान तेजी वायरल हो रहा है। वीडियो पर यूजर ने कमेंट्स भी किया है। एक शख्स ने लिखा कि बहुत ज्यादा नुकसान हो गया वो फिल्म सिर्फ 2076 करोड़ ही कमा पाई थी। दूसरे यूजर ने लिखा कि चिंता करने की कोई बात नहीं है ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा कि टेंशन की कोई बात नहीं है, सिर्फ 500 और 1000 रुपए का नुकसान हुआ है। हालांकि, एक यूजर ने लिखा कि दंगल मूवी सिर्फ इसलिए पाकिस्तान में रिलीज नहीं हो पाई क्योंकि पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड ने भारतीय राष्ट्रगान को हटाने की मांग की थी। अब ये लोग बहाना दे रहे हैं। हमें इन लोगों की कोई जरूरत नहीं है। बता दें पहलगाम आतंकी हमले के बाद मंत्री मरियम औरंगजेब ने भारत-विरोधी बयान दिया था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत अपने ही नागरिकों की मौत पर राजनीति कर रहा है।

पहले किया अपहरण फिर करवाया धर्मांतरण, पाक कोर्ट ने बच्चों को माता-पिता को सौंपा

करांची,(ईएमएस)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के शहर शाहदादपुर में तीन अल्पसंख्यक बहनों और उनके चचेरे भाई के कथित अपहरण और जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। परिवार वालों का कहना है कि ये चारों बच्चों को उनके स्कूल के ही दो शिक्षकों ने अगवा किया और फिर धर्म बदलवाया, लेकिन पाकिस्तान के कई मीडिया चैनल यह कह रहे हैं कि इन बच्चों ने अपनी मर्जी से इस्लाम कुबूल किया है।

मीडिया रिपोर्ट में परिजनों के मुताबिक लड़का सिर्फ 13 साल का है और लड़की 15 साल की बाकी दो लड़कियां 19 और 21 साल की हैं, जो मेडिकल की पढ़ाई कर रही हैं। चारों को बचाने के बाद कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्होंने बयान दिए। कोर्ट ने कहा कि जो दो बच्चे नाबालिग हैं, उन्हें उनके माता-पिता को सौंप दिया जाए। बाकी दो बड़ी बहनों को किसी सुरक्षित जगह भेजा जाए, ताकि वे सोच-समझकर खुद फैसला ले सकें कि क्या करना है। दो अध्यापकों पर अपहरण का आरोप था उन्हें पुलिस ने छोड़ा दिया क्योंकि उन पर से अपहरण का मामला हटा लिया गया था। दोनों को जमानत मिल गई। कुछ पाकिस्तानी चैनलों ने लिखा कि चारों भाई-बहनों ने इस्लाम कबूल कर लिया, जैसे कि उन्होंने अपनी मर्जी से किया हो। कोर्ट ने माता-पिता को यह भी कहा कि वे लड़कियों से धर्म के बारे में कोई बात न करें। सिंध मानवाधिकार आयोग ने इस घटना का नोटिस लिया और इसे गैरकानूनी बताया। उन्होंने सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। एक मानवाधिकार कार्यकर्ता फराज परवेज़ ने कहा कि बच्चों को जानबूझकर बालिग बताया गया, असली पहचान पत्रों की अनदेखी हुई और धर्म बदलवाने वाले मौलवियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

शुभांशु के स्पेस स्टेशन पहुंचते ही बिल्ला लगाकर किया स्वागत, हिंदी में कर रहे बात

वॉशिंगटन(ईएमएस)। बिल्ला नंबर 634, भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला जब इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे तो उन्हें यही बैज लगाया गया। इसकी तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिसे देखकर आप गर्व से भर उठेंगे। इस मौके पर शुभांशु शुक्ला ने अपनी फीलिंग भी शेयर की। बताया कि उन्हें पूरा भरोसा है कि अगले कुछ दिन काफी मजेदार होने वाले हैं। सबसे खास बात, शुभांशु ने स्पेस स्टेशन जाकर हिंदी में बात की। लेकिन क्या आपको पता है कि शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर ये बैज लगाने वाली महिला कौन थी? एस्ट्रोनॉट पिन लेने के बाद शुभांशु शुक्ला काफी भावुक नजर आए। उन्होंने हिंदी में बातचीत करते हुए कहा, यह एक शानदार यात्रा थी। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर होना एक शानदार अनुभव है। मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले दिन बेहद शानदार और यादगार होंगे। भारतीयों को संबोधित करते हुए शुभांशु ने कहा, मुझे विश्वास है कि आप सभी इस यात्रा में मेरे साथ हैं। जय हिंद जय भारत।

ब्रिटेन परमाणु बम ले जाने में एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा

द हेग (ईएमएस)। ब्रिटेन परमाणु बम ले जाने में सक्षम 12 अमेरिका में बनाए गए एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा और नाटो के साझा हवाई परमाणु मिशन में शामिल होगा। प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने यह घोषणा की। सरकार ने इसे एक पीढ़ी में ब्रिटेन की परमाणु स्थिति की सबसे बड़ी मजबूती करार दिया। स्टार्मर ने नीदरलैंड में नाटो शिखर सम्मेलन में भाग लेने के दौरान यह घोषणा की। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे नाटो में ब्रिटेन का एक और मजबूत योगदान बताया। शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद 1990 के दशक में ब्रिटेन ने विमानों से गिराए जाने वाले परमाणु हथियारों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया। अब इसके परमाणु शस्त्रागार में पनडुब्बी-आधारित मिसाइल शामिल हैं। केवल तीन नाटो सदस्य – अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस परमाणु शक्ति संपन्न हैं, जबकि सात देश गठबंधन के परमाणु मिशन में योगदान के तहत ऐसे जेट विमान उपलब्ध कराते हैं जो या तो पारंपरिक हथियार ले जा सकते हैं या यूरोप में जमा करके रखे गए अमेरिकी बी61 बम ले जा सकते हैं।

जडेजा का करियर भी समाप्त होता नजर आ रहा

मुम्बई (ईएमएस)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बाद अब लगता है कि स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का टेस्ट करियर भी समाप्त हो सकता है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में जिस प्रकार करुण नायर की वापसी हुई है और साई सुदर्शन ने डेब्यू किया है। उससे अब जडेजा के लिए जगह बनना कठिन होता जा रहा है। विदेश दौरे पर आम तौर पर भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में एक ही स्पिनर होता है। ऐसे में जडेजा को कुलदीप यादव से कड़ी टक्कर मिल रही है। पहले टेस्ट में जडेजा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। इससे ऐसा लगता है कि ये उनका अंतिम विदेश दौरा हो सकता है।

जडेजा अभी टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। वह सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और सबसे बेहतरीन ऑलराउंडर है पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं रही है। वह पहले टेस्ट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में ही असफल रहे। उन्होंने पहली पारी में 11 और दूसरी में नाबाद 25 रन बनाए। गेंदबाजी में उन्हें सिर्फ दूसरी पारी में एक विकेट मिला। ऐसे में कहा जा रहा है अगर पहले टेस्ट मैच में जडेजा की जगह कुलदीप होते तो

भारतीय गेंदबाज हावी रहते। जडेजा टीम इंडिया के एकमात्र खिलाड़ी ऐसे हैं जिनका टेस्ट करियर 15 साल से अधिक पुराना हो गया हे। उनकी उम्र भी 36 के करीब है। वह एके बेहतरीन क्षेत्ररक्षक रहे हैं पर वहां भी वह असफल रहे। उन्होंने पहले टेस्ट मैच में एक कैच भी छोड़ा था। ऐसे में अब उनपर दबाव भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में वह इस दौरे में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दें तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिये। इससे पहले अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब प्रदर्शन के कारण संन्यास ले लिया था।

दूसरे टेस्ट से पहले सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम को लगा झटका

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ यहां 2 जुलाई से शुरु हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच

के लिए ऐजबेस्टन पहुंच गयी है। भारतीय टीम लीड्स में पहला टेस्ट हारने के कारण 1-0 से पीछे है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। इस मैच के शुरु होने से पहले ही युवा खिलाड़ी साई सुदर्शन के चोटिल होने से भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ये भी कहा जा रहा है कि सुदर्शन अभी थ्रो भी नहीं कर पा रहे और उनका इस मैच में खेलना तय नहीं है। सुदर्शन ने लीड्स में हुए पहले टेस्ट से अपना डेब्यू किया था। इस मैच में हालांकि वह असफल रहे थे। मैच में फील्डिंग के दौरान सुदर्शन के बाएं कंधे में चोट लगी, इसी कारण वह लंबे थ्रो नहीं कर पा रहे। अब देखना है कि वह मैच से पहले ठीक हो पाते हैं या नहीं। अगर वह नहीं खेलते हैं तो भारत ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को नंबर-3 पर अवसर मिल सकता है। ईश्वरन ने इंडिया ए की ओर से खेलते हुए 68 और 80 रन बनाये थे। इसके अलावा उनके पास प्रथम श्रेणी का लंबा अनुभव है, इसमें उन्होंने 48 की औसत से 7841 रन बनाए हैं।

आर्चर को दूसरे टेस्ट में उतारे जाने के पक्ष में नहीं वॉन और फारब्रेस

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन और ससेक्स के कोच पॉल फारब्रेस ने कहा है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को अभी कुछ अभ्यास मैच खेलने दें और दूसरे ही टेस्ट में न उतारें। आर्चर फिट नहीं होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर है ऐसे में उन्हें एकदम से उतारना ठीक नहीं है। आर्चर ने चार साल बाद डरहम के खिलाफ काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिए खेलते हुए 18 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया जिसके बाद से ही ये अटकलें हैं कि उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इंग्लैंड के चयनकर्ता ल्यूक राइट ने हाल ही में संकेत दिया था कि आर्चर 2 जुलाई से एजबेस्टन में होने वाले भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। वहीं वॉन ने कहा, 'चार साल बाद लंबे फॉर्मेट में लौटे खिलाड़ी को एक ही मैच के आधार पर टेस्ट में नहीं रखा जा सकता। वॉन ने सुझाव दिया कि आर्चर को एक और चार दिवसीय मैच खेलने देना चाहिए जिससे वे लय में लौटें। वॉन ने जोड़ा, 'डरहम के खिलाफ उन्होंने ठीक गेंदबाजी की, लेकिन टेस्ट क्रिकेट की तीव्रता काउंटी मुकाबलों से बिल्कुल अलग होती है।' ससेक्स के कोच फारब्रेस भी वॉन से सहमत है। उन्होंने भी चयनकर्ताओं से कहा, 'मेरी सलाह होगी कि आर्चर को तीसरे टेस्ट के लिए संभाल कर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आर्चर ने अब तक सिर्फ 18 ओवर फेंके हैं और ऐसे में सीधे टेस्ट क्रिकेट में उतरना जोखिम भरा हो सकता है। फारब्रेस ने यह भी कहा कि आर्चर की लय शानदार है और उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन लगातार खेलने की आदत और मैच फिटनेस के लिए थोड़ा और समय देना जरूरी है।' उन्होंने यह भी कहा कि हेडिंग्ले टेस्ट जीतने के बाद इंग्लैंड को अपने गेंदबाजी आक्रमण में छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए और क्रिस वोक्स जैसे अनुभवी खिलाड़ी को एजबेस्टन टेस्ट में बनाए रखना चाहिए। आर्चर साल 2019 में विश्व कप फाइनल और एशेज में अपनी गेंदबाजी से छाये हुए थे। इससे बाद पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह टीम से बाहर हो गये थे।

वेस्टइंडीज के गेंदबाज सील्स पर जुर्माना लगाया

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में अचारसंहित उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। सील्स ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया कप्तान पैट कमिंस को आउट होने पर ड्रेसिंग रुम जाने का इशारा किया था। आईसीसी ने सील्स पर उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना भी लगाया है। इसके साथ ही उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, सील्स को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। ये किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान बल्लेबाज के आउट होने पर अपमानजनक भाषा, क्रिया या हाव-भाव का उपयोग करने या आक्रामक प्रतिक्रिया को भड़काने से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, सील्स के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्क अंक भी जोड़ा गया है, ये 24 महीने की अवधि में उनका दूसरा अपराध था, इससे उनके नकारात्मक अंकों की संख्या दो हो गई है। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 55वें ओवर की थी। तब सील्स ने कमिंस को आउट करने के बाद पवेलियन की तरफ इशारा किया था। इसे आईसीसी के अनुशासन नियमों के अनुसार आचार संहिता का उल्लंघन माना गया, क्योंकि यह बल्लेबाज को अपमानित करने के साथ ही उकसाने वाला था। आईसीसी ने बताया कि सील्स ने अपनी गलती मान ली और मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ के दिए दंड को भी स्वीकार कर लिया, इसलिए इस मामले में कोई औपचारिक सुनवाई नहीं हुई। मैदानी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो और नितिन मेनन, तीसरे अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक और चौथे अंपायर ग्रेगरी ब्रैथवेट ने आरोप तय किए थे। सील्स का यह 24 महीनों में दूसरा नकारात्मक पॉइंट है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ एक टेस्ट में डिमेरिट पॉइंट मिला था।

रोनाल्डो साल 2027 तक अल नासर में ही रहेंगे

दुबई (ईएमएस)। पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो अगले दो साल तक सऊदी अरब के फुटबॉल क्लब अल नासर में ही रहेंगे। रोनाल्डो ने इसके तहत ही क्लब के साथ साल 2027 तक के लिए एक करार किया है। इसी के साथ ही रोनाल्डो के क्लब छोड़ने की अटकलें समाप्त हो गयी हैं। अब वह 2027 तक अल नासर में ही रहेंगे। इस स्टार स्ट्राइकर ने ये घोषणा सोशल मीडिया में जारी एक पोस्ट के साथ दी जिसमें उन्होंने कहा, एक नया अध्याय शुरू हो रहा है। वही जुनून, वही सपना। आइए साथ मिलकर इतिहास बनाएं। वहीं सऊदी क्लब ने भी कहा, रोनाल्डो साल 2027 तक हमारे साथ बने रहेंगे।

मैनचेस्टर यूनाइटेड छोड़ने के बाद साल 2022 के अंत में रोनाल्डो अल नासर में शामिल हो गये थे, यहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 105 मैचों में 93 बार गोल दागे। इस क्लब में रोनाल्डो के शामिल होने के बाद खास बदलाव आया और सऊदी प्रो लीग का दुनिया भर में आकर्षण बढ़ा। जिससे कई अच्छे खिलाड़ी लीग से जुड़े। रोनाल्डो का अनुबंध इस गर्मी में समाप्त होने वाला था, और 2024-25 सत्र के अल नासर के अंतिम मैच के बाद उनकी एक पोस्ट यह अध्याय समाप्त हो गया से ये अंदेशा लगाया जाने लगा कि वह क्लब छोड़ रहे है पर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

पिछले महीने तब और अनिश्चितता पैदा हो गई जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने रोनाल्डो के विस्तारित 2025 क्लब विश्व कप में संभावित रूप से शामिल होने के बारे में बात की हालांकि रोनाल्डों ने इससे इंकार किया है।

वैभव के बाद उभरा एक और नया सितारा हरवंश

मुम्बई (ईएमएस)। वैभव सूर्यवंशी के बाद अब एक और भविष्य का नया सितारा उभर रहा है। ये है बल्लेबाज हरवंश पंगालिया। हरवंश ने इंग्लैंड दौरे में यंग लॉयन्स के खिलाफ अपनी पारी से सभी को हैरान कर दिया है। हरवंश की बल्लेबाजी से ही भारतीय अंडर-15 टीम ये मैच जीतने में सफल भी रही। लफबरो में खेले गए इस वनडे मुकाबले में जब कप्तान आयुष म्हात्रे 1 और वैभव 17 रन ही बना सके। तो ऐसे समय में हरवंश ने आक्रामक बल्लेबाजी कर नाबाद 103 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने 52 गेंद की अपनी पारी में 8 चौके, 9 छक्के लगाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड यंग लॉयन्स के गेंदबाजों की लय बिगड़ गयी।

राहुल ने देश को परिवार से ऊपर रखा : बदानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच हेमंग बदानी ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर प्रशंसा की है। बदानी ने कहा कि राहुल ने दिखाया है कि देश के लिए किस प्रकार खेला जाता है। साथ ही कहा कि सभी को राहुल से सीखना चाहिये। उनके लिए देश परिवार से भी बढ़कर है। हाल ही में वह पिता बना है पर सब कुछ छोड़कर देश के लिए खेलने में लगा है। राहुल मार्च में ही पिता बने थे। वहीं मई में रोहित शर्मा और विराट कोहली और आर अश्विन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के संन्यास लेने के बाद राहुल ने टीम में सबसे अनुभवी होने की जिम्मेदारी संभाली और वह टीम के लिए उपलब्ध रहे। उनपर जिम्मेदारी बढ़ गई। अपेक्षाएं बढ़ गईं पर उन्होंने किसी को निराश न करते हुए सभी को पूरा किया है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने के साथ ही नये कप्तान शुभमन गिल को भी समय-समय पर सलाह दी।

मैनचेस्टर सिटी ने फुटबॉल में जुवेंटस को हराया

लंदन (ईएमएस)। मैनचेस्टर सिटी ने जुवेंटस एफसी क्लब को 5-2 से हराने के साथ ही विश्व कप क्लब फुटबॉल 2025 के ग्रुप स्तर पर 100 प्रतिशत जीत का नया रिकॉर्ड बनाया है। मैनचेस्टर सिटी को इस जीत के साथ ही ग्रुप जी में पहला स्थान मिल गया है। अब मैनचेस्टर का सामना ग्रुप एच की दूसरे नंबर की टीम से राउंड ऑफ 16 में होगा। मैनचेस्टर फीफा क्लब विश्व कप 2025 के ग्रुप चरण में सभी मुकाबले जीतने वाली अकेली टीम है। उसने अब तक इस टूर्नामेंट में 13 गोल किए हैं जबकि दूसरे नंबर पर 12 गोल के साथ ही एफसी बायर्न म्यूनिख है। जुवेंटस के खिलाफ मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी का नियंत्रण पूरे समय बना रहा। मैच की शुरुआत के नौवें मिनट में ही मैनचेस्टर ने गोल कर बढ़त हासिल कर ली हालांकि ये अधिक देर तक कायम नहीं रह पायी। केवल दो मिनट बाद सिटी के गोलकीपर एडरसन के आत्मघाती गोली से जुवेंटस बराबरी पर पहुंच गयी।

वेस्टइंडीज के एक क्रिकेटर पर कई महिलाओं ने लगाया शोषण, रेप का आरोप , बोर्ड की भूमिका पर भी सवाल उठे

गुयाना (ईएमएस)। वेस्टइंडीज की टीम जहां अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। वहीं टीम के एक मौजूदा या पूर्व खिलाड़ी पर बलात्कार, उत्पीड़न के साथ ही कई गंभीर आरोप लगे हैं। यह मामला गुयाना के मीडिया की रिपोर्ट से सामने आया है। इससे वेस्टइंडीज टीम के साथ ही क्रिकेट बोर्ड की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। टीम के खिलाड़ी पर आरोप लगाने वाली महिलाओं की संख्य एक दर्जन है जिसमें से कुछ नाबालिग भी हैं। ऐसे में अब टीम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होना तय है। इससे पहले ही परेशानी में फंसा वेस्टइंडीज बोर्ड का संकट बढ़ना तय है। रिपोर्ट के अनुसार मुख्य शिकायत गुयाना की एक युवती ने दायर की थी। इसके बाद अन्य महिलाएं भी सामने आईं और उन्होंने यौन उत्पीड़न, अनुचित व्यवहार के साथ ही मामले को दबाने के आरोप लगाये। वहीं रिपोर्टों में यह दावा भी किया गया है कि आरोपी खिलाड़ी को बचाने के लिए मामले को दबाने की कोशिश की गई। कई कथित पीड़ितों और उनके परिवारों का मानना है कि पुलिस और अन्य अधिकारियों ने आरोपों को गंभीरता से नहीं लिया और मामले को रफा-दफा कर दिया गया। एक पीड़िता के वकील निगेल ह्यूजेस ने कहा कि पहली औपचारिक शिकायत करीब दो साल पहले दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा कि गुयाना के डायरेक्टर ऑफ पब्लिक प्रोसिक्यूशंस ने आरोप तय करने की सिफारिश की थी, लेकिन उन सिफारिशों को नजरअंदाज कर दिया गया।

ऋषभ की बल्लेबाजी से प्रभावित हुए ग्रेग चैपल

सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रहे ग्रेग चैपल ने भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा की है। चैपल लीड्स में खेली ऋषभ की शतकीय पारियों से हैरान है। चैपल ने कहा कि इस बल्लेबाज ने ऐसे शॉट खेले जो क्रिकेट की किताब में तक नहीं हैं। साथ ही कहा कि ये बल्लेबाज खेल को एक नया अंदाज दे रहा है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 178 गेंदों पर 134 जबकि दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाये थे। उन्होंने इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बनाए। चैपल ने कहा कि वह ऐसे शॉट खेल रहे हैं जो 'एमसीसी प्लेइंग मैनुअल' में भी नहीं हैं। साथ ही कहा, 'जब मैंने पहली बार उसे देखा तो मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद आ गयी हालांकि वह एक अलग तरह का खिलाड़ी है। जब एक विकेटकीपर बेहतरीन बल्लेबाजी करता है और तेजी से रन बनाता है तो यह टीम के लिए बड़ा अंतर पैदा कर सकता है.'

चैपल ने कहा, 'सबसे बड़ी खूबी ये है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाता है जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उसका

प्रदर्शन शानदार था। उसने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहा है। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उसे देखना रोमांचक है अनुभव है। '

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि कोई कभी नहीं जान सकता कि वह कब क्या कर सकता है। चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उससे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकता है।' चैपल ने कहा, 'आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता है और उसने पहले टेस्ट में भी भारतीय टीम को आगे ला दिया था।'

बुमराह को दूसरे टेस्ट में मिलेगा आराम

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ 2 जुलाई से यहां होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरेगी। बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत ही दूसरे टेस्ट में आराम दिया जाएगा। इस सीरीज के पहले ही ये तय हुआ था कि बुमराह सीरीज में तीन ही मैच खेलेंगे हालांकि ये तय नहीं था कि ये मैच कौन से होंगे। इंग्लैंड से पहला टेस्ट मैच हारने के बाद भारतीय टीम 1-0 से पीछे हैं और ऐसे में बुमराह का नहीं खेलना भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि पहले टेस्ट में बुमराह ने पांच विकेट लिए थे और भारतीय टीम की ओर से केवल वही एक गेंदबाज थे जिन्होंने मेजबान टीम पर दबाव बनाया। ऐसे में भारतीय टीम के लिए उनका विकल्प तलाशना आसान नहीं होगा। बुमराह ने पहले टेस्ट मैच में 44 ओवर की गेंदबाजी की थी। उन्होंने मैच की पहली पारी में 5 विकेट लिए थे पर दूसरी पारी में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। बुमराह को दूसरी पारी में विकेट नहीं मिलने से ही इंग्लैंड की टीम आसानी से जीत गयी। इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 371 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया था।

भारतीय टीम को सीरीज में वापसी के लिए दूसरा टेस्ट हर हाल में जीतना जरूरी है। बुमराह के नहीं खेलने पर इस मैच में भारतीय तेज गेंदबाज आक्रमण की कमान मोहम्मद सिराज को मिलेगी। कार्यभार प्रबंधन के तहत बुमराह दूसरे टेस्ट से बाहर रहेंगे और तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बुमराह ने इंग्लैंड दौरे से पहले ही उन्होंने यह कह दिया था कि वे 5 टेस्ट में से 3 में ही खेल पाएंगे।

रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली इस पारी को मानते हैं अपनी सबसे अच्छी पारी

मुम्बई (ईएमएस)। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 प्रारुप में एक से बढ़कर एक पारियां खेलकर अब तक 8 शतक लगाये हैं पर रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 विश्वकप 2024 में खेली अपनी 92 रनों की पारी को इस प्रारुप की अपनी सबसे अच्छी पारी मानते हैं। उस मैच में रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के घातक गेंदबाज मिचेल स्टार्क की गेंदों पर भी जमकर चौके और छक्के लगाये थे। उस मैच में कोई गेंदबाज रोहित के कोप से बच नहीं पाया था। रोहित की 92 रनों की पारी से भारतीय टीम ने 205 रन बनाये थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम 181 रनों पर ही सिमट गयी थी।

रोहित ने कहा, "टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी मेरी अब तक की सर्वश्रेष्ठ टी20 पारी है।" उन्होंने साथ ही कहा, "जब मैं 2024 टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के लिए उतरा, तो मेरे दिमाग में बस यही था कि मुझे किसी तरह स्कोर करना है, मुझे उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना है और रन बनाना है। इसी कारण मैं हर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज के खिलाफ आक्रमण करना चाहता था।" ऑस्ट्रेलिया ने 2023 विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराकर करोड़ों प्रशंसकों को निराशा में झौंक दिया था। उसी हार का ये बदला था। रोहि ने 2023 विश्वकप को याद करते हुए कहा, "ऑस्ट्रेलिया ने 19 नवंबर को एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में हमारा और पूरे देश का दिन खराब कर दिया था, इसलिए हमें भी हिसाब बराबर करना था। ड्रेसिंग रूम में इस तरह की बातें होती हैं। हमारे दिमाग में यह बात थी कि अगर हम यह मैच जीत गए तो ऑस्ट्रेलिया इस टी20 विश्व कप से बाहर हो जाएगा।" भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्वकप जीता था।

शास्त्री बोले, बीसीसीआई को अधिक हिस्सेदारी दे आईसीसी

नई दिल्ली (ईएममएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कुल राजस्व में से और अधिक हिस्सा मिलना चाहिये। शास्त्री के अनुसार आईसीसी की सबसे ज्यादा कमाई भारत से होती है, ऐसे में बीसीसीआई अधिक रकम की अधिकारी है। उनका कहना है कि भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का 38.5 फीसदी हिस्सा मिलता है और ये इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया से मिलने वाले राजस्व से ज्यादा है। शास्त्री का कहना है कि जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलती है तो टीवी राइट्स और कमाई काफी बढ़ जाती है। इसलिए भारत को सबसे बड़ा हिस्सा मिलना चाहिये।

शास्त्री ने कहा, भारत को आईसीसी की के कुल राजस्व का और बड़ा हिस्सा मिलना चाहिए। जब भारतीय टीम विदेश में जाकर खेलता है तो टीवी राइट्स और कमाई में कई गुना बढ़त होती है। टीवी से हो रही इस कमाई के आंकड़ों को देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है। इसलिए भारतीय बोर्ड को अधिक रकम मिलनी चाहिये। उन्होंने कहा, जो भी पैसा आता है उसका अधिकांश हिस्सा भारत से आता है। यह सब अर्थव्यवस्था पर निर्भर करता है। अगर कोई और देश की अर्थव्यवस्था भारत से अच्छी हो जाएगी तो पैसा वहां से आएगा। जैसे 70 और 80 के दशक में होता था, उस समय कमाई का बड़ा हिस्सा किसी अन्य देश को जाता था। इसलिए अब इसम मामले में भारतीय बोर्ड को अधिक राशि की मांग करनी चाहिये।

भारत क्रिकेट के मामले में विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बन गया है, जिसका श्रेय देश में क्रिकेट के प्रति लोगों का प्यार और जुनून है। आईपीएल शुरु होने के बाद तो खेल के प्रति दीवानगी और भी बढ़ गयी। आईसीसी के राजस्व मॉडल के अनुसार, 88 फीसदी से अधिक राजस्व 12 पूर्ण सदस्य (टेस्ट खेलने वाले) देशों के बीच बांटा जाता है। इसमें से, 48.2 फीसदी हिस्सा , भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच बांटा जाता है।

जानबूझकर कैच आउट के दावे को नो बाल करार दे सकता है अंपायर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नये नियम से अब खेल में कई बदलाव दिखेंगे। आईसीसी ने कैच से लेकर डीआरएस तक का नियम बदल है। इसके अलावा टेस्ट मैचों में गेंद बदलने को लेकर भी नए नियम बनाये गये हैं। इससे सबसे ज्यादा प्रभाव कैच को लेकर पड़ेगा। अगर कैच लेने के दौरान फील्डर अंपायर पर किसी तरह का दबाव डालता है तो उससे टीम को नुकसान उठाना पड़ेगा। है। आईसीसी का ये नियम दो जुलाई से लागू होगा।

इसमें उन कैचों को लेकर नियम में बदलाव किया गया जो पूरी तरह से स्पष्ट नहीं होता। इस तरह के कैचों में अब अगर किसी तरह की बहस की जाती है तो अंपायर अपने अनुसार फैसले ले सकते हैं। नए नियम के अनुसार कैच के फैसले को लेकर अब तीसरे अंपायर की भूमिका और अधिक बढ़ गई है।

इसके तहत मैदानी अंपायरों को अगर पता नहीं है कि कैच सही लिया गया है या नहीं पर टीवी अंपायर बताता है कि ये नो बॉल थी तो पहले, नो-बॉल सिग्नल होने पर कैच की निष्पक्षता की जांच नहीं होती थी। इसके अलावा यदि कोई कैच स्पष्ट नहीं है और फील्डर जानबूझकर उसपर आउट का दावा करते तो अंपायर इसे नो-बॉल करार दे सकते हैं। हालांकि, अब नए नियमों के मुताबिक तीसरे अंपायर की कैच को लेकर भूमिका और ज्यादा बढ़ गई है।

पेरिस में केन्या की ओलंपिक चैम्पियन फेथ किपयागोन रेस में भाग लेती हुई।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे केशव महाराज

बुलवायो (ईएमएस)। केशव महाराज की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम इसी माह 28 जून से जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से अपने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2026-27 (डब्ल्यूटीसी) के नये सत्र की शुरुआत करेगी। नियमित कप्तान टेंबा बावुमा के चोटिल होने से केशव को कप्तानी की जिम्मेदारीद दी गयी है। दो टेस्ट मैचों की इस। सीरीज की शुरुआत 28 जून से बुलावायो में होगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ जो सीरीज शुरू होने वाली है, उसमें कप्तानी संभालने जा रहे केशव भारतीय मूल के हैं। उनके पूर्वज 1874 में दक्षिण अफ्रीका चले गए थे। केशव महाराज का जन्म डर्बन में ही हुआ था केवव ने अब तक दक्षिण अफ्रीका की ओर से 58 टेस्ट, 48 एकदिवसीय और 39 टी20 मुकाबले खेले हैं। वहीं टी20 ट्राई सीरीज के लिए रासी वान डर डुसेन दक्षिण अफ्रीकी टीम की कप्तानी करेंगे।

ये सीरीज अगले 14 से 26 जुलाई तक हरारे में होगी

सीरीज के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं-

दक्षिण अफ्रीकाः केशव महाराज (कप्तान), डेविड बेडिंघम, मैथ्यू ब्रीत्जके, डेवाल्ड ब्रेविस, कॉर्बिन बॉश, टोनी डी जोरजी, जुबैर हम्जा, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायेन, काइल वेरिन और कोडी यूसुफ।

जिम्बाब्वेः क्रेग एर्विन (कप्तान), ब्रायन बेनेट, तनाका चिवांगा, ट्रेवर ग्वांडु, ताकुदज्वानाशे काइतानो, क्लाइव मदांडे, वेस्ली माधेवेरे, विंसेंट मासेकेसा, वेलिंगटन मसकाद्जा, प्रिंस मसवाउर, कुंडाई माटिगिमु, ब्लेसिंग मुजरबानी, न्यूमैन न्यामुरी, तफदजवा त्सिगा, निकोलस वेल्च, सीन विलियम्स।

होव में पहली जीत हासिल करने उतरेगी भारतीय अंडर-19 टीम, इंग्लैंड लॉयंस से होगा मुकाबला

वैभव पर रहेंगी सबकी नजरें

लंदन (ईएमएस)। भारतीय अंडर-19 टीम आज से यहां इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ 5 मैचों की यूथ वनडे सीरीज खेलेगी। इसका पहला मुकाबला होव में होगा। इस स्थल पर भारतीय टीम आजतक कभी नहीं जीती है। ऐसे में उसका लक्ष्य यहां पहली जीत दर्ज करना रहेगा। मोहम्मद अजहरुद्दीन की कप्तानी में भारतीय टीम टीम ने साल 1999 में यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप में एक मैच खेला था पर उसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

इंडिया अंडर 19 टीम और इंग्लैंड लॉयंस के बीच सीरीज के पांचों वनडे मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3:30 बजे से खेले जाएंगे। इस सीरीज का पहला एकदिवसीय होव में जबकि बाकी दो मैच नॉर्थेम्प्टन में खेले जाएंगे। वहीं अंतिम दो वनडे वर्सेसेस्टर शॉयर में खेले जाएंगे। इसमें भारतीय टीम की कप्तानी आयुष म्हात्रे के पास रहेगी। इस सीरीज में 14 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

वैभव ने आईपीएल 2025 सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से डेब्यू करते हुए 252 रन बनाकर सभी को प्रभावित किया था, इस दौरान उन्होंने 35 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। उसी के बाद उन्हें इस सीरीज में अवसर मिला है। ऐसे में उनका लक्ष्य यहां बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वैभव इस सीरीज में टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ पारी शुरु करेंगे। इससे पहले हुए अभ्यास मैच में वैभव ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए थे।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है :

30 जून, इंडियाअंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 दूसरा वनडे – काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन – दोपहर 3:30 बजे

2 जुलाई, इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 तीसरा वनडे – काउंटी ग्राउंड, नॉर्थम्प्टन – दोपहर 3:30 बजे

5 जुलाई, इंडिया अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 चौथा वनडे – काउंटी ग्राउंड, न्यू रोड, वॉर्सेस्टर – 3:30 बजे

7 जुलाई, भारत अंडर-19 बनाम इंग्लैंड अंडर-19 पांचवां वनडे – काउंटी ग्राउंड, न्यू रोड, वॉर्सेस्टर – 3:30 बजे.

टीम इस प्रकार है : आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर.एस. अंबरीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

भारत-अमेरिका के बीच 'बड़ी' ट्रेड डील की उम्मीदः ट्रम्प बोले हमने कल ही चीन के साथ डील साइन की

भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक 'बड़ी' ट्रेड डील होने वाली है। ये बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में हुए 'बिग ब्यूटीफुल बिल' इवेंट में कही। ट्रम्प ने बताया कि अमेरिका ने हाल ही में चीन के साथ व्यापार समझौता किया है और अब भारत के साथ भी ऐसा ही कुछ बड़ा होने वाला है। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनियाभर के करीब 100 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। इसमें भारत पर 26% टैरिफ लगा। फिर 9 अप्रैल को ट्रम्प प्रशासन ने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया। ट्रम्प ने ये समय भारत जैसे देशों को डील पर फैसले लेने के लिए दिया है। ट्रम्प का कहना है कि उनकी टैरिफ नीति से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। ऐसे में भारत और अमेरिका इस डील का पहला चरण जुलाई 2025 तक पूरा करना चाहते हैं।

मामले से जुड़ी बड़ी बातें 4 पॉइंट में...

1. डोनाल्ड ट्रम्प बोले- हर कोई डील करना चाहता हैः राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा, "हर कोई डील करना चाहता है और इसमें हिस्सा लेना चाहता है। कुछ महीने पहले मीडिया पूछ रहा था, 'क्या आपके पास कोई दिलचस्प डील है?' खैर, हमने कल ही चीन के साथ डील साइन की है। हमारे पास कुछ शानदार डील्स चल रही हैं। अब भारत के साथ भी एक डील होने वाली है। बहुत बड़ी डील।" ट्रम्प ने कहा- हम हर किसी के साथ डील नहीं करने वाले। कुछ को हम बस एक चिट्ठी भेजेंगे, जिसमें लिखा होगा, बहुत-बहुत धन्यवाद। आपको 25, 35, 45 फीसदी (टैरिफ) देना होगा।

2. व्यापार को 2030 तक 500 अरब डॉलर ले जाने का लक्ष्यः भारत-अमेरिका डील से जुड़े लोगों ने बताया- हफ्तों पहले हुई बातचीत में मुख्य रूप से भारत और अमेरिका में इंडस्ट्री और कृषि उत्पादों के लिए ज्यादा बाजार पहुंच, टैरिफ में कटौती और नॉन-टैरिफ बैरियर्स पर फोकस रहा। अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई US ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ऑफिस के अधिकारियों ने की। जबकि भारतीय व्यापार मंत्रालय की टीम की कमान सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल कर रहे थे। इस समझौते का लक्ष्य दोनों देशों के बीच सालाना द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 अरब डॉलर (करीब 16 लाख करोड़) से बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर (करीब 43 लाख करोड़) तक ले जाना है।

3. पीयूष गोयल बोले- ट्रेड डील दोनों इकोनॉमी के लिए फायदेमंदः 10 जून को बातचीत खत्म होने पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका एक निष्पक्ष और बराबरी वाला व्यापार समझौता करने की प्रक्रिया में हैं, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं को फायदा पहुंचाएगा। उन्होंने कहा, "फरवरी 2025 में पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की मुलाकात हुई थी... दोनों नेताओं ने एक ऐसा द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने का फैसला किया है, जो दोनों की अर्थव्यवस्थाओं, कारोबारियों और लोगों के लिए फायदेमंद हो। हम एक अच्छा, निष्पक्ष, बराबरी वाला और संतुलित समझौता करने की बातचीत कर रहे हैं, जो कारोबार को बढ़ावा दे।"

4. जयशंकर बोले- डील तभी फाइनल होगी, जब फायदेमंद होः भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था है कि कोई भी डील तभी फाइनल होगी, जब दोनों देशों के लिए वो फायदेमंद हो। जयशंकर ने ट्रम्प के उस दावे पर यह बयान दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत ने 'कोई टैरिफ नहीं' लगाने का ऑफर दिया है। जयशंकर ने कहा, 'सब कुछ तय होने तक कुछ भी तय नहीं है।'

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में दोगुनी होगी बीमा राशि

- 18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख बीमा मिलता है वह अब 4 लाख होगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार का वित्त मंत्रालय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाय) में जीवन बीमा की राशि डबल करने की योजना पर काम कर रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके लिए प्रीमियम में भी तब्दीली की जा सकती है। अभी जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 साल के लोगों को साल भर के लिए 2 लाख रुपये का जीवन बीमा मिलता है। इसे बढ़ाकर दोगुना यानी 4 लाख रुपये किया जा सकता है। अभी सालाना प्रीमियम 436 रुपये प्रति सदस्य है, जिसे बढ़ाकर 700 से 800 रुपये के बीच लाने पर भी विचार चल रहा है। अधिकारी ने बताया कि सरकार प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना में भी बीमा की राशि बढ़ाने पर विचार कर रही है। लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की राय ले रही है और देख रही है कि इसे बढ़ाना कितना व्यावहारिक होगा। इस बारे में वित्त मंत्रालय को ईमेल भेजा गया था लेकिन अभी तक उसका जवाब नहीं मिला। सरकारी आंकड़ों से पता चला कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समावेशन की इन दोनों अहम योजनाओं के सालाना लक्ष्य हासिल नहीं कर सके। इन बैंकों को पिछले वित्त वर्ष में सुरक्षा बीमा योजना में 6.4 करोड़ पंजीकरण का लक्ष्य दिया गया था मगर केवल 40 प्रतिशत पंजीकरण हो पाया। जीवन ज्योति बीमा योजना में 4.1 करोड़ पंजीकरण के लक्ष्य में से केवल 30 प्रतिशत पूरा हो पाया। बैंक ऑफ इंडिया केवल 11 प्रतिशत पंजीकरण करा पाया। यूको बैंक ने 14 प्रतिशत, बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 24 प्रतिशत और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने भी 24 प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया। मगर अक्टूबर तक भारतीय स्टेट बैंक ने 60 प्रतिशत और इंडियन बैंक ने 45 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया था।

जियो ब्लैकरॉक को सेबी से मिली स्टॉकब्रोकर की हरी झंडी, जियो फाइनेंशियल का शेयर चमका

मुकेश अंबानी की फाइनेंशियल सर्विस कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई पर 5 फीसदी तक चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी मार्केट रेगुलेटर सेबी की तरफ से मंजूरी मिलने के बाद आई है। सेबी ने जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग को स्टॉकब्रोकर और क्लियरिंग मेंबर बनने की मंजूरी देने के बाद आई। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर आज पिछले बंद भाव 312 रुपये के मुकाबले 313.85 रुपये पर खुले। इस खबर के बाद इनमें जोरदार तेजी देखी गई और यह करीब 5 प्रतिशत चढ़कर 326.55 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए। जियो फाइनेंशियल के शेयर दोपहर 12:05 बजे 4.83 प्रतिशत बढ़कर 327.50 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। इसी के साथ शेयरों में लगातार चौथे ट्रेडिंग सेशन में तेजी का सिलसिला जारी रहा।

जियो फाइनेंशियल शेयर में तेजी की वजह?

सेबी ने जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग को स्टॉकब्रोकर बनने की मंजूरी दी है। जियो फाइनेंशियल ने शुक्रवार को एक्सचेंज फाईलिंग में बताया कि सेबी ने 25 जून 2025 को जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को स्टॉकब्रोकर और क्लियरिंग मेंबर के रूप में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेशन दिया है। जियो ब्लैकरॉक ब्रोकिंग की पेरेंट कंपनी जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स दरअसल जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और ब्लैकरॉक इंक के बीच 50:50 का जॉइंट वेंचर है। जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ मार्क पिलग्रेम ने कहा कि अब वे रिटेल निवेशकों को व्यक्तिगत सलाह दे सकेंगे। साथ ही, ब्रोकरेज सर्विस से खुद निर्देशित निवेशकों के लिए एक कार्यान्वयन प्लेटफॉर्म भी लाएंगे।

सेबी से निवेश सलाहकार की भी मिल चुकी है मंजूरी

11 जून को जियो फाइनेंशियल सर्विस ने एक्सचेंज को सूचित किया था कि जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स को सेबी से निवेश सलाहकार के रूप में काम करने की मंजूरी मिल गई है। जियो फाइनेंशियल ने एक फाइलिंग में बताया, "सेबी ने 10 जून, 2025 को जियोब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स को निवेश सलाहकार के रूप में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिया है।" जियो ब्लैकरॉक म्यूच्यूअल फंड को सेबी से मई में भारत में म्यूचुअल फंड बिजनेस के लिए निवेश प्रबंधक के रूप में काम करने की मंजूरी मिली थी। नियामक फाइलिंग के अनुसार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज को इस पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी में 10 रुपये के वैल्यू वाले 19 करोड़ इक्विटी शेयर नकद निवेश के जरिए आवंटित किए गए हैं।

ओएनजीसी ने असम का गैस रिसाव वाला कुआ बंद किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओएनजीसी ने असम के शिवसागर जिले में अपने कच्चे तेल के कुएं में 16 दिन तक गैस रिसाव होने के बाद उसे सील कर दिया है। यह बात केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को कही। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ओएनजीसी ने आज पूर्वाह्न सवा 11 बजे आरडीएस147ए से हो रहे रिसाव को रोक दिया। 12 जून को विस्फोट के बाद रिसाव शुरू हुआ था। सभी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कम से कम समय में सफलतापूर्वक इसे रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के संकट प्रबंधन दल ने अंतरराष्ट्रीय कुआं नियंत्रण विशेषज्ञों के साथ मिलकर अंततः सावधानीपूर्वक योजना एवं ठोस प्रयासों से सुरक्षित तरीके से गैस कुआं विस्फोट की घटना का निपटान किया। इसमें किसी तरह की जानमाल की हानि नहीं हुई न ही कोई आग लगने की घटना हुई। यह विस्फोट 12 जून को भटियापार के बारीचुक स्थित ओएनजीसी के रुद्रसागर तेल क्षेत्र के रिग संख्या एसकेपी 135 के कुआं संख्या आरडीएस 147ए में हुआ था। सार्वजनिक क्षेत्र की 'महारत्न कंपनी की ओर से एक निजी कंपनी एसके पेट्रो सर्विसेज कुएं का संचालन कर रही थी। एहितायाती तौर पर निकटवर्ती इलाकों से करीब 350 परिवारों को निकाला गया।

स्मार्ट परियोजना के तहत कपास, हल्दी और मक्का फसलों के लिए हेजिंग डेस्क शुरू

किसानों को उनकी उपज का उचित बाजार मूल्य मिले और उनकी आमदनी बढ़े, इसके लिए राज्य सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाया है। महाराष्ट्र सरकार ने मातोश्री बालासाहेब ठाकरे कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन (स्मार्ट) परियोजना के अंतर्गत पुणे में हेजिंग डेस्क की शुरुआत की है। पहले चरण में यह डेस्क कपास, हल्दी और मक्का जैसी फसलों पर केंद्रित रहेगा। आने वाले समय में इसे अन्य फसलों के लिए भी विस्तारित किया जाएगा। नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज और उसकी अनुसंधान संस्था एनआईसीआर के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य किसानों को कीमतों में उतार-चढ़ाव से होने वाले नुकसान से बचाना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसे कृषि क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया । विश्व बैंक के सुझावों और परियोजना कार्यान्वयन योजना के अनुसार, किसानों और एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को बाजार जोखिम से बचाने, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देने के लिए यह हेजिंग डेस्क स्थापित किया गया है। हेजिंग डेस्क पर एफपीओ और सीबीबीओ (क्लस्टर आधारित व्यापार संगठन) को कमोडिटी बाजार और जोखिम प्रबंधन की विशेषज्ञ जानकारी दी जाएगी।

महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी लगभग 12 फीसदी है, परंतु उत्पादन आज भी काफी हद तक मौसम पर निर्भर है। किसानों को अपनी उपज के उचित मूल्य की चिंता हमेशा रहती है। राज्य सरकार ने अब किसानों के सीमित संसाधनों और बाजार ज्ञान को ध्यान में रखते हुए पुणे में एक समर्पित कृषि हेजिंग डेस्क की स्थापना की है, ताकि उन्हें समय पर जानकारी और सुरक्षा मिल सके। 3000 से अधिक किसानों को हेजिंग और जोखिम प्रबंधन के प्रशिक्षण दिए जाएंगे। किसानों और एफपीओ को रियल-टाइम मार्केट इंटेलिजेंस, वैश्विक कीमतें, और बाजार के रुझानों की जानकारी दी जाएगी। कृषि भंडारण केंद्रों की स्थापना हेतु एफपीओ को प्रोत्साहन दिया जाएगा। एक जोखिम प्रबंधन कक्ष बनाया जाएगा जो विभिन्न जोखिमों का विश्लेषण करेगा और समाधान हेतु रणनीतियां बनाएगा। कपास, मक्का और हल्दी के लिए वार्षिक मूल्य जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की जाएंगी। कमोडिटी डेरिवेटिव्स पर जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण शिविर होंगे।

एनसीडीईएक्स और स्मार्ट परियोजना का सहयोग

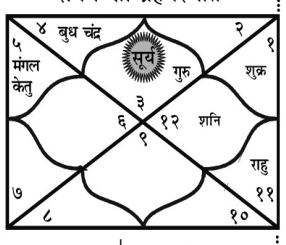

8 अप्रैल 2025 को एनसीडीईएक्स और स्मार्ट परियोजना के बीच किसान उत्पादक संगठनों के लिए हेजिंग डेस्क स्थापित करने के लिए समझौता हुआ था । इसका मुख्य फोकस कपास, हल्दी और मक्का उत्पादक क्षेत्रों के एफपीओ और किसानों पर रहेगा। हिंगोली, वाशिम, सांगली, यवतमाल, अकोला, नांदेड, अमरावती, छत्रपती संभाजीनगर और बीड जिलों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसका कार्यालय पुणे में है और कार्य शुरू हो चुका है। महाराष्ट्र के किसानों के लिए चयनित कृषि वस्तुओं पर हेजिंग और ऑप्शन ट्रेडिंग से कई सकारात्मक प्रभाव होंगे। किसान फसल की बिक्री कीमत पहले से तय कर सकेंगे। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव भी हो, तो उन्हें न्यूनतम कीमत की गारंटी मिलेगी। इससे उन्हें स्थिर आमदनी और बेहतर वित्तीय योजना बनाने में मदद मिलेगी।

दैनिक पंचांग

28 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2025 वर्ष का 179 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 09.55 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 06.36 बजे को समाप्त।
योग हर्षण 19.15 बजे को समाप्त।
करण गर 09.55 बजे तदनन्तर वणिज 21.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872389
जूलियन दिन 2460854.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम
तारीख 02
विशेष विनायक चतुर्थी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	**कर्क**	06.40 बजे से
चंद्र	कर्क में	**सिंह**	08.57 बजे से
मंगल	सिंह में	**कन्या**	11.09 बजे से
बुध	कर्क में	**तुला**	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	**वृश्चिक**	15.34 ब.से
शुक्र	मेष में	**धनु**	17.50 बजे से
शनि	मीन में	**मकर**	19.55 बजे से
राहु	कुंभ में	**कुंभ**	21.42 बजे से
केतु	सिंह में	**मीन**	23.14 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		**मेष**	00.45 बजे से
		वृष	02.25 बजे से
		मिथुन	04.23 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	**लाभ**	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	**उद्वेग**	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	**शुभ**	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	**अमृत**	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	**चर**	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	**रोग**	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	**काल**	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	**लाभ**	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7330

बाएँ से दाएँ
1. लाचार, बेबस-3
3. प्राण, जान-3
5. दुर्ग, फोर्ट-2
6. सद्पुरुष-2
8. कवायद-4
10. प्रतिघात, मुआवजा-3
12. कंठ, गला-3
13. लकड़ी-2
14. प्रथम मानव-2
15. धोखेबाज, कपटी-3
17. माजरा, घटना-3
19. कहासुनी, झंझट -4
21. संबोधन-2
23. चावल-2
24. रगड़ना, लगाना-3
25. वादा, प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे
1. लता, लतिका-2
2. चावल (अंग्रेजी-3)
3. हूर, अप्सरा-3
4. आकाश, व्योम-2
5. शायरी करनेवाला-3
7. योग्य, उपयुक्त-3
8. अदाकार, फनकार-4
9. घोड़ागाड़ी-2
12. बजरंगबली-4
15. माह, मास-3
16. जांघ, जंघा-2
18. धिक्कार, फटकार-3
19. मामूली, तुच्छ-3
20. बहने का भाव-3
22. संस्कृत में 'मेरा'-2
23. होश, आभास-2

शब्द पहेली -7329 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का इतिहास

1986 पश्चिम यूरोपीय देशों के नेताओं ने नीदरलैंड्स बैठक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का फैसला ठंडे बस्ते में डाल दिया.

1991 यूगोस्लाविया सेना ने संघर्ष विराम की घोषणा की जिससे स्लोवनिया उससे अलग नहीं हो.

1994 रूस के दक्षिणी शहर में तीन बंदूकधारियों ने एक बस के चालीस यात्रियों को बंधक बना लिया.

1997 फिल्म समीक्षक संपतलाल पुरोहित का निधन.

1999 सियाचीन में एक सैनिक कार्रवाई में 15 पाकिस्तानी सैनिक मारे गये.

2007 यूनेस्को विश्व धरोहर समिति की बैठक में विश्व विरासत स्थल के रूप में लाल किला को चूना गया.

2007 करोड़ों रुपए के फर्जी स्टाम्प पेपर घोटाले मुख्य आरोपी अब्दुल करीम तेलगी को अदालत ने 13 साल के सश्रम कारावास और 102 करोड़ रुपये जुर्माने की सजा सुनाई.

अंकजाल - 6871

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 6870 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5815

	1		5	7	4	
3	32	6	36	2	30	1
		7	1		2	
5	26		34		38	6
	2		7	5		
2	30	4	32	3	31	7
	6	5	4		3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5814 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	29	6	37	2	31	1
1	2	3	7	5	6	4
5	30	1	30	4	31	6
7	6	5	4	1	3	2
2	33	4	31	3	30	7
6	1	2	5	7	4	3

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5175

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5174

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6862

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र-	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'राज' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

रामराज, रावणराज, मेघराज, राजाधिराज, एतराज, पर्वतराज, महाराज, विराज, दराज, स्वराज

शब्दजाल - 6861 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राजधानी रांची में भव्य रथ मेले का शुभारंभ

रथ मेला जाने वाले रास्तों पर वाहनों की नो एंट्री, जाना होगा पैदल या बदलना होगा रास्ता

रांचीः राजधानी रांची में आज 27 जून से भव्य रथ मेले का शुभारंभ हो गया है. आज भोर से ही मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गयी. मेला परिसर में धीरे-धीरे लोगों की भीड़ बढ़ रही है. इधर रथ यात्रा के मद्देनजर आज से 7 जुलाई तक ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किये गये हैं. 7 जुलाई तक धुर्वा गोलचक्कार, नया सराय रोड, जेएससीए स्टेडियम रोड, और पुराना विधानसभा रोड समेत कई मार्गों पर वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा. इसके अलावा कई जगहों पर रूट डायवर्ट किये गये हैं. ऐसे में आप भी जगन्नाथ रथ यात्रा में शामिल होना चाहते हैं, तो घर से निकलने से पहले एक बार ट्रैफिक व्यवस्था जरूर देख लें।

इन मार्गों पर रहेगा वाहनों का प्रवेश वर्जितः 26 जून से 07 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से रात 12:00 बजे तक, धुर्वा गोलचक्कार, नया सराय रोड, जेएससीए स्टेडियम रोड, व पुराना विधानसभा रोड पर सभी बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। 26 व 27 जून को धुर्वा गोलचक्कर से पुराना विधानसभा एवं प्रभात तारा मैदान से शालीमार बाजार चौक की ओर सभी सामान्य वाहनों का प्रवेश बंद। तिरिल मोड़ से मौसीबाड़ी गोलचक्कार, शहीद मैदान से मौसीबाड़ी गोलचक्कार तक किसी प्रकार का वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। प्रभात तारा तीनमुहानी से जगन्नाथपुर बाजार तक किसी भी प्रकार के वाहनों का प्रवेश नहीं होगा।

इन मार्गों पर रूट डायवर्टः एचइसी व विधानसभा की ओर से आने वाले वाहन – शहीद मैदान, शालीमार बाजार, प्रभात तारा मैदान, जेएससीए स्टेडियम से दाहिने मुड़ कर तिरिल मोड़ होकर गंतव्य की ओर जायेंगे। रिंग रोड की ओर से शहर आने वाले वाहन – तिरिल , जेएससीए स्टेडिय, प्रभात तारा, शालीमार बाजार होकर शहर की ओर जायेंगे। धुर्वा गोलचक्कार से शहर की ओर आने वाले वाहन – प्रोजेक्ट भवन, चांदनी चौक हटिया, सिंह मोड़ से बिरसा चौक होकर शहर की ओर। धुर्वा से रिंग रोड जाने वाले वाहन – प्रभात तारा मैदान नॉर्थ गेट, तिरिल मोड़, नया सराय होते हुए रिंग रोड।

इन जगहों पर वाहन पार्किंग की व्यवस्थाः तुपुदाना, हटिया, खूंटी, धुर्वा गोलचक्कर से आनेवाले वाहन – धुर्वा गोलचक्कर के पश्चिमी भाग में स्थित खाली मैदान में। बालालोंग, नया हाइकोर्ट, धुर्वा बस स्टैंड से आनेवाले वाहन – प्रभात तारा मैदान में। धुर्वा सेक्टर-1व 2 से आनेवाले वाहन-मौसीबाड़ी गोलचक्कर के बगल स्थित खाली मैदान। नया सराय, न्यू विधानसभा रोड से आनेवाले वाहन – तिरिल मोड़ हेलीपैड मैदान। अरगोड़ा व बिरसा चौक से आनेवाले वाहन-शहीद मैदान व पुराना विधानसभा मैदान।

मेला की सुरक्षा कड़ी, ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी

रांची के जगन्नाथपुर में 27 जून से सात जुलाई तक रथयात्रा और मेला का आयोजन हो रहा है. इसकी सुरक्षा को लेकर रांची पुलिस की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं. पूरे मेले की निगरानी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से की जायेगी. इसके लिए मंदिर के नीचे स्थित निलाद्री भवन में कमांड सेंटर बनाया गया है. कमांड सेंटर में ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से मिलने वाले फुटेज पर नजर रखने के लिए कई मॉनिटर लगाये गये हैं।

डीआईजी करेंगे सुरक्षा की मॉनिटरिंगः बताया गया कि डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा मेले में सुरक्षा की मॉनिटरिंग करेंगे. वहीं, सिटी एसपी अजीत कुमार सुरक्षा का जायजा लेंगे. इस दौरान मेला क्षेत्र की सुरक्षा का नेतृत्व हटिया डीएसपी करेंगे. इस दौरान भीड़ और सुरक्षा के मद्देनजर रांची शहरी क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है।

मेला में प्लास्टिक बैन, कई दुकानों से जब्त हुए कैरी बैग

राजधानी रांची में आज 27 जून से भव्य रथ मेले का शुभारंभ हुआ. पहले दिन ही मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी है. मेले में तरह-तरह की हजारों दुकानें सजी हैं. मालूम हो मेला में इस वर्ष प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है. मेला में प्लास्टिक से बनी वस्तुओं की खरीद-बिक्री और प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रशासन अलर्ट मोड पर नजर आयी। शुक्रवार को मेला परिसर में नगर निगम की टीम एक्शन मोड में नजर आयी. टीम ने सभी दुकानों का निरीक्षण किया. इस दौरान कई दुकानों से प्लास्टिक जब्त किये गये. मेले में प्लास्टिक कैरी बैग और प्लास्टिक से बनी वस्तुओं की खरीद-बिक्री पर पूरी तरह रोक लगा दी गयी है. प्रशासन ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि वे इस बार की रथयात्रा को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने में सहयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

बेल्डीह में धूमधाम से निकली जगन्नाथ रथयात्रा

जमशेदपुरः हर वर्ष की भांति इस वर्ष मी स्थानीय नागा मंदिर बेल्डीह में दिनांक 27 जून, आषाढ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि की पहली रथ यात्रा महोत्सव धूमधाम से मनायी जायेगी। महोत्सव में भगवान श्री कृष्ण यानि श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्ध और बहन सुभद्रा की मूर्तियों सुसज्जित रथ पर हजारों भक्तों के साथ उत्साह पूर्वक निकाली गई । पूजा अर्चना दिन में 3 बजे से प्रारम्भ हुई उसके बाद रथ यात्रा भव्य श्रृंगार के साथ भक्तों द्वारा निकाली गई । वहीं 5 जुलाई 2025 शनिवार के दिन आषाढ शुक्लपक्ष दशमी को वापसी यात्रा होगी। मौके पर मंदिर प्रबंधन समिति के ट्रस्टी शशि तिवारी ने कहा कि जगन्नाथ रथ यात्रा की परम्परा पुरी में प्रारम्भ हुई थी। जहाँ तीनों विग्रह सैकड़ों वर्षों से स्थापित हैं। भूत एवं वर्तमान के प्रतीक जगन्नाथ के मंदिर में दर्शनार्थ विभिन्न दिशाओं से भक्तगण आते हैं। अमीर, गरीब, शिक्षित, अशिक्षित, ऊँची जाति, निम्न जाति सभी लोग प्रार्थना कर भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त कर लोटते हैं। उल्लेखनीय है कि छोटानागपुर क्षेत्र में इस पर्व को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। सन 1936 से स्थानीय बेल्डीह नागा मंदिर से भी रथयात्रा की परम्परा चली आ रही है। पहले उड़ीसा के साहादेव यश द्वारा नागासाधु को विग्रह प्रदान किया गया था। बाद में स्वर्गीय पंडित गणेश तिवारी जी के तत्वावधान में मनायी जा रही है। भगवान श्री जगन्नाथ, बलराम एवं सुभदा की मूर्तियों शोभा यात्रा के लिए रथ पर रखकर पारम्परिक बैंग से निकाली जाती है, जहाँ प्रतिवर्ष हजारों श्रद्धालु उसमें भाग लेते हैं। इस अवसर पर मंदिर परिसर के पास बेल्डीह गोल्फ ग्राउन्ड में एक भव्य मेले का आयोजन किया गया है I रथ खींचते हुए श्रद्धालु मन्दिर की परिक्रमा करते है। रथ मंदिर के चारों ओर बाहरी घेरे में ही घुमाया जाता है। यह माना जाता है कि जो भक्त श्रद्धा से इस परिक्रमा को 5 बार कर लेते है उनकी मनोकामनाएँ पूरी हो जाती है।

रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर स्टील सिटी ने तीन नलकूप वाले पेय जल उपकरण का उद्घाटन किया

जमशेदपुरः रोटरी स्टील सिटी की टीम साकची स्थित सिविल कोर्ट परिसर में शुक्रवार को तीन नल वाले पेयजल स्टेशन, 80 लीटर के ठंडे पेयजल कियोस्क का उद्घाटन किया, 100 लीटर क्षमता वाले 10 डस्टबिन और 10 पौधे भी दान किए। समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अरविंद कुमार पांडेय, प्रधान न्यायधीश कुटुंब न्यायालय श्री अजीत कुमार सिंह , प्रथम जिला एवं सत्र न्यायधीश विमलेश कुमार सहाय सहित अन्य न्यायायिक पदाधिकारी एवं प्रभारी डालसा सचिव तथा जिला बार संघ के सचिव श्री कुमार राजेश रंजन एवं कोर्ट स्टाप व पीएलवी मुख्य रूप से उपस्थित थे । इनके अलावा रोटरी क्लब स्टील सिटी की ओर से श्री जिला गवर्नर आरटीएन बिपिन चाचान, प्रथम महिला आरटीएन शिल्पी चाचान , आरटीएन दीपक डोकानिया, अध्यक्ष आरटीएन शिवानी गोयल, सचिव आरटीएन डॉ. प्रियंका सिंह, आर्किटेक्ट नलिन गोयल, आरटीएन मंजू भामरा और अन्य मौजूद थे।

झामुमो ने संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने का किया विरोध

जमशेदपुरः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने की मांग का विरोध किया है। षाड़ंगी शुक्रवार को साकची स्थित झामुमो कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झामुमो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने की मांग की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि ये शब्द संविधान की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि इसका सीधा अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संविधान की इन मूल अवधारणाओं को नहीं मानता है। गौरतलब है कि गुरुवार को नई दिल्ली में हिन्दुस्थान समाचार समूह के कार्यक्रम में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में बाद में जोड़े गए सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्दों का विरोध किया और इनको संविधान की प्रस्तावना से हटाने की मांग की।

शिक्षा मंत्री रामदास ने 10वीं बोर्ड की टॉपर शांभवी जायसवाल को किया सम्मानित

जमशेदपुरः शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने शुक्रवार को जमशेदपुर की होनहार छात्रा शांभवी जायसवाल को सम्मानित किया। लोयोला स्कूल की इस प्रतिभावान छात्रा ने आईसीएसई-2025 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में सभी विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर पूरे देश में टॉप किया है। इस उपलब्धि पर मंत्री ने उसे एक लाख रुपये की प्रतिभा प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह में मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि शांभवी की सफलता पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। ऐसी प्रतिभाएं राज्य की असली पहचान होती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार होनहार विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देती रही है और आगे भी देती रहेगी। शांभवी की मेहनत, लगन और अनुशासन हर छात्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

सम्मान मिलने के बाद शांभवी जायसवाल ने अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उसने कहा कि उसकी सफलता का राज नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण है। शांभवी ने कहा कि वह भविष्य में भी अपने राज्य और देश का नाम रोशन करना चाहती है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, झामुमो के वरिष्ठ नेता मोहन कार्मांकर, शिक्षा विभाग के अधिकारी और शांभवी के परिजन उपस्थित थे। मंत्री रामदास सोरेन ने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें।

सभी जिलों में एक जुलाई तक बारिश की संभावना

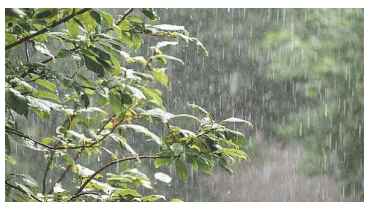

रांचीः झारखंड के सभी जिलों में एक जुलाई तक बारिश होने की संभावना है। वहीं 29 जून को राज्य के उत्तरी-मध्य और इसके निकटवर्ती हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शुक्रवार को दी है। विभाग के अनुसार दक्षिणी-पश्चिमी मॉनसून फ़िलहाल झारखंड में पूरी तरह से सक्रिय बना हुआ है। यही वजह है कि पूरे राज्य भर में अच्छी बारिश रिकॉर्ड की जा रही है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक बारिश हजारीबाग जिले के हेंदेगीर में 79 मिमी रिकॉर्ड की गई। इस दौरान राज्य के जिन जगहों पर बारिश दर्ज की गई उनमें रामगढ़ 71.2, मांडू 68.2, रांची के कांके 65.4, पतरातू 65, कुमारडुब्बी 64.4, पुटकी 59.6, कोलेबिरा 57.2, रामगढ़ डीवीसी 56.6, सिमडेगा के बानो 47.5, सिमडेगा 45.4, पुटकी डीवीसी 44, तेनुघाट 40.8, बहरागोड़ा 39.2 मिमी शामिल है।

शिबू सोरेन की हालत चिंताजनक होने की सूचना

भाजपा ने की मेडिकल बुलेटिन जारी करने की मांग

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जताई चिंता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के अस्वस्थ होने की सूचना से मन अत्यंत चिंतित है। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि ईश्वर से उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना करता हूं।

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की हालत चिंताजनक है। झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने बताया कि सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती दिशोम गुरु शिबू सोरेन की हालत थोड़ी चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है और आईसीयू में सीमित लोगों को उनसे मिलने की अनुमति है।

प्रवक्ता पांडेय ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन की तबीयत स्थिर है, उसमें न तो कोई गिरावट आई है और न ही कोई सुधार हुआ है। सभी लोग ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जल्द स्वस्थ होकर झारखंड लौटें। उन्होंने कहा कि अभी झारखंड और झारखंडवासियों को शिबू सोरेन के मार्गदर्शन की जरूरत है। बताया जा रहा है कि अस्पताल में न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ है। इससे उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है।

उल्लेखनीय है कि 81 वर्षीय गुरुजी लंबे समय से किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। वह एक साल से डायलिसिस पर हैं। वे डायबिटीज से पीड़ित हैं और हार्ट की बाइपास सर्जरी भी हो चुकी है। गत गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी सर गंगाराम अस्पताल में जाकर शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। इसके पहले राज्यपाल संतोष गंगवार भी अस्पताल पहुंचे थे और गुरुजी से मुलाकात की थी।

मेडिकल बुलेटिन जारी करने की मांगः शिबू सोरेन के स्वास्थ्य को लेकर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने कहा कि शिबू सोरेन न सिर्फ राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं, बल्कि वे झारखंड सरकार की समन्वय समिति के प्रमुख भी हैं, ऐसे में सरकार, पीआईबी को उनके स्वास्थ्य को लेकर अधिकृत मेडिकल बुलेटिन जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुजी के स्वास्थ्य को लेकर लोग चिंतित हैं, लोग उनसे मिलने जा रहे हैं। ऐसे में सरकार के स्तर से अगर कोई जानकारी नहीं दी जाएगी तो लोग गलतफहमी का शिकार होंगे। इसलिए सरकार या पीआईबी को उनकी वर्तमान हालात को लेकर मेडिकल बुलेटिन जारी करनी चाहिए।

शिबू सोरेन का हाल जानने दिल्ली रवाना हुए कांग्रेस और राजद के नेता

देवघरः झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह संस्थापक शिबू सोरेन की तबीयत खराब होने के बाद सभी राजनीतिक दल उनके बेहतर स्वास्थ्य की कामना कर रहे हैं. दिशोम गुरु की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसकी जानकारी मिलने पर पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली के अस्पताल पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन से शिबू सोरेन की स्वास्थ्य को लेकर जानकारी ली थी।

वहीं झारखंड के राजनीतिक दलों के सभी बड़े-बड़े नेता उनके स्वास्थ्य का हाल जानने के लिए इच्छुक दिख रहे हैं. इसी कड़ी में शुक्रवार को कांग्रेस नेता सह झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी सिरी बेला, राजद नेता सह श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव शुक्रवार को देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए।

दिल्ली रवाना होने से पहले स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड के निर्माता शिबू सोरेन की तबीयत खराब है. उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश प्रभारी के. राजू की बैठक चल रही थी. इसी दौरान प्रदेश प्रभारी ने कहा कि आपलोग तत्काल दिल्ली जाएं और शिबू सोरेन की तबीयत के बारे में अपडेट करें. उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन हम सब के अभिभावक हैं. इसलिए हमारी उनके प्रति जवाबदेही बनती है. इसलिए हम उनका हाल जानने के लिए दिल्ली जा रहे हैं।

वहीं दिल्ली रवाना होने से पूर्व राजद के वरिष्ठ नेता सह श्रम मंत्री संजय यादव ने कहा कि गठबंधन की जितनी भी पार्टियां हैं, वे सभी कहीं ना कहीं गुरुजी से जुड़ी हैं. गुरुजी देश के महान नेताओं में से एक हैं. उनके रहने से सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को ही एक बेहतर दिशा मिलती है. इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियां राजनीति से ऊपर उठकर उनके स्वास्थ्य की चिंता कर रही है. उन्होंने बाबा बैद्यनाथ से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

असंगठित मजदूरों को नशा उन्मूलन के प्रति कराया गया जागरूक

जमशेदपुरः नालसा व झालसा के निर्देश पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर 26 जून गुरुवार को डालसा पीएलवी द्वारा मानगो चौक पर असंगठित मजदूरों के बीच नशा उन्मूलन के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान डालसा पीएलवी नागेन्द्र कुमार, दिलीप जायसवाल, जोबारानी बासके, विनोद कुमार एवं व्यक्तित्व विकास संस्थान के सचिव मनोज राजवंशी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

लोहरदगा में जेजेएमपी उग्रवादी और पुलिस के बीच मुठभेड़

लोहरदगाः यहां पर जेजेएमपी उग्रवादियों और पुलिस की टीम के बीच मुठभेड़ हुई है. यह मुठभेड़ लोहरदगा-लातेहार के सीमावर्ती थाना क्षेत्र के पास हुई है. पुलिस की टीम ने मुठभेड़ के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया जिसमें मैगजीन, कारतूस, खोखा, नगदी सहित कई सामान बरामद किए गए हैं. पुलिस और सुरक्षा बल के जवान अभी भी सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

सूचना पर सुरक्षा बल कर रहे थे छापेमारीः सशस्त्र सीमा बल और जिला पुलिस की टीम की, जेजेएमपी सुप्रीमो रविंद्र यादव के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई. दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं. हालांकि जेजेएमपी उग्रवादी अंधेरे एवं जंगल का फायदा उठा कर भागने में कामयाब रहे. इसके बाद अभियान दल द्वारा सतर्कता के साथ सर्च करने पर एक एसएलआर मैगजीन, कुल 51 पीस 7.62 जिंदा कारतूस, दो पीस 7.62 खोखा, दो पीस

गोली और अन्य सामान बरामद

इंसास खोखा, एक पीस एके-47 का खोखा, एक पीस मैगजीन पाउच, पांच पीस एंड्रॉयड मोबाइल, तीन पीस की-पैड मोबाइल, एक पीस वॉकी टॉकी, एक पीस पावर बैंक, नकद 3100 रुपये, डायरी, नक्सल पर्चा एवं दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री बरामद की गई हैं।

उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थेः इस संबंध में शुक्रवार को पेशरार थाना में कांड संख्या 04/25 दर्ज किया गया. यह मुठभेड़ लोहरदगा जिला के पेशरार थाना क्षेत्र के सीमावर्ती और लातेहार थाना क्षेत्र के केदली टोली गांव में हुई है. बताया जाता है कि एसपी सादिक अनवर रिजवी को गुप्त सूचना मिली थी कि लोहरदगा जिला के पेशरार थाना अंतर्गत हरकट्ठा के जंगलों में उग्रवादी संगठन जेजेएमपी सुप्रीमो रविंद्र यादव, सचिन, विशाल, कालेश्वर खेरवार, शिव अपने दस्ते के साथ घूम रहा है. यह दस्ता किसी बड़ी उग्रवादी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। सूचना पर एसपी सादिक अनवर रिजवी एवं 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लातेहार के कमांडेंट के निर्देश पर शुक्रवार को केस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर के साथ जी कंपनी सशस्त्र सीमा बल केस्को के कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर मनीष कुमार चौबे, जोबांग थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह, कैरो थाना प्रभारी कुलदीप राज टोप्पो, पेशरार थाना प्रभारी गैलन रजवार, बगदू थाना प्रभारी नरेश कुमार यादव, तकनीकी शाखाकर्मी, क्यूएटी बड़कीचांपी, सैट-75 एवं जी कंपनी सशस्त्र सीमा बल केस्को के साथ एक अभियान दल का गठन किया गया। इस सूचना का सत्यापन करते हुए अभियान दल जब पेशरार से आगे निकली तो पता चला कि दस्ता हरकट्ठा से आगे निकल गया है. अभियान दल दस्ते के जाने के रास्ते को सर्च करते हुए आगे जाने लगे तो जेजेएमपी दस्ते के द्वारा पुलिस बल को लक्षित कर फायरिंग शुरू कर दी गई. इस पर अभियान दल में शामिल जवानों द्वारा जवाबी कार्रवाई की गई. अभियान दल की जवाबी कार्रवाई से जेजेएमपी उग्रवादी अंधेरे एवं जंगल का लाभ उठा कर भाग खड़े हुए. इसके बाद अभियान दल द्वारा सतर्कता के साथ सर्च करने पर एसएलआर मैगजीन, कारतूस, खोखा, मोबाइल, नकदी सहित कई प्रकार का सामान बरामद किया गया.

बाइक की डिक्की से 30 लाख का जेवर उड़ाने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

पलामूः पलामू जिले के लेस्लीगंज में 20 जून की देर शाम 30 लाख रूपये की जेवर बाइक की डिक्की से गायब करने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस घटना को ओडिशा और आंध्र प्रदेश के अपराधियों ने अंजाम दिया था। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के लादी में किराये के मकान में रहते हुए इस घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने रेकी करने वाले ओडिशा और आंधप्रदेश के एक-एक अपराधियों को गिरफ्तार किया है। मुख्य दो अपराधी ज्वेलरी लेकर फरार हैं। उनकी पहचान हो गयी है। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। लेस्लीगंज में ज्वेलरी गायब होने और मेदिनीनगर शहर एवं सदर में सोने की चेन छिनतई की तीन घटनाएं होने पर तेजी से अनुसंधान किया गया। गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए चैनपुर के लादी में छापेमारी की गयी। रामजीत शर्मा के घर से दो संदिग्ध को पकड़ा गया। पूछताछ में घटना का खुलासा हुआ। चोरी गए सोने के 135 ग्राम और चांदी के 1150 ग्राम बने हुए जेवर बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधियों में आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम के नातवरम कोंडा के दुर्गा प्रसाद (27) और ओडिशा के गंजम जिले के असका कोराटोली के आवला बलराम (25) शामिल हैं। इनमें से आवला बलराम के खिलाफ बिहार के मुज्जफरपुर एवं नायागढ थाना में एक-एक आपराधिक मामला दर्ज है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मेदार।